नई दिल्ली। शनिवार, 24 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 288/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल नितेश, थुलसिमथी ने बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स में सिल्वर जीता...
@ विचार निजीकरण की बहस, कर्मचारियों की हड़ताल ...
@ व्यापार शेयर बाजार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद...

खबर झरोखा

सऊदी अरब के कुछ शहरों के लिए इंडिगो की उड़ानें अस्थायी रूप से रद्द



नई दिल्ली। सऊदी अरब की सुरक्षा की बदलती स्थिति को देखते हुए इंडिगो ने फिलहाल के लिए अपनी सेवाएं बंद करने की घोषणा की है। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने यह जानकारी दी।

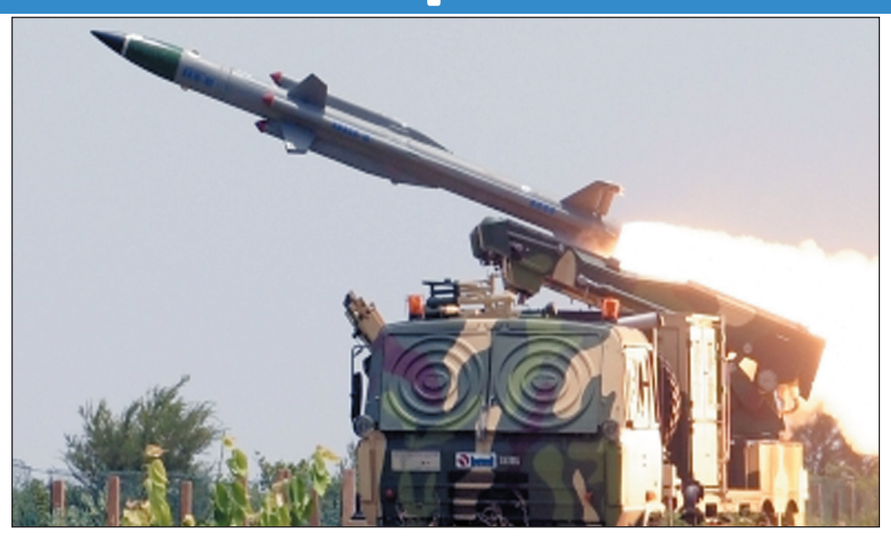
भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में उड़ान की जानकारी साझा करते हुए बताया कि इंडिगो की रियाद के लिए आने-जाने वाली फ्लाइट्स 31 अक्टूबर 2026 तक कैंसिल रहेंगी, जबकि जेद्दा, दम्माम और मदीना के लिए आने-जाने वाली फ्लाइट्स 27 अक्टूबर 2026 तक कैंसिल रहेंगी।

इंडिगो ने अपने यात्रियों को एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि सऊदी अरब की स्थिति की समीक्षा के बाद, इंडिगो की रियाद आने-जाने वाली उसकी सभी उड़ानें 31 अक्टूबर 2026 तक रद्द रहेंगी।

वहीं, जेद्दा, दम्माम और मदीना के लिए आने-जाने वाली उड़ानें 27 अक्टूबर 2026 तक रद्द रहेंगी।

भारत यूरोप को रक्षा सामान निर्यात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बना: रक्षा सचिव

एजेंसी ■ नई दिल्ली



भारत यूरोप को हथियारों का निर्यात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। यूरोप की 'रीआर्म यूरोप' पहल के तहत रक्षा सामग्री की बढ़ती मांग और देश में रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार से भारत के निर्यात को बढ़ावा मिला है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राजेश कुमार सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत का रक्षा निर्यात अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंचकर 38,424 करोड़ रुपये हो गया है, जो लगभग 3.6 अरब यूरो के बराबर है। उन्होंने ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले एक साल के दौरान भारत यूरोप को हथियार निर्यात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। इसके पीछे मुख्य रूप से 'रीआर्म यूरोप' पहल के कारण बढ़ी मांग है।

उन्होंने कहा कि इस पहल के चलते विभिन्न प्रकार के मानक गोला-बारूद, तोप के गोले और बड़े तथा छोटे कैलिबर के गोला-बारूद का यूरोप को बड़े पैमाने पर निर्यात शुरू हुआ है।

रक्षा सचिव ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में भारत के रक्षा विनिर्माण तंत्र में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। देश में 16 बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनियों के अलावा लगभग 840 बड़ी और मध्यम आकार की निजी कंपनियां तथा स्टार्टअप समेत करीब 17,000 छोटे उद्यम इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विविध औद्योगिक आधार का असर घरेलू बिक्री के आंकड़ों में भी दिखाई दे रहा है, जो अब लगभग 17 अरब यूरो तक पहुंच गई है।

राजेश कुमार सिंह ने कहा कि भारत अब 80 से अधिक देशों को रक्षा सामग्री का निर्यात कर रहा है। सरकार की कोशिश है कि हर साल लगभग 20 से 25 अरब डॉलर के रक्षा पूंजीगत व्यय का 75 प्रतिशत हिस्सा देश के भीतर खर्च किया जाए। इसके तहत भारतीय डिजाइन, विकास और विनिर्माण वाले उत्पादों यानी आईडीडीएम (आईडीडीएम) को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात केवल भारी तोपों और गोला-बारूद तक सीमित नहीं है। इसमें हेलमेट, बुलेटप्रूफ जैकेट जैसे सामरिक उपकरणों से लेकर छोटे हथियार भी शामिल हैं।

रक्षा सचिव के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया सहित कई क्षेत्रों में रक्षा सामग्री की खरीद को लेकर बातचीत और अनुबंधों की प्रक्रिया चल रही है। इनमें विभिन्न प्रकार के रक्षा उपकरणों, छोटे हथियारों और तोप प्रणालियों की आपूर्ति से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। रक्षा सचिव ने कहा कि पहले भारत रक्षा उपकरणों के लिए सबसे अधिक रूस पर निर्भर था। हालांकि, समय के साथ इस निर्भरता में कमी आई है और भारत ने अपने रक्षा आयात के स्रोतों में विविधता लाई है।

उन्होंने कहा कि भारत के पास अब भी रूसी मूल के कई रक्षा उपकरण हैं, लेकिन फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए हैं। उन्होंने बताया कि रूस के बाद फ्रांस की भारत के रक्षा आयात में लगभग 15 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि इजरायल की हिस्सेदारी भी लगभग इतनी ही है।

राजेश कुमार सिंह ने कहा कि हाल ही में उन्होंने ग्रीस और साइप्रस का दौरा किया। भारत इन दोनों देशों के साथ रणनीतिक हितों में काफी समानता देखता है। उन्होंने इन देशों को भारत का नया साझेदार बताते हुए कहा कि ये यूरोप तक पहुंच बनाने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं।

रक्षा सचिव ने कहा कि रक्षा आपूर्ति के स्रोतों में विविधता आने से भारत को अंतरराष्ट्रीय मांग के अनुरूप उत्पादन तेजी से बढ़ाने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि भारत यूरोप के रक्षा खरीद कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी बढ़ाना चाहता है। इसके लिए यूरोपीय देशों में संयुक्त उद्यम स्थापित करने की योजना है। इसी तरह यूरोपीय साझेदारों को भी भारतीय रक्षा बाजार तक पहुंच बनाने के लिए भारत में संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देश भारत के रक्षा खरीद कार्यक्रमों में भी भाग ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें सरकार की 'मेक इन इंडिया' संबंधी शर्तों का पालन करना होगा।

राजेश कुमार सिंह ने उम्मीद जताई कि भारत और यूरोप के बीच प्रस्तावित साझेदारी समझौता दोनों क्षेत्रों के रक्षा विनिर्माताओं के बीच आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक एकीकृत करने का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत इसी दिशा में काम करना चाहता है, ताकि दोनों पक्षों के बीच रक्षा उत्पादन और सहयोग को और मजबूत किया जा सके।

एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप: 72 साल का सूखा खत्म, हरमीत-यशस्वीनी की जोड़ी ने किया मेडल पक्का



एजेंसी ■ ताशकंद

भारत के हरमीत देसाई और यशस्वीनी घोरपड़े ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शुक्रवार को ताशकंद में चल रही एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप के मिक्स्ड डबल्स इवेंट में इस जोड़ी ने भारत के लिए एक मेडल पक्का कर लिया है।

भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंच गई है, जिससे एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप के मिक्स्ड डबल्स इवेंट में 72 साल बाद भारत के लिए मेडल पक्का हो गया है। इससे पहले भारत ने इस इवेंट में आखिरी बार 1954 में मिक्स्ड डबल्स में मेडल जीता था। सेमीफाइनल में जगह बनाकर हरमीत और यशस्वीनी ने कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्का कर लिया है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में साउथ कोरिया के पार्क गैंगह्योन और ली डेउन को 3-2 से हराया।

अब सेमीफाइनल में हरमीत और यशस्वीनी का मुकाबला जापान के सोरा मात्सुशिमा और मिवा हारिमोटो से होगा, जिसमें जीतने वाली जोड़ी फाइनल में अपनी जगह बनाएगी। एक अन्य भारतीय मिक्स्ड जोड़ी, पायस जैन और सिंड्रेला दास मेडल पक्का करने से चूक गई। उन्हें क्वार्टर फाइनल में चीन के यी चेन और हुआंग युझेंग से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।

हरमीत हाल ही में हुए एशियन गेम्स का भी हिस्सा थे, लेकिन जिन तीन इवेंट्स में उन्होंने भाग लिया, उनमें से किसी में भी वह मेडल नहीं जीत सके। उन्होंने मेंस टीम इवेंट में हिस्सा लिया था, जहां भारत राउंड ऑफ 16 तक तो पहुंचा, लेकिन साउथ कोरिया से हार गया। मिक्स्ड डबल्स में उन्होंने यशस्वीनी के साथ जोड़ी बनाई थी, जहां वे क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे, लेकिन चीन के लिन शिदोंग और कुआई मैन से हार गए। उन्होंने सत्यन ज्ञानसेकरन के साथ मेंस डबल्स इवेंट में भी हिस्सा लिया था।

अरुणाचल में चीन से झड़पें हुईं: गलवान रिपीट न हो इसलिए फोकस ड्रोन फोर्स पर- आईटीबीपी चीफ

एजेंसी ■ नई दिल्ली



आईटीबीपी के डीजी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी। यह अभी भी जारी है।

शत्रुजीत राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में शामिल हुए।

उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह माना कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ा दी है।

गलवान रिपीट ना हो इसलिए फोकस ड्रोन फोर्स पर होना चाहिए। शत्रुजीत ने यह बयान अपने रिटायरमेंट के 7 दिन पहले दिया है। वे 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं।

आईटीबीपी के डीजी ने कहा कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें (डब्लुएमसीसी, विशेष प्रतिनिधि वार्ता, कोर कमांडर स्तर) हुईं, लेकिन तनाव बरकरार रहा। इसी बीच सितंबर में 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भी हुआ, जिसमें हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए थे।

अरुणाचल में तनाव जारी अरुणाचल प्रदेश में कई जगह भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच आमने-सामने की स्थिति बनी और यह अब भी जारी है।

ड्रोन पर 1,000 करोड़ खर्च करने की तैयारी आईटीबीपी की बड़ी आधुनिकीकरण योजना में करीब 4,000 करोड़ की मंजूरी मिलने पर 1,000 करोड़ ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम के लिए रखे जाएंगे। मौजूदा 400 करोड़ की योजना में भी 70% राशि ड्रोन क्षमता बढ़ाने के लिए तय की गई है। हर बॉर्डर बटालियन में ड्रोन प्लाटून आईटीबीपी ने अपनी सभी सीमा सुरक्षा बटालियनों में ड्रोन प्लाटून बनाई हैं। फोर्स ड्रोन पायलटों को प्रशिक्षण दे रही है और अपने ड्रोन खुद बनाने पर भी काम कर रही है।

नकली दूध से बना रहे थे पनीर, भिलाई में 3 दुकानों पर खाद्य विभाग का छापा

विश्व केसरी■



भिलाई (संतोष सिंह)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में फूड डिपार्टमेंट ने शुक्रवार को मिठाई दुकानों पर छापा मारा। टीम ने जांच में पाया कि एक्सपायरी दूध से पनीर बनाया जा रहा था। गंदगी के बीच मिठाइयां बनती मिलीं। फूड डिपार्टमेंट की टीम ने करीब 2500 किलो मिठाई और 1000 लीटर दूध नष्ट कर दिया गया।

वहीं 3 प्रतिष्ठानों में काम बंद करा दिया गया। जबकि, वैशाली नगर की एक दुकान में बिस्किट के पैकेट पर 9 दिन आगे की तारीख डालकर पैकिंग करने का मामला सामने आया। दुकान संचालक के खिलाफ केस दर्ज करने की कार्रवाई शुरू की गई है।

नंदनी रोड स्थित मां दुर्गा डेयरी की जांच में पनीर और दही गंदी जगह पर बनाते मिले। पनीर बनाने में इस्तेमाल हो रहा पैक्ड दूध एक्सपायरी डेट का था। टीम ने पनीर, दूध और दही के नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे। इसके बाद नगर निगम की मदद से 1000 लीटर दूध और 80 किलो दही नष्ट किया गया।

लड्डुओं में मिलावट की आशंका

कैंप-2 स्थित गुप्ताजी लड्डू हाउस में करीब 250 किलो मैदे के लड्डू मिले। इनमें तय मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले खाद्य रंग और स्वीटनिंग एजेंट के इस्तेमाल का संदेह था। विभाग ने अनियमितता मिलने पर लड्डुओं को नष्ट करने की कार्रवाई की।

सिवान में ब्लास्ट, 5 की मौत

एजेंसी ■ सीवान



बिहार के सीवान में पटाखा बनाने के दौरान फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पटाखा फैक्ट्री मालिक अमीरुद्दीन समेत एक अन्य पुरुष, 2 बच्चियां और 1 महिला शामिल हैं।

पहले धमाके में 7 मौतों की जानकारी आई थी। पहले डीएम ने 3 मौतों की पुष्टि की, बाद में एसपी भारत सोनी ने हादसे में 5 लोगों की मौत की जानकारी दी है। एक व्यक्ति के मलबे में दबे होने की आशंका है। मृतकों की पहचान की जा रही है।

हादसा जामो थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव में हुआ। धमाके से पूरा मकान गिर गया। लोगों के शव सड़क पर बिखर गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, करीब डेढ़ घंटे तक रुक-रुककर धमाके होते रहे।

शुक्रवार की शाम मो. अमरुद्दीन के मकान में पटाखों में आग लगने के बाद जोरदार विस्फोट होने लगे। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग आसपास के उन मकानों तक भी फैल गई, जहां पटाखे बनाए जाते थे। देर शाम तक धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं। लगातार विस्फोट के कारण आग बुझाने और राहत-बचाव कार्य में जुटे कर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

घटना से दो घंटे पहले बाजार पहुंचे थे अमरुद्दीन

स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे से करीब दो घंटे पहले मो. अमरुद्दीन बाइक से बड़हरिया बाजार पहुंचे थे। वहां उन्होंने एक आटो रिक्शा रुकवाया और कुछ बातचीत के बाद घर लौट गए।

जिस दो मंजिला पक्के मकान में विस्फोट हुआ, उसमें अमरुद्दीन और उनके बेटे का परिवार रहता था। हादसे के बाद परिवार और आसपास के लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई।

स्थानीय जानकारी के अनुसार, अमरुद्दीन के एक बेटे की वर्ष 2003 में पटाखा बनाने के दौरान मौत हो गई थी। वहीं, उनके बड़े बेटे आजाद आलम की वर्ष 2024 में हत्या कर दी गई थी। आजाद का शव जीबी नगर थाना क्षेत्र के पिपरा गांव के चंवर से मिला था। हत्या के कारणों को लेकर चर्चा हुई थी, हालांकि मामले में अनुसंधान जारी होने की जानकारी दी गई थी। आलमपुर में हुए विस्फोट के बाद रिहायशी इलाकों में पटाखा निर्माण और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

भाजपा को सलाह, राहुल को गंभीरता से ले, वे युवाओं में पापुलर: थरूर

एजेंसी ■ नई दिल्ली



कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को भाजपा को सलाह दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को राहुल गांधी को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में राहुल ने युवा मतदाताओं में पॉपुलैरिटी हासिल की है।

थरूर एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा ने राहुल पर ध्यान दिया है, इसलिए वह उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रही है। एक दिन पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने इसी कार्यक्रम में राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा था कि पता नहीं कब तक कांग्रेस अपने फेल प्रोडक्ट की लॉन्चिंग के लिए देश को दांव पर लगाती रहेगी। प्रोग्राम में थरूर ने कांग्रेस से अलग विचार रखने पर भी बात की, लेकिन कहा कि वे पार्टी की नीतियों का पूरा समर्थन करते हैं। इमरजेंसी के दौरान विपक्ष एकजुट, आज भी वही: पीएम मोदी अक्सर इमरजेंसी और उसे खत्म किए जाने की बात करते हैं। इमरजेंसी कैसे खत्म हुई थी? विपक्ष के एकजुट होने से, जिसमें आरएसएस और भाजपा समाजवादियों और वामपंथियों के साथ आए थे। सभी ने मिलकर इमरजेंसी लगाने वाली सरकार को हराया था। यह भारत का हालिया राजनीतिक इतिहास है, महज आधी सदी पुरानी बात है।' भारत में फ्रांस जैसे प्रदर्शन नहीं, तुलना गलत: शांतिपूर्ण प्रदर्शन हर भारतीय नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन हिंसा नहीं।

आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता न्याय और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित मुरिया दरबार में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपरागत सामाजिक व्यवस्था और सामूहिक निर्णय प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय, आपसी सहयोग और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि समय के साथ शासन व्यवस्था, नीतियां और कानून बदलते रहते हैं, लेकिन आदिवासी समाज ने अपनी परंपराओं, सामाजिक नियमों और अलिखित संविधान को पीढ़ियों से जीवित रखा है। यह व्यवस्था समाज में सुख-शांति, प्रेम, सद्भाव और सामूहिकता बनाए रखने का महत्वपूर्ण आधार है।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने मुरिया दरबार में उपस्थित आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों और पारंपरिक प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे एक बार फिर अपनी संस्कृति और परंपराओं से रूबरू होने का अवसर दिया है। इसके लिए मैं आप सभी की आभारी हूं। उन्होंने कहा कि मैं भी इसी आदिवासी संस्कृति और परंपरा से आती हूं। मेरे दादाजी मांझी थे, मेरे पिताजी भी मांझी थे और मेरे भाई भी मांझी हुआ करते थे। मैं एक मांझी की बेटी हूं, गांव के मुखिया की बेटी हूं। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्य आज भले ही उनके बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और परंपराओं के प्रति उनका जुड़ाव आज भी उतना ही गहरा है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि देश में पहले राजाओं का शासन था, इसके बाद अंग्रेजों का शासन आया और आज भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था है। समय के साथ शासन व्यवस्था और कानूनों में परिवर्तन हुआ है, लेकिन आदिवासी समाज की अपनी पारंपरिक व्यवस्था आज भी विद्यमान हैं जो किसी पुस्तक में नहीं लिखा गया है, लेकिन समाज के लोग पीढ़ियों से इसका पालन करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में लोग मिल-जुलकर पूजा-अर्चना करते हैं, विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं तथा सामूहिक रूप से पर्व-त्यौहार मनाते हैं। नृत्य, गीत-संगीत और सामूहिक उत्सवों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। उन्होंने इस समृद्ध विरासत को संरक्षित रखने के लिए समाज के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृति, परंपरा, संविधान और लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का मूल उद्देश्य समाज में सुख-शांति, आनंद और प्रेम बनाए रखना है। इस दृष्टि से आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था अत्यंत सुंदर और उत्कृष्ट है। राष्ट्रपति मुर्मु ने आदिवासी समाज की पारंपरिक न्याय व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि गांवों में मांझी और अन्य पारंपरिक प्रमुखों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

माँ दंतेश्वरी मंदिर बस्तर की अटूट आस्था, समृद्ध परंपरा की विरासत का प्रमुख केंद्रः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी से देशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की।



राष्ट्रपति मुर्मु ने मंदिर में माँ दंतेश्वरी के दर्शन किए और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में राष्ट्रपति का परंपरागत ढंग से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माँ दंतेश्वरी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के प्रति अंचल के लोगों की अटूट श्रद्धा है। माँ दंतेश्वरी बस्तर की आस्था और लोकजीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी का माँ दंतेश्वरी के दर्शन-पूजन के लिए आगमन बस्तर और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर अपनी अनुपम जनजातीय संस्कृति, प्राचीन परंपराओं और विशिष्ट जीवन मूल्यों के लिए देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। यहाँ की परंपराओं में प्रकृति, आस्था और समाज के बीच गहरा संबंध दिखाई देता है। राष्ट्रपति जी के प्रवास से बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और सम्मान मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि माँ दंतेश्वरी बस्तर अंचल की आराध्य देवी हैं। माँ दंतेश्वरी के प्रति बस्तरवासियों की गहरी आस्था है और उनकी उपासना क्षेत्र की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखती है। माँ दंतेश्वरी से जुड़ी आस्था बस्तर की सदियों पुरानी परंपराओं और यहां के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में गहराई से रची-बसी है।

शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड व्यावसायिक-आवासीय परिसर नहीं बनेगा - पुरंदर मिश्रा

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने स्पष्ट किया कि बीटीआई ग्राउंड शंकर नगर में कोई भी व्यावसायिक या आवासीय परिसर नहीं बनेगा। जो भी परिसर बनेगा बीटीआई ग्राउंड से लगकर सरकारी कर्मचारियों के जो जर्जर मकान हैं वहां बनेगा। उन्होंने कहा कि राजधानी रायपुर में नुआखाई भेंटघाट आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति प्रदेशवासियों के लिए गौरवपूर्ण व प्रेरणादायी क्षण रहा।

पुरंदर मिश्रा ने आज प्रेस वार्ता में कहा कि हमारे पास उपलब्धियां गिनाने के लिए काफी कुछ है। नवनिर्मित कचना ओव्हर ब्रिज इस बात का उदाहरण है। आगे पंडरी रोड पर खालसा स्कूल के पास भी ओव्हर ब्रिज बनेगा। यह पूछे जाने पर छत्तीसगढ़ मंत्री मंडल में फेरबदल की चर्चा चल रही है, क्या आप फिर से मंत्री पद की दौड़ में हैं, उन्होंने कहा कि प्रदेश में उत्कल समाज के लोगों की संख्या 35 लाख है. यही सत्य है बाकी सब नग्णय है। उत्कल गाड़ा समाज की एक लॉबी आपके खिलाफ काम कर रही है इस पर क्या कहेंगे, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि वो हमारे भाई हैं। मतभेद तो पति-पत्नि के बीच भी होते हैं। एक दूसरे के विरोध करने से ही हम आगे बढ़ते हैं।

पुरंदर मिश्रा ने कहा कि नुआखाई भेंटघाट के पावन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का छत्तीसगढ़ आगमन हुआ। राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में राजधानी रायपुर में नुआखाई भेटघाट, सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन कार्यक्रम हमारे लिए गौरव और प्रेरणा का अविस्मरणीय अवसर रहा। इस आयोजन का उद्देश्य केवल सास्कृतिक उत्सव मनाना नहीं, बल्कि संस्कृति, सामाजिक समरसता, सेवा और युवा सशक्तिकरण को एक साझा मंच पर लाना था। नुआखाई हमारी कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्नदाता किसान के सम्मान और पारिवारिक एकता का प्रतीक है।

आई.पी. मिश्रा ने युवाओं को दिया संघर्ष और नेतृत्व का संदेश

ल'अवेनिर के 'सम्विद 2026' समिट का शुभारंभ

विश्व केसरी■



भिलाई (संतोष सिंह)। शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी एवं शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस जुनवानी, भिलाई के वार्षिक टेक्नो-कल्चरल एवं मैनेजमेंट फेस्ट 'सम्विद 2026' का आज शुभारंभ हुआ। इस वर्ष फेस्ट की थीम ' कनेक्टिंग माइंड क्रिएटिंग फ्यूचर' रखी गई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी, सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं प्रबंधन संबंधी गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा नवाचार, संवाद, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करना है। इसी क्रम में आज ल'अवेनिर के 'ए न्यू जनरेशन समिट' का शुभारंभ मां सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

कुलाधिपति आई.पी. मिश्रा ने दिया संघर्ष और नेतृत्व का संदेश

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आई.पी. मिश्रा ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना, उसके उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और वैश्विक स्तर पर उसकी भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने नेतृत्व के विभिन्न स्वरूपों पर चर्चा करते हुए कहा कि समाज में कई प्रकार के नेता होते हैं। कुछ लोग वास्तव में नेतृत्व करने की क्षमता रखते हैं, जबकि कुछ केवल नेता होने का दिखावा करते हैं।

नुआखाई भेंटघाट, सेवा सम्मान पर्व अविस्मरणीय रहा- पुरंदर मिश्रा

संस्कृति, सेवा और युवा शक्ति के माध्यम से विकसित भारत 2047 का संकल्प

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित नुआखाई भेंटघाट, सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन कार्यक्रम हमारे लिए गौरव और प्रेरणा का अविस्मरणीय अवसर रहा। मैं महामहिम राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा सहित सभी अतिथियों और उपस्थित जनसमुदाय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।



इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, टंकराम वर्मा, श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू , अनुज शर्मा, इंद्र कुमार साहू, भावना बोहरा, संपत अग्रवाल, जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर सहित निगम-मंडलों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षगण, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, युवा तथा गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। सभी के सहयोग और सहभागिता के लिए मैं हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

कार्यक्रम का उद्देश्य

इस आयोजन का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक उत्सव मनाना नहीं, बल्कि संस्कृति, सामाजिक समरसता, सेवा और युवा सशक्तिकरण को एक साझा मंच पर लाना है। नुआखाई हमारी कृषि परंपरा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अन्नदाता किसान के सम्मान और पारिवारिक एकता का प्रतीक है। अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक विकास की ओर आगे बढ़ना ही इस आयोजन की मूल भावना है।

सेवा सम्मान पर्व के माध्यम से समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण, जनसेवा तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना है। वहीं, युवा प्रबोधन का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करना है। युवाओं को नशामुक्त जीवन, सकारात्मक सोच, अनुशासन और सेवा भाव अपनाने का संदेश देना भी इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण लक्ष्य है।

विकसित भारत /2047 की कल्पना

वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होंगे। विकसित भारत का हमारा संकल्प केवल आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो शिक्षित, आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से समरस और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हो।

इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका निर्णायक है।

सांसद चिंतामणि महाराज ने सभी खिलाड़ियों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का किया आह्वान

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। सरगुजा संभाग के मुख्यालय अम्बिकापुर में आज से 4 दिवसीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग आगाज हुआ। राज्य स्तरीय स्पर्धा का आयोजन सरगुजा अंचल वासियों के लिए गौरव का क्षण है।

शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (मल्टीपरपज स्कूल) ग्राउंड, अंबिकापुर में 26वीं चार दिवसीय राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में हुआ। खेल का शुभारंभ सांसद महाराज द्वारा बास्केट में बाल डालकर किया गया। इस प्रतियोगिता में बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा संभाग के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शुभारंभ समारोह में विद्यार्थियों ने बिहू नृत्य, पारंपरिक गीत-संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।

इस अवसर पर सांसद चिंतामणि महाराज ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है तथा उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने, निरंतर अभ्यास करने तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। खेलों के जरिए राष्ट्रीय एकता की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर मिलता है। सांसद ने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ खेलने का आह्वान किया।

साथ ही सांसद महाराज ने कहा कि राज्य के सभी संभाग के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं में भागीदारी कर रहे सभी 215 छात्र एवं 245 छात्राओ को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने सभी को अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया । उन्होंने कहा कि हार जीत तो जीवन का अभिन्न हिस्सा है । बेहतर खिलाड़ी वही है जो अच्छे खेल भावना के साथ अपना बेहतर प्रदर्शन करता है।

चार खेलों की विभिन्न वर्गों में होंगी प्रतियोगिताएं

चार दिवसीय इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और सॉफ्टबॉल टेनिस की प्रतियोगिताएं विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जा रही हैं।

अंतर महाविद्यालय बास्केट बॉल प्रतियोगिता में सेंट विंसेंट पैलोटी महाविद्यालय बनी विजेता

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग और महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर छत्तीसगढ़ संयुक्त तत्वाधान में अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 18 अक्टूबर 2026 को हुआ।

यह आयोजन बालाजी विद्यालय देवेंद्र नगर के खेल मैदान में किया गया इसमें पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से पंजीकृत 6 महाविद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया रोचक और रोमांचक मुकाबले में सेंट विंसेंट पेलोटी कॉलेज की टीम को विजेता घोषित किया गया महाविद्यालय की टीम ने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की टीम को संघर्षपूर्ण मुकाबले में पराजित किया इन संपूर्ण आयोजन के मुख्य अतिथि बालाजी विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं आंध्रा एसोसिएशन के अध्यक्ष स्वामी थे वही कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी ने की आयोजन में विप्र महाविद्यालय यूटीडी रायपुर देवेंद्र नगर कन्या महाविद्यालय आरंग कॉलेज संस्कृत कॉलेज और डागा कन्या महाविद्यालय की टीमों ने भाग लिया था विजेता टीम के अलावा विश्वविद्यालय स्तर की एक टीम मुकाबला के बाद तैयार की गई है जो विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली बास्केटबॉल प्रतियोगिता में पंडित रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे इस टीम में जिन खिलाड़ियों का चयन हुआ है उनके नाम इस प्रकार से हैं प्रज्ञा मिश्रा विप्र कॉलेज रायपुर तनविका चौधरी सेंट पे लोटी कॉलेज विजेता प्रकाश प्रियंका उषा ठाकुर मोनिका प्रज्ञा भूमि चौहान पूर्वी वर्मा नेहा हिरल पटेल आदि खिलाड़ियों का चयन विश्वविद्यालय टीम के लिए हुआ है इसके अलावा टीम में अतिरिक्त खिलाड़ियों की भी व्यवस्था रखी गई हैजिसमें अंचल सोनम और लेखा चौहान को शामिल किया गया है यह तीनों खिलाड़ी संस्कृत कॉलेज डागा कॉलेज और यूटीडी के विद्यार्थी हैं।

सिद्धबाबा गेट (भाटापारा-हथबंद) रेलवे समपार अस्थायी रूप से बंद रहेगा



विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल अंतर्गत भाटापारा एवं हथबंद रेलवे स्टेशनों के मध्य स्थित रेलवे समपार फाटक क्रमांक 385 (कि.मी. 766/13-15) जिसे सिद्धबाबा गेट के नाम से जाना जाता है, पर अप लाइन में अत्यावश्यक मरम्मत कार्य किया जाना है।

इस कार्य के कारण उक्त समपार फाटक पर दिनांक 26.10.2026 (सोमवार) सुबह 09:00 बजे से दिनांक 28.10.2026 (बुधवार) 18:00 बजे तक सड़क यातायात का आवागमन पूर्णत: बंद रहेगा।

रायपुर रेल मंडल आमजन एवं वाहन चालकों से अनुरोध करता है कि उक्त अवधि के दौरान असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा रेलवे प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। रेलवे प्रशासन को इस आवश्यक कार्य के दौरान आमजन को होने वाली असुविधा के लिए खेद है तथा सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36524.../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 23-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36524
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663T0182H** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **OM KUMARI DEWANGAN** पिता/पति श्री श्रीमती **SHANKAR PRASAD DEWANGAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **BABY SINGH THAKUR** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O JAGDISH SINGH THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36524.../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 23-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36524
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663T0182H** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **OM KUMARI DEWANGAN** पिता/पति श्री श्रीमती **SHANKAR PRASAD DEWANGAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **BABY SINGH THAKUR** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O JAGDISH SINGH THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 4)
- : : प्रेत वलब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुरः : -
Email ID - mczone4@gmail.com

पत्र क्रं /....36354..../ न. पा. नि. जोन क्रं 4/2026
रायपुर, दिनांक 23-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36354
वार्ड का नाम 44 - स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR757B00479** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SUNIL KUMAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **TARACHAND NIMANI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 01. श्रीमती ललिता सोनी, 02. श्री राजकुमार सोनी पिता / पति श्री/श्रीमती 01. पति राजकुमार सोनी, 02. पिता टीकमचंद जी सोनी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36532..../ न. पा. नि. जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 23-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36532
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR223A00205** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. NAVEEN JAIN** पिता/पति श्री श्रीमती **PRASANN KUMAR JAIN** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री/ श्रीमती संगीता जैन पिता/पति श्रीमती/ श्री मनीष जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /....36530..../ न. पा. नि. जोन क्र- 2/2026
रायपुर, दिनांक 23-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36530
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222A00225** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **BAJRANG DAS MANIKPURI** पिता / पति श्री/श्रीमती **MADAN DAS MANIKPURI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती विमला बाई पिता/पति श्री श्रीमती स्व. वैसाखू सारथी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, टैक्स रशीद, बैनामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
:: मंगलम कामप्लेक्स अशोक चौक, रायपुर : : -
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....36521/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 23-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36521
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 33 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR717B00289** जो ज की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BANSHI LAL PANJABI** पिता/पति श्री श्रीमती **LT. JHAMAN DAS PANJABI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती प्रभा देवी दुगड़ पिता/पति श्री श्रीमती सुरपत सिंह दुगड़** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

विश्व पोलियो दिवस 2026: बच्चों के स्वस्थ भविष्य की ओर एक कदम

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। पोलियो एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है, जो पोलियोमाइलाइटिस नामक वायस से मुख्य रूप से 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। यह नर्वस सिस्टम पर हमला करती है और बच्चों में स्थायी पक्षाघात (पैरालिसिस), जिसे लकवा भी कहते हैं, का कारण बन सकती है। मौजूदा समय तक इसका इलाज नहीं है, लेकिन टीका लगवाकर इसे रोका जा सकता है।

इसलिए पोलियो टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और दुनिया को पोलियो मुक्त बनाने के प्रयासों के दिशा में प्रत्येक वर्ष 24 अक्टूबर को विश्व पोलियो दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व पोलियो दिवस की थीम 'एक दिन, एक लक्ष्य: पोलियो का सर्वथा उन्मूलन' है।

विश्व पोलियो दिवस की स्थापना 'रोटरी इंटरनेशनल' द्वारा अमेरिकी विषाणु विज्ञानी (वायरोलॉजिस्ट) डॉ. जोनास साल्क के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में की गई थी, जिन्होंने ही पोलियो का पहला सफल टीका विकसित किया था। पोलियो के मामले को लेकर भारत की स्थिति की बात करें, तो 2014 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आधिकारिक तौर पर भारत को पोलियो मुक्त घोषित किया था। हालांकि पोलियो का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, इसलिए जागरूकता और टीकाकरण अभियान लगातार जारी हैं।

भारत में पोलियो का अंतिम मामला वर्ष 2011 में सामने आया था। देश को पोलियो मुक्त बनाने में 'दो बूंद जिंदगी की' अभियान ने अहम भूमिका निभाई। इस अभियान के जरिए 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) दी जाती है।

देश में बच्चों को पोलियो से बचाव के लिए दो प्रकार की टीकाएं उपयोग में लाई जाती हैं। पहली है इनएक्टिवेटेड पोलियो वैक्सीन (आईपीवी), जिसे जन्म के बाद दिया जाता है ताकि भविष्य में पोलियो का खतरा न रहे। दूसरी है ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी), जो बच्चों को पिलाई जाती है।

प्रत्येक वर्ष विश्व पोलियो दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चों को पोलियो से बचाने के लिए समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करना, साफ-सफाई बनाए रखना और जन जागरूकता को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है।

18 देशों के विशेषज्ञों संग समुद्री विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर मंथन करेगी नौसेना

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना नई दिल्ली में हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद 2026 का आयोजन करेगी। तीन दिन के इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 18 देशों के समुद्री विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, शिक्षाविद, नीति निर्माता और राजनयिक हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में समुद्र से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए विज्ञान, तकनीक और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। यह आयोजन 3 से 5 नवंबर तक चलेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इसमें शामिल होंगे व विभिन्न देशों के विशेषज्ञों को संबोधित करेंगे। भारत और श्रीलंका के पूर्व नौसेना प्रमुख यहां अपने विचार रखेंगे। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय 'हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विज्ञान, तकनीक और शैक्षणिक सहयोग' रखा गया है। भारतीय नौसेना अपने प्रमुख नॉलेज सहयोगी, राष्ट्रीय समुद्री फाउंडेशन के साथ मिलकर इसका आयोजन कर रही है। इसका उद्देश्य समुद्र से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए विभिन्न देशों के बीच साझा शोध, तकनीकी विकास और जानकारी के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

दरअसल आज समुद्र से जुड़ी चुनौतियां किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन, समुद्री व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा, समुद्री संसाधनों पर बढ़ता दबाव और महत्वपूर्ण समुद्री ढांचे की सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने के लिए देशों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन में वैज्ञानिक क्षमताओं को साझा करने, शोध संस्थानों के बीच साझेदारी बढ़ाने और प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने के उपायों पर विचार किया जाएगा। यहां पांच प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी और तीन दिन के सम्मेलन में पांच विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

इन सत्रों में केवल चुनौतियों की पहचान ही नहीं की जाएगी, बल्कि उनके व्यावहारिक समाधान भी तलाशे जाएंगे।

यूरोप में विरोध प्रदर्शन: भारत ने फ्रांस, इटली और बेल्जियम में अपने नागरिकों से सतर्क रहने को कहा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को फ्रांस, इटली और बेल्जियम में अपने नागरिकों को सतर्क रहने और विरोध प्रदर्शन वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी। भारत ने कहा कि इन देशों में स्थित उसके दूतावास घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और भारतीय समुदाय के साथ नियमित संपर्क में हैं। नई दिल्ली में द्विसाप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारतीय नागरिकों से स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी सलाहों का पालन करने का भी आग्रह किया।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि फ्रांस, इटली और बेल्जियम में हमारे दूतावास हैं। वे वहां के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। वे समुदाय के सदस्यों के साथ नियमित संपर्क में हैं। इन देशों में जहां विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, वहां के भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और बाहर निकलते समय उचित सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही उन क्षेत्रों से दूर रहने की भी सलाह दी जाती है, जहां विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्हें सरकार द्वारा जारी स्थानीय सलाहों का भी पालन करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि फ्रांस और इटली में स्थित हमारे दूतावासों ने भी अपने नागरिकों के लिए सलाह जारी की है और उन्हें इन सलाहों का पालन करना होगा। हमारी ओर से, हम विदेशों में रहने वाले अपने नागरिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बुधवार को, फ्रांस स्थित भारतीय दूतावास ने यात्रा और सुरक्षा संबंधी सलाह जारी करते हुए अपने नागरिकों और पश्चिमी यूरोपीय देश की यात्रा करने वालों से सतर्क रहने का आग्रह किया, क्योंकि बढ़ती महंगाई के विरोध में हुए प्रदर्शन हिंसक झड़पों में तब्दील हो गए थे।

फॉरेंसिक जांच में एआई बनेगा गेमचेंजर, लेकिन साक्ष्यों का सत्यापन जरूरी: विशेषज्ञ

विश्व केसरी■



लखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फॉरेंसिक विज्ञान और आपराधिक जांच की प्रक्रिया को तेज, प्रभावी और अधिक सटीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। फिंगरप्रिंट और डीएनए विश्लेषण से लेकर सीसीटीवी फुटेज की जांच, डिजिटल साक्ष्यों के परीक्षण और अपराध से जुड़े लोगों व घटनाओं के बीच संबंधों की पहचान तक एआई का इस्तेमाल जांच एजेंसियों की क्षमता बढ़ा सकता है।

हालांकि, एआई से प्राप्त निष्कर्षों को बिना सत्यापन अंतिम मानना जांच और न्यायिक प्रक्रिया के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है।

ये बातें विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन फॉरेंसिक्स एंड इन्वेस्टिगेशन विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराध की जांच में एआई एक उपयोगी सहायक तकनीक है, लेकिन विशेषज्ञों की समझ, मानवीय विवेक और साक्ष्यों की स्वतंत्र पुष्टि का विकल्प नहीं है। यह चर्चा देश-विदेश के विशेषज्ञों ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संवाद-26 के 'टेकसंगम' में हुई। पैनल के प्रारंभ में मॉडरेटर डीआईजी टेक्नीकल आशीष तिवारी ने वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए फॉरेंसिक विज्ञान और आपराधिक जांच में एआई की उभरती भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने अपराध की रोकथाम, पहचान, जांच और अभियोजन में फॉरेंसिक विज्ञान के महत्व के साथ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों और व्यापक आपराधिक न्याय व्यवस्था में फॉरेंसिक साक्ष्यों की भूमिका का उल्लेख किया। पैनल चर्चा का निष्कर्ष रहा कि एआई जांच एजेंसियों के लिए एक प्रभावी तकनीकी साधन बन सकता है, लेकिन इसकी उपयोगिता विश्वसनीय डेटा, पारदर्शी प्रक्रियाओं और मानवीय निगरानी से ही सुनिश्चित होगी। जांच में तकनीक की गति के साथ साक्ष्यों की प्रामाणिकता और न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

पैनल चर्चा में संदीप जोशी ने कहा कि एआई कम समय में बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण कर जांच प्रक्रिया को गति दे सकता है। पारंपरिक तरीकों से जिन सूचनाओं की जांच में काफी समय लगता है, एआई की मदद से उनमें पैटर्न और संभावित संबंधों की पहचान तेजी से की जा सकती है। इससे जांचकर्ताओं को समय पर महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं और वे बेहतर निर्णय ले सकते हैं।

दवाओं की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दवाओं की कीमतों को लेकर केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा है कि गैर-अनुसूचित कैंसर की दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) के 30 फीसदी तक सीमित करने का फैसला लिया है।

सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली उन दवाइयों की सूची तैयार करने के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी गठित की है, जिन पर यह व्यवस्था लागू की जा सकती है। 9 अक्टूबर 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक एक्सपर्ट कमेटी गठित की। कमेटी को 10 से 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

हलफनामे में एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) इस मामले पर विचार करेगा और जरूरी निर्देश जारी करेगा। सरकार का कहना है कि इससे गैर जरूरी मुनाफे पर रोक लगेगी। सरकार का अनुमान है कि इस व्यवस्था से संबंधित कैंसर की दवाइयों की एमआरपी में लगभग 20 से 70 फीसदी तक कमी हो सकती है। मरीजों को सालाना लगभग 2,500 करोड़ की बचत हो सकती हैं। केन्द्र सरकार ने कहा है कि वह पहले भी कई दवाइयों और चिकित्सा उत्पादों की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कदम उठा चुकी है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में माना कि उसे इस समस्या की जानकारी है कि अस्पतालों में दवाओं और मेडिकल सामान के लिए ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं। वह इस समस्या को दूर करने के उपाय तलाश रही है।

सरकार ने कहा है कि भारत में कई कंपनियां कम कीमत पर दवाएं बनाती हैं, फिर भी मरीजों को कई बार बहुत ज्यादा पैसे देने पड़ते हैं। अस्पतालों में मरीजों की मोलभाव करने की क्षमता बहुत कम होती है। मरीजों को अक्सर दवाओं की सही कीमत और सस्ते विकल्पों की जानकारी नहीं होती। ऐसे में कुछ अस्पताल कैंसर की दवाओं पर 700 फीसदी तक ज्यादा कीमत वसूलते हैं।

तिब्बती प्रशासन ने भूकंप प्रभावित तिब्बत में तत्काल बचाव और राहत कार्यों का आह्वान किया

विश्व केसरी■



धर्मशाला। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) की कैबिनेट ने शुक्रवार को तिब्बत के नागचू क्षेत्र के द्राचेन काउंटी में आए विनाशकारी भूकंप पर चिंता व्यक्त की और तत्काल मानवीय बचाव और राहत कार्यों का आह्वान किया।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कैबिनेट ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की, प्रभावित समुदायों के साथ एकजुटता दिखाई और मृतकों के शांतिपूर्ण पुनर्जन्म और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की।

बयान में मानवीय बचाव और राहत कार्यों की तत्काल आवश्यकता, हताहतों और विनाश की रिपोर्टिंग में पारदर्शिता, तिब्बती धार्मिक परंपराओं की रक्षा और मानवीय सहायता के लिए निर्बाध पहुंच पर विशेष जोर दिया गया है।

सीटीए ने उन रिपोर्टों पर भी चिंता जताई है कि भूकंप प्रभावित समुदायों की सहायता के लिए तिब्बत के अन्य हिस्सों से आ रहे तिब्बती स्वयंसेवकों को आपदा क्षेत्र में प्रवेश करने से रोका जा रहा है।

काशाग के बयान का मुख्य संदेश यह है कि मानवीय हितों को राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिबंधों से ऊपर रखा जाना चाहिए।

इसने सरकारों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से चीनी अधिकारियों पर पारदर्शिता और निर्बाध मानवीय सहायता पहुंचाने का दबाव डालने का आह्वान किया है।

तिब्बत में मानवीय स्थिति के संबंध में सीटीए ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति गंभीर बनी हुई है, और नुकसान की सीमा और बचे हुए लोगों की जरूरतों के बारे में काफी अनिश्चितता है।

काशाग ने कई ऐसे कारकों की पहचान की है जो आपदा के मानवीय परिणामों को और भी गंभीर बना सकते हैं।

भूकंप 22 अक्टूबर की देर रात आया, जब संभवत: कई निवासी अपने घरों के अंदर थे।

सर्दी का मौसम आ रहा है, और खानाबदोश परिवार इस दौरान पारंपरिक रूप से अपने शीतकालीन आवासों में लौट आते हैं।

भारत के साथ संबंधों को 'नई ऊंचाइयों' पर ले जाने की राह पर अजरबैजान: विदेश मंत्री बैरामोव

विश्व केसरी■



बाकू। अजरबैजान के विदेश मंत्री जेयहुन बैरामोव ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बाकू दौरे को 'बेहद महत्वपूर्ण मुलाकात' बताते हुए विश्वास जताया कि भारत और अजरबैजान के संबंध 'नई ऊंचाइयों' की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि और परिवहन गलियारों के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

जयशंकर के साथ मुलाकात के बाद बैरामोव ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच लंबी, सकारात्मक और सार्थक बातचीत हुई। इसमें द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की गई। बैरामोव ने कहा कि जयशंकर का यह दौरा पिछले महीने बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के बीच हुई मुलाकात की स्वाभाविक अगली कड़ी है।

आर्थिक संबंधों का उल्लेख करते हुए अजरबैजान के विदेश मंत्री ने बताया कि इस साल दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 600 मिलियन डॉलर रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा दोनों देशों के बीच व्यापार की वास्तविक संभावनाओं को पूरी तरह नहीं दर्शाता। उन्होंने बताया कि भारत की तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने अजरबैजान की एक प्रमुख तेल एवं गैस परियोजना में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। इसके अलावा, अजरबैजान में 1,000 से अधिक भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं।

बैरामोव ने ऊर्जा, कृषि और फार्मास्यूटिकल्स को दोनों देशों के बीच सहयोग के संभावनाशील क्षेत्र बताया। उन्होंने कहा कि अजरबैजान की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण मार्गों को जोड़ने वाले परिवहन गलियारों में भी सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं।

भारत और अजरबैजान के बीच लोगों के आपसी संपर्क का जिक्र करते हुए बैरामोव ने बताया कि फिलहाल बाकू और दिल्ली के बीच दो सीधी उड़ानें संचालित हो रही हैं। इस साल लगभग 500 भारतीय छात्रों ने अजरबैजान के विश्वविद्यालयों में दाखिला लिया है। वहीं, पिछले कुछ वर्षों में 30 से अधिक भारतीय फिल्मों की शूटिंग अजरबैजान में हुई है।

अजरबैजान के विदेश मंत्री ने बताया कि दोनों नेताओं ने दक्षिण काकेशस की स्थिति, आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया, मध्य पूर्व में तनाव और रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा की।

326 करोड़ के बैंक घोटाला मामले में ईडी की कार्रवाई, हैदराबाद में 7 ठिकानों पर छापेमारी

विश्व केसरी■



हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हैदराबाद ने 'धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002' (पीएमएलए) के तहत कनकधारा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (केवीपीएल) और उसके निदेशकों से जुड़े मामलों में हैदराबाद, सिकंदराबाद और मेडचल-मलकाजगिरी (तेलंगाना) में 7 जगहों पर तलाशी ली।

यह मामला पंजाब नेशनल बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह द्वारा कंपनी को दी गई 326.49 करोड़ रुपए की क्रेडिट सुविधाओं के दुरुपयोग से जुड़ा है। ईडी की जांच से पता चला है कि केवीपीएल को दी गई बैंक गारंटी और लेटर ऑफ क्रेडिट सुविधाओं का गलत इस्तेमाल किया गया।

इसके साथ ही फर्जी स्टील खरीद के बिन (इनवॉइस) और ट्रांसपोर्ट दस्तावेजों का सहारा लेकर, संबंधित और मध्यस्थ कंपनियों के जरिए फंड को दूसरी जगह डायवर्ट किया गया। ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि केवीपीएल ने बैंकों के समूह की जानकारी के बिना, उनके साथ हुए समझौते के दायरे से बाहर जाकर भी बैंक खाते चलाए थे।

एक दूसरा मामला शुक्रवार को दिल्ली से सामने आया, जहां एनआरआई हाउसिंग लोन धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की। जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने दिल्ली-एनसीआर समेत तीन क्षेत्रों में कुल 13 ठिकानों पर छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया। इस कार्रवाई में नोएडा के ठिकाने भी शामिल हैं, जहां ईडी की टीम दस्तावेजों और अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच में जुटी हुई है।

बताया जा रहा है कि यह मामला कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के नाम पर हाउसिंग लोन हासिल करने से जुड़ा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ईडी की टीमें दिल्ली-एनसीआर के अलावा बेंगलुरु और चंडीगढ़ में भी तलाशी अभियान चला रही हैं।

संपादकीय

भारत-अमेरिका: विश्वास, विकास और वैश्विक विजय का विमर्श

डॉ. शैलेश शुक्ला

अमेरिका के लिए भारत के साथ अच्छे संबंधों का महत्व केवल व्यापार, हथियारों की खरीद या राजनीतिक मित्रता तक सीमित नहीं है। बदलती दुनिया में भारत अमेरिका की आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत के लिए भी अमेरिका के साथ अच्छे संबंध जरूरी हैं, लेकिन इस साझेदारी का महत्व समझने के लिए यह देखना आवश्यक है कि भारत आज अमेरिकी हितों के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों हो गया है और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के संबंध किस दिशा में जा सकते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच संबंधों का सबसे बड़ा आधार उनके व्यापक आर्थिक हित हैं। भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। यहां तेजी से बढ़ता उपभोक्ता वर्ग, बड़ी संख्या में युवा और लगातार विस्तार करता डिजिटल बाजार मौजूद है। अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत केवल सामान बेचने का बाजार नहीं, बल्कि निवेश, उत्पादन, अनुसंधान और नई सेवाओं के विकास का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। विमानन, चिकित्सा उपकरण, कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, ऊर्जा, कृषि तकनीक और औद्योगिक मशीनों जैसे क्षेत्रों में भारत अमेरिकी कंपनियों को बड़े अवसर प्रदान कर सकता है।

भारत की आर्थिक प्रगति अमेरिका के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसी एक बाजार पर अत्यधिक निर्भर रहना कंपनियों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। भारत में निवेश बढ़ाकर अमेरिकी कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार कर सकती हैं और एशिया के दूसरे बाजारों तक पहुंच बना सकती हैं। भारत में उत्पादन और सेवाओं का विकास अमेरिकी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ा सकता है। दूसरी ओर, अमेरिकी निवेश से भारत में रोजगार, तकनीकी प्रशिक्षण और औद्योगिक विकास को गति मिल सकती है। इस प्रकार दोनों देशों के आर्थिक हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी इस साझेदारी का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। भारतीय इंजीनियर, सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और तकनीकी पेशेवर लंबे समय से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। भारतीय मूल के अनेक विशेषज्ञ अमेरिकी विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और बड़ी तकनीकी कंपनियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हैं। इस सहयोग से



अमेरिका को कुशल प्रतिभा मिलती है, जबकि भारत को रोजगार, निवेश, अनुभव और वैश्विक तकनीकी विकास से जुड़ने के अवसर प्राप्त होते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने इस संबंध को और महत्वपूर्ण बना दिया है। अमेरिका के पास अग्रणी तकनीकी कंपनियां, बड़ी निवेश क्षमता और उन्नत अनुसंधान संस्थान हैं। भारत के पास विशाल डिजिटल बाजार, तकनीकी प्रतिभा, बहुभाषी समाज और बड़े स्तर पर डिजिटल सेवाएं विकसित करने का अनुभव है। यदि दोनों देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक चिप, क्वांटम तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अनुसंधान में सहयोग बढ़ाते हैं, तो उन्हें एक-दूसरे की क्षमताओं का लाभ मिल सकता है।

फरवरी 2025 में भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण तथा उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने के लिए ट्रस्ट पहल की घोषणा की थी। इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक, क्वांटम तकनीक, ऊर्जा, अंतरिक्ष और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों को महत्व दिया गया। इन क्षेत्रों में साझेदारी अमेरिका को विश्वसनीय तकनीकी सहयोग उपलब्ध करा सकती है। भारत के लिए इससे आधुनिक तकनीक, अनुसंधान, निवेश और घरेलू विनिर्माण के अवसर बढ़ सकते हैं। हालांकि, इस सहयोग की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि तकनीक का हस्तांतरण, निवेश और अनुसंधान कितना आगे बढ़ता है।

अमेरिका के लिए भारत का दूसरा बड़ा महत्व सुरक्षा से जुड़ा है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आर्थिक और सैन्य शक्ति ने अमेरिकी रणनीति को प्रभावित किया है। इस क्षेत्र से दुनिया का बड़ा व्यापार गुजरता है। समुद्री मार्गों की सुरक्षा, ऊर्जा की आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय कारोबार की निरंतरता अनेक देशों के लिए आवश्यक है। हिंद महासागर में भारत की भौगोलिक स्थिति और उसकी नौसैनिक क्षमता उसे क्षेत्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण भागीदार बनाती है। भारत के साथ सहयोग से अमेरिका को समुद्री सुरक्षा, आपदा राहत, समुद्री डकैती की रोकथाम और आतंकवाद के विरुद्ध प्रयासों में सहायता मिल सकती है।

लेकिन भारत को केवल चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के साधन के रूप में देखना अमेरिकी नीति की बड़ी भूल होगी।

निजीकरण की बहस, कर्मचारियों की हड़ताल और उपभोक्ताओं के अधिकारों के बीच आखिर पिस क्यों रही है आम जनता?



डॉ. प्रियंका सौरभ

करंट कर्मचारियों को, झटका जनता को!

लोकतंत्र में सरकार का सबसे बड़ा दायित्व जनता को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और संचार जैसी सेवाएँ किसी भी सभ्य समाज की आधारशिला होती हैं। इन सेवाओं की गुणवत्ता से ही प्रशासन की कार्यक्षमता और जवाबदेही का पता चलता है। लेकिन जब सरकारी व्यवस्था जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती, तो लोग बेहतर विकल्प तलाशने लगते हैं। ऐसे में निजी क्षेत्र को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। सवाल यह है कि जब सरकारी सेवाओं में सुधार की माँग उठती है और निजी विकल्प सामने आते हैं, तो बहस का केंद्र जनता को मिलने वाली सुविधा के बजाय निजीकरण का विरोध ही क्यों बन जाता है?

भारत का दूरसंचार क्षेत्र इसका एक प्रमुख उदाहरण है। कभी बीएसएनएल देश की संचार व्यवस्था का प्रमुख आधार था, लेकिन बदलती तकनीक, निवेश, प्रतिस्पर्धा और सेवाओं की गुणवत्ता के बीच जियो और एयरटेल जैसी निजी कंपनियों ने बाजार में अपनी मजबूत जगह बनाई। डाक विभाग के सामने निजी कूरियर कंपनियों का विस्तार हुआ। सरकारी विद्यालयों की सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर उठने वाले सवालों के बीच निजी स्कूलों की लोकप्रियता बढ़ी। सरकारी अस्पतालों में लंबी कतारों और संसाधनों की कमी से परेशान अनेक लोगों ने निजी अस्पतालों का रुख किया।

इन उदाहरणों का अर्थ यह नहीं है कि सरकारी संस्थान अप्रासंगिक हो गए हैं या निजी क्षेत्र हमेशा बेहतर सेवाएँ देता है। सरकारी संस्थानों ने दूर-दराज के क्षेत्रों तक सुविधाएँ पहुँचाने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहारा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दूसरी ओर, निजी क्षेत्र में महँगी सेवाओं, मुनाफे की प्राथमिकता और उपभोक्ताओं की आर्थिक क्षमता के आधार पर सुविधाओं में अंतर जैसी चुनौतियाँ भी हैं। इसलिए असली सवाल सरकारी बनाम निजी का नहीं, बल्कि बेहतर, सुलभ, किफायती और जवाबदेह सेवाओं का है।

यही कसौटी बिजली व्यवस्था पर भी लागू होती है। आम नागरिक के लिए बिजली कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। बच्चों की पढ़ाई, किसानों की सिंचाई, छोटे दुकानदारों का कारोबार, उद्योगों का उत्पादन और अस्पतालों में मरीजों की देखभाल—सब कुछ किसी न किसी रूप में बिजली पर निर्भर है। बिजली की आपूर्ति बाधित होने का अर्थ केवल घर में अंधेरा होना नहीं है। इससे कामकाज रुकता है, आर्थिक नुकसान होता है और सामान्य जनजीवन प्रभावित होता है।

उपभोक्ता हर महीने बिजली का बिल भरता है। बदले में उसकी अपेक्षा होती है कि उसे निर्धारित दरों पर भरोसेमंद आपूर्ति मिले। उसे इस बात से कम मतलब है कि बिजली की व्यवस्था सरकारी हाथों में है या निजी क्षेत्र के पास। उसके लिए महत्त्वपूर्ण यह है कि घर में पंखा चले, पानी की मोटर काम करे, बच्चे पढ़ सकें और कारोबार बिना अनावश्यक रुकावट के चलता रहे। जब बिल न भरने पर उपभोक्ता को कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, तो सेवा बाधित होने पर संबंधित व्यवस्था की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

हरियाणा सहित देश के कई हिस्सों में बिजली क्षेत्र के निजीकरण और कर्मचारी संगठनों की माँगों को लेकर बहस होती रही है। निजीकरण के समर्थक बेहतर प्रबंधन, निवेश, तकनीकी सुधार और कार्यकुशलता की उम्मीद करते हैं। वहीं कर्मचारी संगठनों को आशंका रहती है कि निजीकरण से रोजगार की सुरक्षा, सेवा शर्तों, कर्मचारियों के अधिकारों और उपभोक्ताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इन आशंकाओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। बिजली जैसी आवश्यक सेवा में किसी भी बड़े बदलाव से पहले उसके आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक प्रभावों का आकलन जरूरी है।

निजीकरण अपने आप में न तो सभी समस्याओं का समाधान है और न ही हर परिस्थिति में उसका विरोध समस्याओं का हल। यदि सरकारी व्यवस्था में कमियाँ हैं, तो उन्हें दूर करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि निजी क्षेत्र को जिम्मेदारी सौंपी जाती है, तो उसकी सेवाओं, दरों और कार्यप्रणाली पर प्रभावी निगरानी भी जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों और आर्थिक रूप से कमजोर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा किए बिना किसी भी सुधार को सफल नहीं माना जा सकता। सुधार का उद्देश्य केवल व्यवस्था का स्वामित्व बदलना नहीं, बल्कि जनता को बेहतर सेवा देना होना चाहिए।

लेकिन इस पूरी बहस में एक सवाल ऐसा है, जिसे सबसे अधिक महत्त्व मिलना चाहिए—आखिर जनता की परेशानी का जिम्मेदार कौन है?

बिजली कर्मचारियों को अपनी माँगें रखने, धरना देने, प्रदर्शन करने और सरकार के सामने विरोध दर्ज कराने का पूरा लोकतांत्रिक अधिकार है। श्रमिक अधिकारों की रक्षा किसी भी लोकतांत्रिक समाज की आवश्यक शर्त है। यदि कर्मचारियों को अपनी सेवा शर्तों, रोजगार की सुरक्षा या भविष्य को लेकर चिंता है, तो उनकी बात सुनी जानी चाहिए। सरकार का दायित्व है कि वह संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान तलाशे और कर्मचारियों को अनिश्चितता में न रखे।

लेकिन कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और आम जनता की सुविधाओं के बीच टकराव क्यों पैदा हो? अपनी माँगों के लिए संघर्ष करना एक बात है, जबकि उस संघर्ष का बोझ उन नागरिकों पर डाल देना दूसरी बात है, जिनका विवाद से प्रत्यक्ष संबंध भी नहीं है। हड़ताल के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित होती है, तो छोटे दुकानदारों का काम रुकता है, घरों की दिनचर्या बिगड़ती है और कार्यालयों तथा अन्य संस्थानों की गतिविधियाँ बाधित होती हैं। अस्पतालों और दूसरी आवश्यक सेवाओं में बिजली की कमी गंभीर कठिनाइयाँ पैदा कर सकती है।

यहीं कर्मचारी आंदोलन की जिम्मेदारी की परीक्षा होती है। क्या अपनी माँगों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए जनता को परेशानी में डालना अनिवार्य है? क्या सरकार पर दबाव बनाने के ऐसे तरीके नहीं अपनाए जा सकते, जिनसे आम नागरिकों की बुनियादी सुविधाएँ बाधित न हों? आवश्यक सेवाओं से जुड़े आंदोलनों में न्यूनतम जरूरी सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करना और पहले से वैकल्पिक व्यवस्था तैयार रखना विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है।

सरकार को भी अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटना चाहिए। यदि कर्मचारियों की शिकायतें लंबे समय तक अनसुनी रहती हैं, बातचीत के रास्ते बंद होते हैं या नीतिगत फैसलों को लेकर पारदर्शिता नहीं होती, तो असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है। सरकार को केवल हड़ताल समाप्त कराने पर ध्यान देने के बजाय विवाद के मूल कारणों का समाधान करना चाहिए। निजीकरण से जुड़े निर्णयों में कर्मचारियों, उपभोक्ताओं और विशेषज्ञों की चिंताओं को सुनना चाहिए। जनता को यह जानने का अधिकार है कि प्रस्तावित बदलाव से बिजली की दरों, आपूर्ति की गुणवत्ता, ग्रामीण क्षेत्रों की सेवाओं और कर्मचारियों के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

इसी तरह बिजली कर्मचारियों को भी समझना होगा कि जनता उनकी विरोधी नहीं है। आम नागरिक भी महँगाई, आर्थिक दबाव और अनेक प्रशासनिक समस्याओं से जूझ रहा है। वह कर्मचारियों के अधिकारों का सम्मान कर सकता है, लेकिन अपनी बुनियादी जरूरतों की अनदेखी स्वीकार नहीं कर सकता। जनता को अंधेरे में रखकर समर्थन हासिल करने की कोशिश आंदोलन के वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटा सकती है और लोगों के बीच नाराजगी बढ़ा सकती है।

सरकारी सेवाएँ जनता के करों, सार्वजनिक संसाधनों और नागरिकों के योगदान से संचालित होती हैं। इसलिए सरकार, अधिकारी और कर्मचारी—सभी की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। कोई भी संस्था जनता से ऊपर नहीं हो सकती। सरकारी व्यवस्था अच्छी सेवा देती है, तो जनता का विश्वास मजबूत होता है। व्यवस्था विफल होती है, तो सुधार की माँग उठना स्वाभाविक है। और यदि निजी क्षेत्र को अवसर दिया जाता है, तो उसे भी जनता के हितों के प्रति जवाबदेह बनाना जरूरी है।

कांग्रेस का फेल प्रोडक्ट और मोदी का दर्द

राकेश अचल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों में राहुल गांधी का आना-जाना मुकम्मल तौर पर जारी है.इसका सबूत मोदीजी ने गुरुवार को नई दिल्ली में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2026 में खुद दिया.मोदीजी ने कहा कि दुनिया जहां नए ऑर्डर की तलाश में है वहीं कुछ लोग भारत में डिसऑर्डर के सपने देख रहे हैं,कुछ लोग दुनिया में जाकर भारत को बदनाम कर रहे हैं.

मोदी जी की कांग्रेस को लेकर जो चिंता है उसे समझने से पहले आपको एनडीटीवी के मंच के बारे मे में समझना पडेगा.क्योंकि इस मंच से मोदी जी ने दुनिया की मौजूदा राजनीति, अर्थव्यवस्था, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भारत की भूमिका पर बात की है.

आपको बता दूं कि एनडीटीवी आजकल गौतम अडानी का मंच है.हालांकि इसकी स्थापना 1988 में प्रणय रॉय और राधिका रॉय ने की थी। 2022 में अडानी ग्रुप ने एएमजी मीडिया नेटवर्क लिमिटेड के जरिये इसे खरीद लिया.ये कंपनी अडानी इंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी है.जाहिर है कि अब एनडीटीवी जनता के मन की नहीं बल्कि प्रधानमंत्री मोदीजी के मन की बात करता है.

मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि-' पता नहीं कब तक कांग्रेस अपने फेल प्रोडक्ट की लॉन्चिंग के लिए देश को दांव पर लगाती रहेगी. 'राहुल गाँधी को लेकर मोदीजी की चिंता स्वाभाविक है.क्योंकि एक राहुल गाँधी ही हैं जो



हर बार मोदीजी को या तो नींद से जगा देते हैं,या उनका हर ख्वाब तोड देते हैं.राहुल ने ही मोदीजी को 2024 में 400 पार करने से रोक दिया था.इस समय भी राहुल ही हैं जो पूरे देश में मोदीजी का यानि भाजपा के अश्वमेघ यज्ञ की सबसे बडीऔर खडी बाधा हैं.

राहुल गाँधी कांग्रेस का फेल प्राडक्ट हैं या नहीं ये मैं तो नहीं जानता लेकिन माननीय मोदीजी जानते हैं,क्योंकि राहुल गांधी की वजह से ही मोदी को अपने परम प्रिय धर्मेंद्र प्रधान को मंत्रिमंडल से तख्लिया करने पडा और अब केंचुआ ज्ञानेश कुमार राहुल की वजह से फडफडा रहे हैं

मेरी अपनी धारणा है कि यदि देश की सियासत में कांग्रेस का ये फेल प्रोडक्ट न होता तो भाजपा का,संघ का देश को कांग्रेस विहीन करने का ख्वाब कभी का पूरा हो जाता.राहुल की वजह से ही माननीय मोदी जी अखिल ब्रम्हांड के नायक नहीं बन पा रहे हैं.दक्षिण भारत में उनके पैर नही जम पा रहे हैं जबकि इसी फेल ब्रांड की वजह से केरलम में कांग्रेस की सत्ता में वापसी हो चुकी है.

एक उदाहरण देता हूँ कि जैसे देश में अब खजूर छाप डालडा अब कहीं नजर नहीं आता लेकिन आज भी एक पीढी ऐसी है जो हर रिफाइंड तेल को डालडा ही कहती है.इसी तरह आज विपक्ष में संसद से लेकर सडक तक राहुल ही राहुल छाए हुए हैं.राहुल देश में रहें या विदेश में लेकिन हिंदुस्तान की पहचान हैं.इसकी वजह उनके साथ बाबस्ता एक विरासत भी है.

कायदे से मोदी जी को कांग्रेस के नहीं बल्कि अपने प्रोडक्ट की फिक्र करना चाहिए.जो न काश्मीर में चला और न केरलम में.कर्नाटक ने भी मोदी ब्रांड को ठुकरा दिया.मणिपुर में भी मोदीजी घुसने का साहस आजतक जुटा नहीं सके.

चुनावी राजनीति में भी कांग्रेस के इस फेल ब्रांड ने मोदीजी के न चाहते हुए लोकसभा में विपक्ष का नेता पद हथिया लिया परिसीमन विधे पारित नहीं होने दिया.फिर भी मोदीजी की दृष्टि में यदि राहुल गाँधी यदि कांग्रेस का फेल प्रोडक्ट हैं तो कोई क्या कर सकता है? राहुल गाँधी जैसे फेल प्रोडक्ट की चर्चा मोदीजी को बार-बार करना पडती है।

बोध कथा

कर्तव्य का बोध

एक किसान को विरासत में खूब धन-संपत्ति मिली। वह दिनभर खाली बैठा हुक्का गुड़गुड़ाता और गप्प हांकता रहता। रिश्तेदार और काम करने वाले नौकर-चाकर उसके आलस्य का लाभ उठाते और उसके माल पर हाथ साफ करने में लगे रहते।

एक दिन उसका पुराना मित्र उससे मिलने आया। यह अव्यवस्था देखकर उसे कष्ट हुआ और उसने किसान को समझाने की कोशिश की, किंतु उस पर कोई असर नहीं हुआ। तब उसने किसान मित्र से कहा कि वह उसे एक महात्मा के पास ले जाएगा जो उसे अमीर होने के नुस्खे बताएंगे। यह सुनकर वह तुरंत अपने मित्र के साथ उन महात्मा के पास जा पहुंचा। महात्मा ने किसान से कहा, 'हर दिन सूर्योदय से पहले एक श्वेत नीलकंठ खलिहान, गोशाला, घुड़साल और घर में चक्कर लगाता है और बहुत जल्दी गायब हो जाता है। उस नीलकंठ के दर्शन तुम्हारे धन-संपत्ति को बढ़ाने की क्षमता रखते हैं।'

अगले दिन किसान खुशी-खुशी सूर्योदय से पहले उठा और नीलकंठ की खोज में पहले अपने खेत गया। वहां उसने देखा कि उसका एक रिश्तेदार अनाज से बोरा भरकर ले जा रहा है। शीघ्र ही वह गोशाला पहुंचा तो देखा कि उसका नौकर दूध की भरी बाल्टी चुराकर अपने घर ले जा रहा है। जब वह घुड़साल गया तो वहां बेहद गंदगी पाई और देखा नौकर सो रहा था। अगले दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ।

किसान के रिश्तेदार और नौकर अब सजग होकर अपना काम ईमानदारी और फुर्ती से करने लगे। अब किसान आलस्य मुक्त और स्वस्थ हो गया, लेकिन उसे श्वेत नीलकंठ के दर्शन नहीं हुए। उसने महात्मा से जब यह बात कही तब उन्होंने कहा, 'तुम्हें उसके दर्शन तो हो गए, लेकिन तुम उसे पहचान नहीं पाए। वह श्वेत नीलकंठ 'कर्तव्य' है।' यह सुनकर किसान की आंखें खुल गईं।

कविता

दोराहा की भूमिका

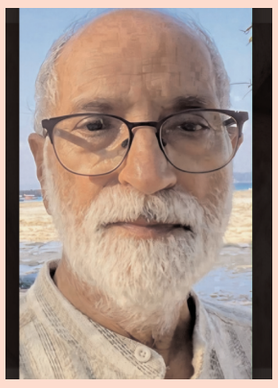


डॉ. सत्यभामा आडिल

एक ठहराव-स्थल,
मैंने उसे दोराहा की संज्ञा दी,
इस पार से उस पार जाने की पहल,
बहुत दूर तक
चंदन के महक सने इंगित में
पारिजात से सुवासित आकर्षण में
स्वप्निल सुगंधों के बहाव में
आ गई बहते-बहते दोराहे तक
उस पार,
जाने पर पास
देखा मैंने एक द्वार
जिसके तोरन में
फणेश, लटकते हुए
बिच्छू के डंक
नीचे छिद्रों में छिपे हुए
कांटे भरे से गुलाब से भर लिया
मैंने अपना ही अंक,
दुविधा की डोली में झूलता
सिहर उठा अंग-अंग
पुनः लेने की चाह नहीं
पीछे छोड़ी गई पुरवाई
आगे बढ़ने की चाह, पर
छीन लेने को मेरी तनहाई
दंश देने को, ठहरा है पल,
न जाने क्या होगा कल ?
सावन के मेघ और भादों की झड़ी
सिहरन अजाने
बीच राह में खड़ी,
आओ जी लें हम ,
दोराहे की दोहरी भूमिका में,
मैं, तुम, वह, हम !

व्यंग्य केसरी

ऐ बाबू, ये पब्लिक है...!



डॉ. रामेश्वरम तिवारी

संस्कृत की प्रसिद्ध उक्ति है- 'विनाश काले विपरीत बुद्धि।'- इसी कथन को रामधारी दिनकर ने अपने प्रसिद्ध खण्डकाव्य ' 'रश्मिरथी'' में कुछ इस प्रकार बयान किया है-'जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है।' आशय है कि जब किसी व्यक्ति का विनाश होने को होता है, तो उसकी मति मारी जाती है। सही और गलत, उचित और अनुचित में विवेक भेद नहीं कर पाता है। ऐसा व्यक्ति सही राह दिखाने वाले को अपना शत्रु समझने लगता है। वह रावण, कंस, दुर्योधन जैसे दुष्ट-दुर्जनों की तरह खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी चला बैठता है। आज देश की राजनीति में कुछ-कुछ ऐसा ही परिदृश्य देखने में आ रहा है।

देश के अधिकाँश विपक्षी दल अपनी सत्ता को खोकर या फिर अपनी खोई हुई सत्ता की पुनर्प्राप्ति के लिए विकृत मनोदशा के शिकार हुए जा रहे हैं। उन्हें देश की सुरक्षा और आर्थिक प्रगति की रत्ती भर चिंता नहीं हैं इसलिए आए दिन कभी सेना की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं, तो कभी विदेशी शक्तियों के इशारे पर सरकार को अस्थिर करने की साज़िशें रची जा रही हैं। उसके लिए कितनी भी हद तक गिरना पड़े, तो गिरने को एक पैर पर खड़े हैं। उनके लिए अपने देश की गौरव-गाथा, सांस्कृतिक वैभव और मातृभूमि के प्रति वफादारी कोई मानी नहीं है।

जबसे देश में राष्ट्रवाद को समर्पित सनातनी सरकारें केंद्र और राज्यों में क़ाबिज़ हुई हैं, तब से बेचारे विपक्ष के नेताओं की रातों की नींद और दिन का चैन हराम हो गया है। कल जो संविधान और लोकतंत्र के हत्यारे, देश की अस्मिता के सौदागर थे आज वही येन-केन-प्रकारेण संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर आरोपों की बौछार कर, घटिया हथकंडों को अपनाकर, किसी भी क़ीमत पर सत्ता हासिल करने पर तुले हुए हैं। मूर्खता की हद, तो तब हो गई जब देश के सबसे पुराने दल का नेता अपने अँधभक्तों का हुजूम लेकर यह जानते हुए कि प्रोटोकॉल के तहत सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश से नहीं मिल सकता है, बावजूद अपना बकवास का पुलिंदा लिए, सत्ता के भूखे भूतों को साथ लेकर जुलूस की शक्ल में हो-हल्ला करते हुए अभेद्य अयस्क द्वार पर दस्तक देने पहुँच गया।

जबकि हकीकत यह है कि आज की जनता पहले जैसी नहीं, कुछ ज्यादा ही जागरूक और समझदार हो गई है। दूरदर्शन, मोबाइल, सोशल मीडिया की पहुँच ने उसको अपने हक और सही-गलत की पहचान का एक अचूक हथियार थमा दिया है। पहले जिसको लालच देकर आसानी से बहला-फुसलाकर अपना उल्लू साधा जा सकता था, अब वह सामने वाले को उल्लू बनाने में माहिर हो गई है। नेताओं के काले कारनामों और कारस्तानियों को भलीभाँति जानने लगी है। कौन उसका सच्चा हितैषी और कौन सत्ता का लोभी भँवरा है। उसके हाथ में परख-पहचान का जादुई यंत्र जो लग गया है। इसलिए अब वह झूठे आश्वासनों और खोखले वादों की झाँसेबाजी में आसानी से फँसने वाली नहीं है।

इतिहास

24 अक्टूबर का दिन भारत और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं

1577: गुरु रामदास द्वारा अमृतसर शहर की स्थापना की गई।

1605: अकबर की मृत्यु के बाद शहजादे सलीम ने मुगल साम्राज्य की गद्दी संभाली, जिन्हें इतिहास में 'जहाँगीर' के नाम से जाना जाता है।

1775: भारत के अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह ज़फ़र का जन्म हुआ।

1851: कलकत्ता (अब कोलकाता) और डायमंड हार्बर के बीच पहली आधिकारिक टेलीग्राफ लाइन की शुरुआत हुई।

1945: संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक रूप से स्थापना हुई। 1947: पाकिस्तान द्वारा कश्मीर पर कबायली हमला किया गया।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक उपलब्ध कराने सघन जांच, अमानक मिलने पर तत्काल विक्रय प्रतिबंध

लक्ष्य से अधिक 58 नमूनों की जांच, 15 अमानक पाए गए

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग जिले में कीटनाशकों की गुणवत्ता और बिक्री व्यवस्था की सघन निगरानी कर रहा है। खरीफ वर्ष 2026 में निर्धारित 35 नमूनों के लक्ष्य के विरुद्ध 58 नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इनमें 33 नमूने मानक और 15 अमानक पाए गए हैं। अमानक परिणाम प्राप्त होते ही संबंधित कीटनाशकों के विक्रय पर तत्काल प्रतिबंध लगाया गया है। शेष 10 नमूनों के परीक्षण परिणाम प्राप्त होना बाकी है।



उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने तथा विक्रेताओं द्वारा लाइसेंस की शर्तों के अनुरूप अभिलेखों का संधारण सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तरीय निरीक्षण दल और विकासखंड स्तरीय निरीक्षक लगातार जांच कर रहे हैं। प्रतिष्ठानों में उपलब्ध कृषि आदानों, उनके विक्रय एवं वितरण से संबंधित अभिलेखों की जांच के साथ नियमानुसार नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों के कुल 129 निरीक्षण किए गए हैं। अनियमितताएं पाए जाने पर 14 प्रतिष्ठानों के कीटनाशक विक्रय प्राधिकार पत्र निरस्त और दो प्रतिष्ठानों के प्राधिकार पत्र निलंबित किए गए हैं। इसके अलावा 17 प्रतिष्ठानों में विक्रय प्रतिबंध की कार्रवाई की गई है तथा सात विक्रेताओं का स्टॉक जब्त किया गया है। एक प्रकरण में एफआईआर दर्ज कराई गई है और दो प्रकरणों में अभियोजन की अनुमति के लिए वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव भेजे गए हैं।

शिकायत और जानकारी के लिए नियंत्रण कक्ष की सुविधा

किसानों की सुविधा के लिए उप संचालक कृषि कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। किसान कार्यालयीन दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक दूरभाष नंबर 07752-470814 पर संपर्क कर कृषि आदानों से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं अथवा जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की है कि बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक पंजीकृत विक्रेताओं से ही खरीदें और खरीदी का बिल अवश्य लें।

उप संचालक कृषि ने बताया कि कृषि आदानों की कालाबाजारी, अवैध बिक्री और अमानक कीटनाशकों के विक्रय पर नियंत्रण के लिए निरीक्षण एवं कार्रवाई लगातार जारी है। गुणवत्ता नियंत्रण के तहत निर्धारित लक्ष्य से अधिक नमूने लेकर परीक्षण कराना और अनियमितताओं पर कार्रवाई करना इसी निगरानी व्यवस्था का हिस्सा है।

स्वच्छ और कचरा मुक्त गांव बनाने पर जोर, राज्य सलाहकार ने किया स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण



विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार मोनिका सिंह ने बिल्हा विकासखंड के ओडीएफ मॉडल ग्राम बिटकुली, पासीद, खम्हारडीह एवं मंगला (प) में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने गांवों में स्वच्छता व्यवस्था, घर-घर कचरा संग्रहण और अपशिष्ट निपटान की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही स्वच्छ एवं कचरा मुक्त गांव बनाने के लिए ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान सिंह ने स्वच्छग्राहियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत कचरे को चार श्रेणियों सूखा, गीला, सेनेटरी एवं विशेष देखभाल वाले इलेक्ट्रॉनिक कचरे में अलग-अलग रखने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए घरों से ही कचरे का पृथक्करण जरूरी है। ग्रामीणों को नियमित कचरा संग्रहण में सहयोग करने और स्वच्छता शुल्क का भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सिंह ने घर-घर कचरा संग्रहण में संलग्न स्वच्छग्राही समूहों के सदस्यों से चर्चा कर उनके कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सरपंचों एवं सचिवों से कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वाले लोगों को पहले समझाइश दी जाए। इसके बाद भी नियमों का पालन नहीं करने वालों पर नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने गांवों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों के नियमित उपयोग और स्वच्छता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर जिला समन्वयक, जनपद पंचायत की टीम, नोडल अधिकारी, सरपंच, पंच, सचिव, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बिहान समूह की महिलाएं, स्वच्छग्राही एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों पर गिरेगी गाज, पीएचसी रेवतपुर की स्टाफ नर्स निलंबित

विश्व केसरी

बलरामपुर (आफताब आलम)। मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए स्वास्थ्य विभाग ने विकासखंड राजपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रेवतपुर की स्टाफ नर्स अपूर्वा सिंह भदौरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा संभाग ने मामला संज्ञान में आने के 48 घंटे के भीतर यह आदेश जारी किया।



20 अक्टूबर को एक प्रसूता प्रसव के लिए अस्पताल पहुंची, लेकिन उस समय वहां स्टाफ उपस्थित नहीं था। मामला संज्ञान में आते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने 21 अक्टूबर को खंड चिकित्सा अधिकारी, राजपुर से जांच प्रतिवेदन मांगा। उसी दिन हुए निरीक्षण में पाया गया कि मॉर्निंग ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स समय पर उपस्थित नहीं थीं। प्रभारी के फोन करने पर वे अस्पताल पहुंचीं और प्रसूता को भर्ती कर सुरक्षित प्रसव कराया। खंड चिकित्सा अधिकारी ने ग्राम कुंदीकला की प्रसूता अनिता सिंह से स्वयं संपर्क किया। जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

जांच में संबंधित कर्मचारी प्रथम दृष्टया कर्तव्य के प्रति लापरवाही और अनुशासनहीनता की दोषी पाई गईं। इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 का उल्लंघन मानते हुए उन्हें निलंबित किया गया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर रहेगा। विभागीय जांच के लिए 10 दिनों के भीतर आरोप पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने दो टूक कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं में ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल की लगातार निगरानी के निर्देश दिए हैं।

राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह के जन्मदिवस पर सोमनाथ सोनी ने दी बधाई



विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती रियासत के पूर्व राजा, लोकप्रिय एवं निष्पक्ष जननेता राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह का 23 अक्टूबर को उनके जन्मदिवस के अवसर पर क्षेत्र में अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ याद किया गया। इस अवसर पर सोमनाथ सोनी ने उन्हें अपनी आत्मीय शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सोमनाथ सोनी ने राजा सुरेंद्र बहादुर सिंह के महान व्यक्तित्व, जनसेवा और उनके निष्पक्ष नेतृत्व को याद करते हुए क्षेत्र के विकास में उनके ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया। इस विशेष अवसर पर सोमनाथ सोनी ने शासन और प्रशासन के समक्ष एक गंभीर विषय उठाते हुए कहा कि सक्ती रियासत के इतने बड़े और जनप्रिय राजा होने के बावजूद, वर्तमान में सक्ती शहर या क्षेत्र में कहीं भी उनके नाम का उल्लेख या उनकी स्मृति से जुड़ा कोई आधिकारिक स्थल नहीं है।

राजस्व पटवारी संघ सक्ती में अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। भौतिक सत्यापन मोबाइल एप्प की व्यवहारिक समस्याओं के निराकरण, लंबित पदोन्नति एवं वेतन विसंगति सहित विभिन्न मांगों को लेकर राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ का अनिश्चितकालीन हड़ताल आज दसवें दिन भी जारी रहा। प्रदेश के समस्त जिलों में पटवारी अपनी जायज मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

पटवारियों के हड़ताल पर चले जाने से आम जनता से जुड़े राजस्व एवं प्रशासनिक कार्य बुरी तरह प्रभावित होने लगे हैं। इनमें आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र संबंधी प्रतिवेदन, नामांतरण, बंटवारा, निर्वाचन संबंधी कार्य, जनगणना, फसल कटाई प्रयोग, न्यायालयीन प्रतिवेदन, सीमांकन एवं भूमि नाप जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आगामी धान खरीदी व्यवस्था पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।



पीवी एप्प की व्यवहारिक समस्याओं से किसानों के अभिलेखों पर संकट

संघ का कहना है कि पीवी एप्प की मूलभूत एवं व्यवहारिक समस्याओं का निराकरण किए बिना पटवारियों पर इसके माध्यम से कार्य करने का दबाव बनाया जा रहा है। पटवारियों द्वारा पीवी एप्प में कार्य करने से मना किए जाने के बाद शासन-प्रशासन द्वारा निजी सर्वेयरों के माध्यम से भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पीवी एप्प में मुख्य रूप से ऐसे खसरे शामिल किए गए हैं, जिनका नक्शा अथवा नक्शा बटांकन उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में निजी सर्वेयर आखिर किस आधार पर खेतों एवं खसरों की सही पहचान कर उनका सत्यापन कर रहे हैं, यह एक गंभीर प्रश्न है। खसरों की वास्तविक पहचान राजस्व अभिलेखों, भौतिक परिस्थितियों एवं किसानों की उपस्थिति में ही सुनिश्चित की जा सकती है। ऐसे में राजस्व अभिलेखों की पर्याप्त जानकारी के बिना निजी सर्वेयरों द्वारा किया जा रहा सर्वेक्षण कितना विश्वसनीय एवं त्रुटिरहित होगा। इस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। संघ ने यह भी चिंता व्यक्त की है कि कई स्थानों पर एक ही जगह खड़े होकर सर्वेयरों द्वारा अनेक खसरों का सत्यापन किया जा रहा है। ऐसी प्रक्रिया से तैयार होने वाले लोकेशन एवं पॉलीगॉन की सटीकता संदिग्ध है।

वोट चोरी के विरोध में कांग्रेस की पदयात्रा

विश्व केसरी

चिरमिरी (राजेश उपाध्याय)। देश में कथित वोट चोरी, मतदाता सूची से लगभग 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने के आरोप तथा चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों के विरोध में आज शुक्रवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चिरमिरी द्वारा पदयात्रा एवं विरोध प्रदर्शन किया गया।



यह पदयात्रा बड़ा बाजार स्थित दुर्गा पंडाल से प्रारंभ होकर एसडीएम कार्यालय तक पहुंची, जहां कांग्रेसजनों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नेता, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पार्टी के सदस्य उपस्थित रहे। कांग्रेसजनों ने लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग करते हुए जोरदार विरोध दर्ज कराया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है। मतदाता सूची में गड़बड़ी और वोट चोरी से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई देश के सामने लाई जानी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के मत की गरिमा और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना सरकार एवं चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।

कांग्रेस कमेटी ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए पार्टी जनहित के मुद्दों पर अपना संघर्ष लगातार जारी रखेगी।

भानुप्रतापपुर की चारों प्रमुख सड़कों की मरम्मत व डामरीकरण की मांग, चैंबर ने सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। नगर की चारों प्रमुख सड़कों की जर्जर स्थिति और जगह-जगह बने गड्ढों की मरम्मत की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भानुप्रतापपुर इकाई ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के नाम का ज्ञापन सौंपा।



ज्ञापन में बताया गया कि सड़कों पर गड्ढों के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों, वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है और व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। चैंबर ने चारों प्रमुख मार्गों पर तत्काल पेचवर्क कराने के साथ ही जर्जर सड़कों का स्थायी समाधान करते हुए आवश्यकतानुसार डामरीकरण कराने की मांग की। साथ ही संबंधित विभाग को शीघ्र निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश देने का आग्रह किया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान छत्तीसगढ़ चैंबर के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, व्यापारी संघ अध्यक्ष राकेश रामानी, चैंबर ऑफ़ कॉमर्स भानुप्रतापपुर अध्यक्ष यश कथुरिया, नमन झाबक जैन, अजय लखानी, प्रदीप नवालानी, लक्ष्मण माखीजा, विवेक गुप्ता सहित अन्य व्यापारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय का निरीक्षण



विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित जिला कोषालय का छमाही निरीक्षण किया। उन्होंने डबल लॉक व्यवस्था का भौतिक सत्यापन करने के साथ संबंधित पंजियों एवं अभिलेखों की जांच की और कोषालय के कामकाज की समीक्षा की।

कलेक्टर ने स्टाम्प एवं टिकटों के संधारण, बिल पारित करने की प्रक्रिया, पेंशन भुगतान तथा लेखा संबंधी कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप करने के निर्देश दिए। अग्रवाल ने अभिलेखों को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने तथा बिलों और पेंशन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी बसंत गुलेरी, सहायक कोषालय अधिकारी सुजीत कुमार पात्रे, खजांची ज्ञानू भारद्वाज, के.के. यादव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सेवासेतु केंद्रों से नागरिकों को मिलें सुगम और त्वरित सेवाएं

विश्व केसरी

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिले के नागरिकों को सेवासेतु पोर्टल के माध्यम से सरल, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सेवासेतु केंद्रों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी बिलासपुर द्वारा खारंग जल संसाधन विभाग परिसर स्थित प्रार्थना सभा कक्ष में सेवासेतु केंद्र प्रबंधकों की समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें नगर निगम क्षेत्र एवं सभी विकासखंडों के केंद्र प्रबंधकों के साथ राजस्व विभाग के तहसीलदार, रीडर और भू-अभिलेख शाखा के कर्मचारी शामिल हुए।



प्रशिक्षण में केंद्रों के माध्यम से किए जा रहे ऑनलाइन आवेदनों तथा अपूर्ण आवेदनों को सुधार के लिए वापस भेजने और निरस्त किए जाने के कारणों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रबंधकों को विभिन्न सेवाओं के लिए आवश्यक दस्तावेजों, आवेदन प्रक्रिया और पोर्टल पर उपलब्ध नई सेवाओं की जानकारी दी गई।

केंद्र प्रबंधकों को निर्देशित किया गया कि आवेदन ऑनलाइन दर्ज करने से पहले संबंधित सेवा के लिए निर्धारित आवश्यक दस्तावेजों की सूची से मिलान अवश्य करें। पूर्ण और सही दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत होने से त्रुटियों के कारण आवेदन वापस होने की स्थिति कम होगी और नागरिकों को सेवाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। समीक्षा बैठक में सभी कॉमन सर्विस सेंटर एवं सेवासेतु केंद्रों पर राज्य कार्यालय से प्राप्त निर्धारित प्रारूप के फ्लेक्स एवं होर्डिंग लगाने के निर्देश दिए गए। सेवाओं के लिए निर्धारित शुल्क की सूची भी प्रत्येक केंद्र पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने को कहा गया, ताकि नागरिकों को शुल्क की सही जानकारी मिल सके। साथ ही केंद्रों में हितग्राहियों के बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सेवासेतु पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों की 900 से अधिक सेवाएं नागरिकों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें 125 से अधिक सेवाएं सीधे पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इन सेवाओं का लाभ नागरिकों तक सुगमता से पहुंचाने के लिए जिले में केंद्र प्रबंधकों का प्रशिक्षण एवं कार्यों की समीक्षा निरंतर की जा रही है।

जमीन धोखाधड़ी मामले में 5 व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश

विश्व केसरी

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। कलेक्टर सरगुजा ने तहसील मैनपाट के ग्राम केसरा में स्थित भूमि खसरा नम्बर 1378 रकबा 3.46 हे. से संबंधित मामले में तहसीलदार मैनपाट के जांच प्रतिवेदन के आधार पर आजाद इराकी सहित कुल 5 व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश तहसीलदार मैनपाट को दिए हैं।

उपरोक्त भूमि के सम्बंध में यह शिकायत प्राप्त हुई कि ग्राम केसरा तहसील मैनपाट स्थित शासकीय भूमि रिनम्बरिंग खसरा नम्बर 1378 रकबा 3.46 हे. को राजस्व अभिलेख में कुटरचना कर अवैध रूप से निजी व्यक्ति के नाम दर्ज करा लिया गया है तथा उक्त भूमि को किसी अन्य निजी व्यक्ति के पास रजिस्ट्री कर दिया गया है। शिकायत प्राप्त होने के पश्चात शिकायत को समय सीमा में दर्ज कर तहसीलदार मैनपाट से जांच प्रतिवेदन मंगवाया गया। जांच प्रतिवेदन से यह स्पष्ट है कि 1954-55 के अधिकार अभिलेख का अंतिम खसरा नम्बर 650 है। अत: अधिकार अभिलेख में खसरा नम्बर 1378 की प्रविष्टि नहीं हो सकती। खसरा नम्बर 1378 रिनम्बरिंग खसरा नम्बर है, जो पहली बार 1995-96 में राजस्व दस्तावेजों में आया है।

अत: प्रकरण से स्पष्ट है कि 1954-55 के अधिकार अभिलेख में खसरा नम्बर 1378 की प्रविष्टि बाद में कूट रचना कर विजय सिंह आ.चन्द्रचरण सिंह के नाम पर की गई। जिस भूमि को विजय सिंह आ. चन्द्रचरण सिंह के मुख्तार आम दिलीप चिकवा पिता रामप्रसाद चिरवा तथा तुलेश्वर गुप्ता पिता गणेश गुप्ता के द्वारा आजाद इराकी पिता रियाजुददीन इराकी, अनुपम कुमार सिंह पिता रामा शंकर सिंह को रजिस्ट्री किया गया। बंदोबस्त वर्ष 1995-96 में भी खसरा नम्बर 1378 शासकीय भूमि के रूप में छोटे झाड़ जंगल मद में ही दर्ज है।

शेयर बाजार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद, मिडकैप और स्मॉलकैप पर रहा दबाव

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 125.56 अंक या 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,123.83 और निफ्टी 87.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,600.00 पर था।

बाजार में व्यापक आधार पर बिकवाली देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,263.30 अंक या 2.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 55,800.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 536.45 अंक या 2.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,739.45 पर बंद हुआ।

करीब सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी मेटल (2.71 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (2.63 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (2.60 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (2.38 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (2.26 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (1.66 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई



(1.64 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग (1.57 प्रतिशत), निफ्टी कमोडिटीज (1.41 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (1.33 प्रतिशत) और निफ्टी फार्मा (1.04 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ सबसे अधिक दबाव में रहे।

सेंसेक्स पैक में इटरनल, एलएंडटी, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक गेनर्स थे। टाटा स्टील, ट्रेंट, टेक महिंद्रा, बीईएल, इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, एसबीआई, एचयूएल, सन फार्मा, भारती एयरटेल, आईटीसी और एमएंडएम लूजर्स थे। जानकारों ने कहा कि बाजार में मुख्य चिंता निफ्टी की तुलना में मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में आई बहुत तेज गिरावट है। वैल्यूएशन से जुड़ी चिंताओं, लीवरेज्ड पोजीशन को हटाने, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और कमजोर वैश्विक संकेतों ने पूरे बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। इंडिया वीआईएक्स में उछाल यह भी बताता है कि निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रह सकती हैं, जबकि एआई के कारण वैश्विक इक्विटी बाजारों में हो रही बिकवाली निवेशकों के जोखिम लेने की क्षमता पर दबाव डाल रही है। आगे चलकर, महंगाई के रुझान और महंगाई एवं विकास के बीच संतुलन बनाने के लिए प्रमुख केंद्रीय बैंकों के कदम बाजार की दिशा तय करने में अहम होंगे। ऐसे माहौल में, हमें उम्मीद है कि स्टॉक और सेक्टर-विशेष के अवसर हावी रहेंगे, जहां कमाई की स्पष्टता और वैल्यूएशन का सही स्तर मुख्य निर्णायक कारक साबित होंगे।

अक्टूबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां 4 महीने के उच्च स्तर पर पहुंची

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। अक्टूबर में भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों (बिजनेस एक्टिविटी) में जोरदार तेजी दर्ज की गई और यह चार महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एचएसबीसी द्वारा जारी फ्लैश पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) आंकड़ों के अनुसार, घरेलू मांग के साथ-साथ विदेशी बाजारों से मिले मजबूत ऑर्डरों ने विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों को गति दी है। साथ ही महंगाई से जुड़े दबावों में भी नरमी देखने को मिली है।

एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स, जो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की संयुक्त गतिविधियों को मापता है, सितंबर के 55.9 से बढ़कर अक्टूबर में 56.7 पर पहुंच गया। 50 से ऊपर का स्तर आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का संकेत माना जाता है। यह जून के बाद कारोबारी गतिविधियों की सबसे तेज वृद्धि है।

आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बाजार की स्थितियों में सुधार और नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी की जानकारी दी। विदेशी मांग भी मजबूत रही और निर्यात ऑर्डरों में पिछले छह महीनों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई।

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन और नए ऑर्डरों की वृद्धि सितंबर के स्तर के आसपास बनी रही, लेकिन इसके पीछे सबसे महत्वपूर्ण पहलू निर्यात मांग में आई तेजी रही। उन्होंने कहा कि जून 2025 के बाद पहली बार निर्यात ऑर्डरों में इतनी मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि बढ़ती मांग को देखते हुए निर्माताओं ने कच्चे माल और तैयार माल दोनों का भंडारण बढ़ाया है। इसके साथ ही उत्पादन लागत और बिक्री मूल्य पर पड़ने वाला दबाव भी लगातार कम हो रहा है, जो महंगाई के मोर्चे पर राहत का संकेत है।

हालांकि रोजगार के मोर्चे पर तस्वीर कुछ मिश्रित रही। निजी क्षेत्र में रोजगार वृद्धि की गति धीमी पड़ी और सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने लगातार नौ महीनों तक कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के बाद इस बार नए कर्मचारियों की भर्ती लगभग रोक दी। दूसरी ओर विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ा, लेकिन यह वृद्धि सीमित रही।

सोना लगातार पांचवें दिन फिसला, चांदी 1.95 लाख के नीचे

विश्व केसरी■





नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट देखने को मिली। इससे सोने का दाम 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 1.95 लाख रुपए प्रति किलो के नीचे पहुंच गया।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 1,064 रुपए कम होकर 1,41,630 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,42,694 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इस हफ्ते की शुरुआत में सोना 1,46,426 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो करीब 2.5 प्रतिशत की गिरावट को दिखाता है।

22 कैरेट सोने का दाम 1,30,708 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,29,733 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 18 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,06,223 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,07,021 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखी गई है।

चांदी का दाम 5,362 रुपए कम होकर 1,94,415 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 1,99,777 रुपए प्रति किलो था।

हाजिर के साथ वायदा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक सोने के 4 दिसंबर, 2026 के कॉन्ट्रैक्ट 500 रुपए या 0.35 प्रतिशत कम होकर 1,42,809 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

चांदी के 4 दिसंबर, 2026 के कॉन्ट्रैक्ट 3,993 रुपए या 2 प्रतिशत घटकर 1,95,606 रुपए प्रति किलो पर था।

जानकारों ने कहा कि सोने में गिरावट का सिलसिला जारी है। इस हफ्ते इसमें 2.5 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई और यह लगभग 1,42,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया। वहीं, अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की बढ़ती उम्मीदों के बीच कॉमेक्स गोल्ड में भी गिरावट देखी गई और यह 4,000 डॉलर के स्तर की ओर आ गया। उन्होंने आगे कहा कि ब्याज दरें बढ़ने की संभावना और बॉन्ड यील्ड में उछाल के कारण सोने पर दबाव बना हुआ है, क्योंकि इससे ऐसी संपत्तियों को अपने पास रखने की अवसर लागत बढ़ जाती है, जिनसे कोई रिटर्न नहीं मिलता। आगे चलकर, अगले हफ्ते फेड का नीतिगत फैसला एक अहम मोड़ साबित होगा। ब्याज दरों को लेकर फेड का रुख और उनकी नीतिगत गाइडेंस ही यह तय करेगी कि आने वाले समय में सोने की चाल किस दिशा में होगी।

डेटा लीक पर एसबीआई ने जारी किया बयान, 'ग्राहक का फंड पूरी तरह सुरक्षित'

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने शुक्रवार को साइबर हमले में डार्क वेब पर 3,897 ग्राहकों के डेटा लीक पर बयान जारी कर कहा है कि इसमें ग्राहकों के खातों में जमा राशि (फंड) में कोई नुकसान नहीं हुआ है।

एसबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक बयान में कहा, 'हाल ही में हुई साइबर घटना के संबंध में हमारी पिछली पोस्ट के बाद, बैंक ने उन सभी ग्राहकों को ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए अलग से सूचित कर दिया है, जिनका डेटा इस घटना से प्रभावित हुआ है।'

साथ ही कहा, 'हम फिर से स्पष्ट करते हैं कि आपके खाते की शेष राशि और फंड हमारे पास सुरक्षित हैं।'

बैंक ने ग्राहकों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग तौर-तरीके अपनाने, अपना ओटीपी, पिन या पासवर्ड कभी किसी के साथ साझा न करने और संदिग्ध कॉल, मैसेज व ईमेल को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। यह बयान ऐसे समय पर सामने आया है, जब इस हफ्ते की शुरुआत में भारत के सबसे बड़े बैंक ने स्पष्ट किया कि उसके यहां डेटा लीक हुआ है, जिसमें 3,897 ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर पब्लिश हो गया है। हफ्ते की शुरुआत में, बैंक ने बताया कि उसे अपने 'थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर', 'डिफेंस साइबर एजेंसी' और 'सीईआरटी-इन' से ग्राहकों के डेटा के संभावित रूप से लीक होने के संबंध में एक अलर्ट मिला है।

बैंक ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि डार्क वेब पर मौजूद लगभग 3,75,000 रिकॉर्ड्स के शुरुआती विश्लेषण के दौरान, 3,897 ऐसे ग्राहक रिकॉर्ड मिले हैं जिनमें उनकी निजी पहचान से जुड़ी जानकारी शामिल है। बैंक के अनुसार, लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पते, घर के पते, ब्रांच और सीआईएफ आइडेंटिफायर, लीड आईडी और लोन या लीड रिकॉर्ड से जुड़े मेटाडेटा तथा अन्य संबंधित फाइलें शामिल हैं। सरकारी बैंक ने बताया कि उसने तुरंत अपने 'साइबर इंसिडेंट रिस्पॉन्स' और 'कंटेनमेंट प्रोटोकॉल' को सक्रिय कर दिया है। साथ ही, मामले की व्यापक जांच करने और डेटा लीक की प्रकृति एवं इसके दायरे का पता लगाने के लिए सीईआरटी-इन द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वतंत्र साइबर सुरक्षा एजेंसी को नियुक्त किया है।

बैंक ने कहा कि लीक हुए डेटा की सत्यता और पूर्णता की पुष्टि करने, इसके संभावित स्रोत और दायरे का पता लगाने, एवं इससे जुड़े जोखिमों का आकलन करने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है।

भारत में हेल्थकेयर जीसीसी जॉब ओपनिंग 2026 में 67,000 पहुंची

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत के हेल्थकेयर ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) में जॉब ओपनिंग 2026 में करीब 93 प्रतिशत बढ़कर 67,000 तक पहुंच गई है। इसमें 3 से 12 वर्ष तक के अनुभव वाले लोगों की मांग अधिक है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

क्वेस कॉर्प की रिपोर्ट के अनुसार, हेल्थकेयर जीसीसी में एआई सबसे तेजी से विस्तार करने वाली क्षमता होगी। जैसे-जैसे यह क्लिनिकल, आरएंडडी, ऑपरेशंस और प्रोडक्ट वर्कफ्लो में शामिल होगा, इसका प्रसार आज के लगभग 60 प्रतिशत केंद्रों से बढ़कर 2030 तक 80-90 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

क्वेस आईटी सॉल्यूशंस के सीईओ कपिल जोशी ने कहा, 'पिछले साल नियुक्तियां लगभग दोगुनी हो गईं, और 2023 के बाद से एआई और डेटा टैलेंट की मांग में लगभग 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। फिर भी, सबसे बड़ी समस्या प्रतिभा की कमी है।'

भारत के हेल्थकेयर जीसीसी इकोसिस्टम में अब 155 जीसीसी संगठन शामिल हैं, जिनमें लगभग 3.2 लाख पेशेवर काम करते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भर्ती का स्वरूप पारंपरिक सपोर्ट कार्यों से बदलकर एआई, डेटा एनालिटिक्स, क्लिनिकल रिसर्च और रेगुलेटरी मामलों जैसे विशेष क्षेत्रों की ओर बढ़ रहा है।

रिपोर्ट में इन क्षेत्रों में प्रतिभा की बढ़ती कमी पर भी प्रकाश डाला गया है, जहां पेशेवरों की उपलब्धता भर्ती की जरूरतों के साथ तालमेल बिठाने में संघर्ष कर रही है।

डेटा, एनालिटिक्स और एआई से जुड़े पदों की मांग 2023 से 2026 के पूर्वानुमान के बीच 147.3 प्रतिशत बढ़कर 1,781 से 4,404 हो गई है। रेगुलेटरी, क्वालिटी और कंप्लायंस के क्षेत्र में मांग दोगुनी से अधिक होकर 6,147 हो गई है, जबकि आरएंडडी, क्लिनिकल डेवलपमेंट, बायोमेट्रिक्स और सांख्यिकी के क्षेत्र में मांग 82.5 प्रतिशत बढ़कर 5,421 पदों तक पहुंच गई है।

लगभग 3.2 लाख पेशेवरों के कार्यबल के बावजूद, विशेष प्रतिभाओं की उपलब्धता अभी भी सीमित है। रिपोर्ट के अनुसार, 'डेटा, एनालिटिक्स और एआई' तथा 'मार्केट एक्सेस, पेशेंट सर्विसेज और एनालिटिक्स' जैसे क्षेत्रों में आपूर्ति-मांग अनुपात केवल 1.6:1 है, जबकि कुल कार्यबल और वार्षिक मांग का अनुपात 4.8:1 है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि फ्रेशर्स की मांग कम होने के कारण, हायरिंग में अनुभवी पेशेवरों का दबदबा है। कुल 67,000 जॉब ओपनिंग्स में से लगभग 38,391 पद 3-7 साल के अनुभव वाले पेशेवरों के लिए हैं, जबकि 23,856 पद 7-12 साल के अनुभव वालों के लिए हैं।

2026 की दूसरी तिमाही में एंट्री-लेवल हायरिंग की मांग में सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि कुल तिमाही हायरिंग मांग में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

बेंगलुरु और हैदराबाद भारत के हेल्थकेयर जीसीसी इकोसिस्टम के मुख्य केंद्र बने हुए हैं। यहां मौजूदा कार्यबल का 62.2 प्रतिशत हिस्सा मौजूद है और 2026 में अनुमानित हायरिंग मांग का 58.4 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं शहरों से है।

बेंगलुरु सबसे आगे है, जहां 1.09 लाख पेशेवर काम कर रहे हैं और 23,600 पदों की मांग है। यह मांग मुख्य रूप से टेक्नोलॉजी, डिजिटल हेल्थ, एआई और मेडिकल-डिवाइस इंजीनियरिंग के क्षेत्रों से आ रही है।

सुहिणी सोच द्वारा 'सुहाग का त्योहार-दुल्हन शो एवं म्यूजिकल तंबोला' का आयोजन 26 को

विश्व केसरी■







रायपुर (संवाददाता)। सुहिणी सोच संस्था द्वारा करवाचौथ के अवसर पर 'सुहाग का त्योहार - दुल्हन शो एवं म्यूजिकल तंबोला' का भव्य आयोजन सोमवार, 26 अक्टूबर 2026 को दोपहर 3:30 बजे से शाम 7:30 बजे तक बेबीलॉन इंटरनेशनल, वी.आई.पी. रोड, रायपुर में किया जाएगा।

इस आयोजन में चांद-सी दुल्हनों का शो, मस्ती, संस्कार, टैलेंट एवं श्रृंगार का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में मनोरंजक प्रस्तुतियों के साथ स्वादिष्ट स्वल्पाहार एवं आकर्षक पुरस्कार भी रखे गए हैं। म्यूजिकल तंबोला में गोल्ड नेकलेस, गोल्ड रिंग, गोल्ड ईयररिंग एवं सिल्वर कॉइन जैसे पुरस्कार दिए जाएंगे। दुल्हन शो में डायमंड रिंग, गोल्ड ईयररिंग, सिल्वर कॉइन, बेस्ट ज्वेलरी, बेस्ट हेयर स्टाइल, बेस्ट दुल्हन, कॉन्फिडेंट दुल्हन एवं अट्रैक्टिव पर्सनालिटी जैसी श्रेणियों में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। दर्शकों के लिए करवाचौथ क्वीन, बेस्ट ड्रेसअप, बेस्ट पार्टिसिपेशन एवं बेस्ट मेकअप जैसी श्रेणियां भी रहेंगी।

कार्यक्रम में सेलिब्रिटी एंकर शीलू शर्मा, मुंबई से म्यूजिकल तंबोला कलाकार राहुल इंगले तथा मिमिक्री आर्टिस्ट महेश भनुशाली अपनी प्रस्तुतियों से मनोरंजन करेंगे। आयोजन को DTC JEWELS एवं अष्टविनायक रियल्टी का सहयोग प्राप्त है।

शुरुआती 100 महिलाओं के लिए विशेष रिटर्न गिफ्ट तथा लकी ड्रॉ में गोल्ड रिंग जीतने का अवसर भी रहेगा।

सुहिणी सोच संस्था की संस्थापक मनीषा तारवानी एवं अध्यक्ष पल्लवी चिमनानी के मार्गदर्शन में आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। आयोजक टीम में मनीषा तारवानी, पल्लवी चिमनानी, दीक्षा बुधवानी, रेणु कृष्णानी, करिश्मा कमलानी, विद्या गंगवानी, माही बुलानी, ज्योति बुधवानी, स्मृति पांडा, आरती मयानी, पूनम हिंदूजा, स्नेहा बुधवानी, दिव्या भोजसिया एवं हर्षा सिहानी शामिल हैं।

संस्था की ओर से सभी महिलाओं से इस उत्सव में शामिल होकर करवाचौथ की खुशियों, मनोरंजन एवं प्रतिभा के इस आयोजन का आनंद लेने की अपील की गई है।

अंगदान के प्रति जागरुकता बढ़ाने आईएलएस हॉस्पिटल आयोजित करेगा 'वॉकथॉन 2.0'

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। आईएलएम हॉस्पिटल के 26 वर्षों की सेवा यात्रा कुशल हॉक्टटों, समर्पित नर्सिंग स्टाफ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसी जीवन-संरक्षण की भावना को आगे बढ़ाते हुए आईएलएठा हॉस्पिटल, रायपुर द्वारा आईएलएस वॉकॉन 2.0' का आयोजन 25 अक्टूबर 2026 को सुबह 6 बजे मरीन ड्राइव, रायपुर में किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य अंगदान के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करना और जरूरतमंद मरीजों के जीवन में नई उम्मीद जगाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। वॉकॉन की थीम 'चलो साथ चलें, जीवन के लिए चलें' रखी गई है।

वॉकॉन के संबंध में 23 अक्टूबर 2026 को पचपेड़ी नाका स्थित आईएलएम हॉस्पिटल के छठे तल पट कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रेटा कॉन्फ्रेंस आयोजित की गड़ी इसमें आईएलएस हॉस्पिटल ग्रुप के ग्रुप सीओओ डॉ. विशाल गोयल, सीओओ डॉ. सौरभ चोरड़िया, टीनल साईस एवं टांसप्लांट फिजिशियन के क्लिनिकल लीड डॉ. प्रवाश चौधरी, यूटोलॉजिस्ट एवं ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. हर्ष जैन, कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. हनीश शर्मा तथा पेंक्रियाटिक सर्जी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. हितेश दुबे एवं इंचार्ज-क्रिटिकल केयर डॉ. अभिषेक सिंह उपस्थित रहे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में वॉकथॉन के उद्देश्यों, आयोजन की तैयारियों, प्रमुख गतिविधियों और सामुदायिक सहभागिता के महत्व पट जानकारी साझा की गई। इस अभियान के माध्यम से आम नागरिकों, विद्यार्थियों, स्वास्थ्यकर्मियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों को अंगदान के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है। अंगदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का अवसर प्रदान कर सकता है। हालांकि, जागरुकता की कमी और इससे जुड़ी भ्रांतियों के कारण कई लोग आज भी अंगदान के महत्व को पूरी तरह नहीं समझ पाते हैं। आईएलएस हॉस्पिटल की इस पहल का उद्देश्य इन भ्रांतियों को दूर करना, अंगदान से जुड़ी सही जानकारी का प्रसार करना और लोगों को अंगदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करना है।

'चलो साथ चलें, जीवन के लिए चलें' के संदेश के साथ आयोजित होने वाला आईएलएस वॉकथॉन 2.0 केवल एक जागरुकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन बचाने के साझा संकल्प का प्रतीक है। इस पहल के माध्यम से लोगों से अपील की जाएगी कि वे स्वयं अंगदान के प्रति जागरुक बने और अपने परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी इसके महत्व के बारे में बताएं। आईएलएस हॉस्पिटल और स्टार हॉस्पिटल के विशेषज्ञ टीम के अनुभवी डॉ. एम. श्रीनिवास रेड्डी एवं डॉ. एस. रघुराम रेड्डी के नेतृत्व में यह संयुक्त पहल अंगदान के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को इस जीवनदायी अभियान से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पति को देवता, विवाह को सात जन्मों का रिश्ता मानने वाला ये देश, फिर क्यों शादी से बच रहीं यहां की लड़कियां



भारत की महिलाएं शादी नहीं करना चाहती हैं. हाल ही में एक सर्वे में एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है, जो इस बात की पुष्टि करत है, कि अब शादी महिलाओं की प्रायॉरिटी लिस्ट में बहुत नीचे जा चुका है. लेकिन ये बात उन लोगों के लिए चौंकाने वाली हैं, जिन्होंने इंडियन मैरिज सिस्टम को दूर से देखा है, जिसमें उसकी कमियां नहीं दिखाई देती है. यदि आप भी इसमें से एक हैं, तो चलिए यहां समझते हैं, किन कारणों से आज के समय की महिलाएं शादी से बच रही हैं.

भारत एक संस्कृति और परंपराओं वाला देश माना जाता है. यहां परिवार और रिश्ते सबसे ऊपर रखें जाते हैं. इतना ही नहीं इस देश में महिलाओं को घर इज्जत माना जाता है, पति को देवता और विवाह को सात जन्मों का रिश्ता. सुनने में ये सारी बाते बहुत ही दिलचस्प और भावनाओं से भरी लगती है. लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है, जहां महिलाएं घर की इज्जत के नाम पर बंधनों में बांधी जाती है, दबायी जाती है, चार दीवारों और घुंघट में छिपने के लिए मजबूर की जाती हैं.

हालांकि अब कई जगहों पर महिलाएं अपनी शर्तों पर जी रही हैं. लेकिन आज भी ऐसे कई इलाके और घर हैं, जहां महिलाओं को अपनी मर्जी से पहनने, रहने का आजादी नहीं हैं. वो या तो एक पुरुष की बेटी के रूप में पहचानी जाती है, तो किसी की बहन या पत्नी उसका खुद का कोई वजूद नहीं होता है. ऐसे में यदि किसी सर्वे में ऐसे आंकड़े सामने आए जिसमें ज्यादातर महिलाएं शादी नहीं करना चाहती है, तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है.

क्या है सर्वे?

नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अविवाहित महिलाओं का प्रतिशत 2011 में 13.5% से बढ़कर 2021 में 19.9% ??हो गया है. इसका मतलब ये नहीं है कि इन सभी महिलाओं ने जानबूझकर शादी न करने का फैसला किया है. लेकिन ये एक स्पष्ट बदलाव की ओर इशारा करता है कि कई महिलाओं के लिए शादी अब उसी रफ्तार या उसी उम्र में नहीं हो रही है, जैसी पहले होती थी.

क्यों महिलाएं शादी नहीं करना चाहती हैं?

सारे रीति-रिवाज, रिश्तों को संभालने की जिम्मेदारी सिर्फ महिलाओं पर ही थोपी गयी है. एक अच्छी बहू का टैग उसी महिला को मिलता है, जो शादी के बाद अपना पूरा जीवन अपने पति और परिवार के नाम कर देती है. ऐसे में जब महिलाओं के पास खुद की पहचान बनाने का मौका है, तो ये सवाल ही नहीं उठता है कि वो शादी करके गुमनामी की जिंदगी जिए.

पुरुषों ने हमेशा महिलाओं पर पैसे कमाने और घर के खर्च को संभालने का रौब दिखाया है. ऐसे में जब महिलाओं ने पैसे कमाना शुरू किया तो उनके पास शादी करके किसी पर निर्भर रहने और उसकी चार बातें सुनने का कोई प्रेशर नहीं बच गया.

वहीं, कुछ जिन महिलाओं में अपने आसपास की महिलाओं को शादी के बाद आए बदलावों में पीसते देखा है, मां बनने और बच्चे को संभालने के दर्द से गुजरते देखा है, उन्हें ऐसा लगता है कि शादी के बाद आजादी नहीं बच जाती है।

जब भी हो कुछ गर्म पीने का मन, 4 चीजों से बनाएं लहसुन का सूप, स्वाद में भी लाजवाब



लहसुन, घी या तेल, पानी और नमक से घर पर आसानी से गर्म सूप बनाया जा सकता है. लहसुन को धीमी आंच पर पकाने से उसका स्वाद बेहतर होता है. इसे अपनी पसंद के अनुसार हल्का मैश करके या ब्लेंड करके परोसें, अगर लहसुन से एसिडिटी होती है, तो इसे कम मात्रा में खाएं.

ठंड के मौसम में या जब कुछ हल्का और गर्म खाने का मन हो, तो लहसुन का सूप अच्छा विकल्प हो सकता है. इसे बनाने के लिए ज्यादा सामग्री या लंबे समय तक किचन में खड़े रहने की जरूरत नहीं है. लहसुन, घी या तेल, पानी और नमक से तैयार होने वाला यह सूप स्वाद में हल्का और खुशबूदार होता है. लहसुन को धीमी आंच पर पकाने से उसका तीखापन कम हो जाता है और स्वाद थोड़ा मीठा हो जाता है.

इसे घर पर बनाना आसान है और इसके लिए किसी खास कुकिंग स्किल की भी जरूरत नहीं है. आइए जानते हैं चार चीजों से लहसुन का सूप बनाने का आसान तरीका.

लहसुन का सूप बनाने के लिए सामग्री

दो लोगों के लिए सूप बनाने में आपको इन चीजों की जरूरत होगी.

1. लहसुन की 15-20 कलियां
2. डेढ़ चम्मच घी या जैतून का तेल
3. 3-4 कप पानी
4. स्वादानुसार नमक

लहसुन का सूप बनाने का तरीका

1. लहसुन छीलकर तैयार करें

सबसे पहले लहसुन की कलियों को छील लें, अगर कलियां बड़ी हैं, तो उन्हें लंबाई में दो टुकड़ों में काट सकते हैं. लहसुन के बीच में हरा अंकुर दिखाई दे, तो उसे निकाल दें. इससे सूप का स्वाद बेहतर रखने में मदद मिल सकती है. लहसुन को बहुत बारीक काटने की जरूरत नहीं है.

2. घी या तेल में लहसुन पकाएं

अब एक बर्तन में घी या तेल डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. इसमें लहसुन की कलियां डालें और करीब 8-10 मिनट तक धीरे-धीरे पकाएं. बीच-बीच में चम्मच से चलाते रहें, ताकि लहसुन बर्तन में चिपके नहीं. ध्यान रखें कि लहसुन को भूरा या ज्यादा सुनहरा नहीं करना है. ज्यादा पकने पर इसका स्वाद कड़वा हो सकता है. जब कलियां नरम होने लगें और अच्छी खुशबू आने लगे, तो अगला स्टेप पूरा करने के लिए तैयार हैं.

3. पानी डालकर सूप उबालें

अब बर्तन में 3-4 कप पानी और स्वादानुसार नमक डालें. इसे उबाल आने तक पकाएं. इसके बाद आंच धीमी कर दें और बर्तन को थोड़ा ढककर करीब 15-20 मिनट तक पकने दें. जब लहसुन की कलियां आसानी से दबने लगें, तो समझें कि सूप तैयार होने के करीब है।

शहद, अदरक और तुलसी का कमाल, खांसी-जुकाम में दादी-नानी के ये नुस्खे आएंगे काम



मौसम बदलते ही खांसी और जुकाम की समस्या आम हो जाती है. गले में खराश, नाक बंद होना, छींकें आना और शरीर में थकान महसूस होना इसके सामान्य लक्षण हैं. ऐसे में दादी-नानी के बताए कुछ घरेलू नुस्खे काफी राहत पहुंचा सकते हैं. ये उपाय आसानी से घर में उपलब्ध चीजों से किए जा सकते हैं और शरीर को प्राकृतिक रूप से आराम देने में मदद करते हैं.

शहद और अदरक का सेवन

अदरक में मौजूद गुण गले की खराश को कम करने में मदद करते हैं. एक चम्मच अदरक के रस में एक चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो से तीन बार सेवन करें. इससे खांसी में राहत मिल सकती है और गले को आराम मिलता है.

तुलसी और काली मिर्च की चाय

तुलसी के पत्ते और काली मिर्च का काढ़ा या चाय सर्दी-जुकाम में काफी फायदेमंद माना जाता है. एक कप पानी में 5-6 तुलसी की पत्तियां और 3-4 काली मिर्च उबालें. चाहें तो थोड़ा गुड़ भी मिला सकते है. यह शरीर को गर्माहट देता है और बंद नाक खोलने में मदद करता है.

हल्दी को प्राकृतिक एंटीसेप्टिक माना जाता है. रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पीने से गले की खराश और खांसी में आराम मिल सकता है. यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाने में सहायक माना जाता है।

शमोंडा वायरस क्या है? इंसानों के बीच पहुंचा एक नया खतरा, पहला केस आने पर जानें डब्लूएचओ ने क्या कहा



कोरोना वायरस से मची तबाही के बाद लगातार कई नए वायरस इंसानों पर खतरा बनकर एक के बाद एक हावी हो रहे हैं. हाल ही में शमोंडा वायरस का पहला मामला सामने आया है. ये वायरस क्या है, कैसे फैलता है और कितना खतरनाक हो सकता है, चलिए इस लेख में जानते हैं.

दुनिया में जानवरों से इंसानों में फैलने वाली बीमारियों को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है. फ्रांस में शमोंडा वायरस से इंसान के संक्रमित होने का पहला मामला सामने आया है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ब्लू॥ह्) ने 20 अक्टूबर 2026 को फ्रांस की ओर से इस मामले की जानकारी मिलने की पुष्टि की है. अब तक इस वायरस को मुख्य रूप से जानवरों को प्रभावित करने वाला संक्रमण माना जाता था.

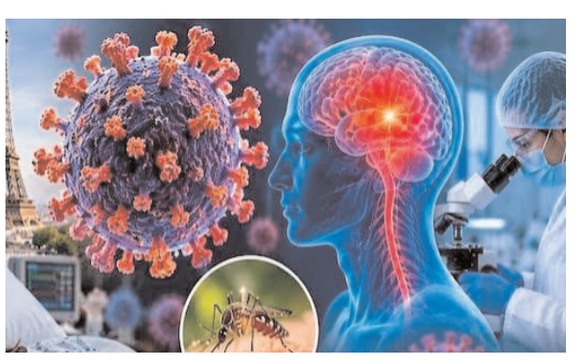
ऐसे में इंसान में संक्रमण का मामला सामने आना अपने आप में एक चिंता का विषय है. फिलहाल ये एक अकेला मामला बताया गया है और संक्रमण कैसे फैला, इसकी जांच की जा रही है. ड्ब्लू॥ह् और फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं. हालांकि, इस एक मामले से बड़े स्तर पर संक्रमण फैलने का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता, लेकिन वायरस के इंसानों तक पहुंचने के तरीके को समझना जरूरी है.

क्या है शमोंडा वायरस?

शमोंडा वायरस एक ऐसा वायरस है, जो मुख्य रूप से जानवरों को संक्रमित करता है. अब तक इसके संक्रमण के मामले मवेशियों, भेड़ों, बकरियों और घोड़ों जैसे पशुओं में सामने आते रहे हैं. फ्रांस में इंसान के संक्रमित होने का मामला सामने आने के बाद इस वायरस को लेकर निगरानी बढ़ा दी गई है.

मिजेस के काटने से फैलता है वायरस

शमोंडा वायरस के जानवरों के बीच फैलने का एक प्रमुख माध्यम छोटी मक्खियां हैं, जिन्हें मिजेस कहा जाता है. ये संक्रमित जानवरों को काटने के बाद दूसरे जानवरों तक वायरस पहुंचाती हैं. ये वायरस आमतौर पर सीधे एक जानवर से दूसरे जानवर में नहीं फैलता है. हालांकि, गर्भावस्था के दौरान संक्रमित जानवर से उसके गर्भ में पल रहे बच्चे तक वायरस पहुंचने की आशंका हो सकती है।



तड़के से गार्निशिंग तक रोज हरी धनिया यूज करते हैं? जानें सिर्फ 5 स्टेप में घर पर ताजी धनिया उगाने का तरीका



पुलाव से लेकर दाल, सब्जी और सलाद तक हरी धनिया की ताजगी स्वाद को दोगुना बढ़ा देती है. ताजी हरी धनिया बोरिंग खाने को भी सुगंध और स्वाद से भरने का काम करती है. लेकिन रोज ताजी धनिया बाजार से लाना मुश्किल है, ऐसे में इसे घर पर उगाना एक अच्छा विकल्प होता है. यदि आप रोजाना कुकिंग में फ्रेश धनिया के पत्तों का इस्तेमाल करते हैं, तो यहां जानिए 5 सिंपल स्टेप्स में इसे उगाने का तरीका.

सर्दियों का मौसम घर में हरी साग-सब्जियों को उगाने के लिए सबसे अच्छा समय होता है.ऐसे में अगर आपको भी हर दिन ताजी धनिया की जरूरत पड़ती है, तो इसे बाजार से खरीदने के बजाय घर पर ही उगाएं. घर की बालकनी, छत या छोटी-सी किचन गार्डन में भी धनिया का पौधा आसानी से लगाया जा सकता है.

दाल में तड़का लगाना हो, सब्जी का स्वाद बढ़ाना हो या फिर चटनी बनानी हो, ताजी धनिया हर व्यंजन का जायका बढ़ा देती है. इतना ही नहीं, इसकी हरी पत्तियां खाने को देखने में भी आकर्षक बनाती हैं. ऐसे में सर्दी का मौसम एक ऐसा मौका है जब आप इसे घर ही उगाकर यूज कर सकते हैं. आइए जानते हैं घर पर हरी धनिया उगाने के 5 आसान स्टेप्स.

स्टेप1- घर पर धनिया उगाने के लिए सबसे पहले अच्छे बीज चुनना जरूरी है. इसके लिए आप नर्सरी से धनिया के बीज खरीद सकते हैं या रसोई में मौजूद साबुत धनिया का इस्तेमाल कर सकते हैं. ध्यान रखें कि बीज साबुत हों और बहुत पुराने न हों।

ऋषिकेष को देख भावुक हुए आनंद महिंद्रा, याद आए पुराने दिन, तब और अब में जमीन-आसमान का फर्क, देखें ये 5 अनछुए ठिकाने



कल-कल करती मां गंगा की लहरें, ऊंचे पहाड़, दूर तक फैली हरियाली और सुरम्य वातावरण किसको अपनी कशिश में नहीं बांध लेगा. ऋषिकेष की यही खासियत है. सदियों से ऋषिकेष ऐसा ही है लेकिन अब इसकी सुंदरता में और ज्यादा पैनापन आ गई है. देश के दिग्गज उद्योगपति आनंद महिंद्रा इसी आकर्षण में ऐसे मंत्रमुग्ध हुए है कि वे तस्वीरों के माध्यम से अपनी भावुकता को छुपा नहीं सके. वक्त के साथ शहर बदलते हैं, लेकिन यादों की खुशबू कभी धुंधली नहीं होती. आनंद महिंद्रा ने इसी को अपनी यादों की दुनिया में उतारा है. उन्होंने आधुनिक ऋषिकेश और दशकों पहले के शांत, सुरम्य ऋषिकेश के बीच के फर्क को बयां किया है. अगर आप आज के ऋषिकेष में जाएं तो आपको क्या देखना चाहिए, आइए इस अनमोल खजाने की दीदार करते हैं.

आनंद महिंद्रा इन तस्वीरों को देखकर भावुक हो गए और उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर यह पोस्ट लिखी जो इस प्रकार है- इन तस्वीरों को देखकर मुझे ऋषिकेष में बिताए अपने पुराने दिन याद आ गए. तब मैं रिसर्च के लिए फिल्म मैकिंग कर रहा था. जब मैं अपनी थीसिस के लिए फिल्म बना रहा था, तब 'चोटीवाला रेस्टोरेंट' लगभग मेरी कैंटीन जैसा ही था. मैं अक्सर साधु बानखंडी बाबा पर शूटिंग करने के लिए स्वर्गाश्रम के पीछे पहाड़ियों पर जाता था. काफी समय से वापस नहीं गया हूं. लेकिन ऋषिकेश में काफी बदलाव और नयापन देखने को मिल रहा है! नदी के किनारे नए रिवर फ्रंट बन गए हैं जहां आप पैदल चल सकते हैं. रास्ते और संवरे हुए और सार्वजनिक स्थान बेहतरीन दिख रहे हैं. एक ऐसे शहर के लिए यह एक अच्छा और नया रूप है, जहां प्रकृति ने हमेशा से सबसे ज्यादा खूबसूरती बिखेरी है. लेकिन मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि इन सभी बदलावों के बीच, ऋषिकेश अपनी आत्मा अपनी मूल पहचान को बनाए रखे. समय आ गया है कि ऋषिकेष वापस जाऊँ और खुद जाकर देखूं

आज जहां एक तरफ ऋषिकेश आज कैफे कल्चर, राफ्टिंग और भीड़भाड़ का केंद्र बन चुका है, वहीं आनंद महिंद्रा की ये बातें हमें उस दौर में ले जाता है जब गंगा की कल-कल ध्वनि हर कोने में साफ सुनाई देती थी. अगर आप भी भीड़-भाड़ से दूर उसी पुराने शांत ऋषिकेश को महसूस करना चाहते हैं, तो हम आपको ले चलते हैं ऋषिकेश के उन 7 अनछुए और छिपे हुए खजानों की सैर पर, जहां आज भी कुदरत का असली सुकून बसता है.

तपोवन का नया रिवरफ्रंट बोर्डवॉक : ऋषिकेष में गंगा किनारे कई जगह रिवर फ्रंट बना दिया दिया गया है. तपोवन सदियों से पर्यटकों का केंद्र रहा है. यहां आधुनिक रिवरफ्रंट वॉकवे ने इस पारंपरिक घाट क्षेत्र को एक नया रूप दे दिया है. यहां एक तरफ गंगा जी की बहती निर्मल धारा, गंगा आरती की मधुर ध्वनियां और मंदिरों का शांत वातावरण मन को सुकून देता है, तो दूसरी तरफ साफ-सुथरे पैदल रास्ते, व्यवस्थित बैठने की जगहें और रोशनी का आधुनिक इंतजाम इसे बेहद आकर्षक बनाते हैं. शाम के समय यहां टहलना पुरानी आध्यात्मिक शांति और नए दौर के सुव्यवस्थित इंफ्रास्ट्रक्चर का एक अद्भुत अहसास कराता है

स्वर्गाश्रम और राम झूला का आसपास का इलाका : स्वर्गाश्रम आधुनिक समय का सबसे बड़ा केंद्र रहा है. अब इसमें और निखार आ गया है. स्वर्गाश्रम ऋषिकेश का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दिल माना जाता है. गीता भवन और परमार्थ निकेतन जैसे पुराने आश्रमों के कारण यहां की हवा में एक गहरा आध्यात्मिक ठहराव और शांति है।



माधुरी दीक्षित निकलीं 'लॉली' की बड़ी फैन, दोहराया लॉली का डायलॉग



विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित क्विज शो 'कोण होणार करोडपती' के आगामी एपिसोड में 'महाराष्ट्राची हास्यजत्रा' की कास्ट गेस्ट के तौर पर नजर आएंगी। शो की कास्ट के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि वह एक्ट्रेस नम्रता संभेराव के मशहूर किरदार लॉली की फैन हैं। क्विज शो 'कोण होणार करोडपती' के आगामी एपिसोड में, कास्ट के साथ बातचीत में अभिनेत्री ने न सिर्फ लॉली के किरदार को याद किया, बल्कि उसके



डायलॉग को भी दोहराया।

अभिनेत्री कहती हैं, 'मुझे लॉली का किरदार बहुत पसंद है।'

अभिनेत्री की बात सुनकर नम्रता संभेराव काफी उत्साहित नजर आईं और उन्होंने अभिनेत्री से पूछा कि क्या उन्होंने उनका किरदार देखा है, तो माधुरी ने हां कहा और लॉली के डेंटिस्ट वाले स्किट को याद किया।

बता दें कि नम्रता द्वारा निभाया गया लॉली का किरदार 'महाराष्ट्राची हास्यजत्रा' के मशहूर और पसंदीदा कॉमिक किरदारों में से एक है। अपनी अनोखी शैली और बेहतरीन डायलॉग डिलीवरी के कारण यह किरदार महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश के दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय है।

इस किरदार का सबसे लोकप्रिय संवाद, 'मेरी आंखों में मत देखो, प्यार हो जाएगा' बहुत पॉपुलर है। जब भी मंच पर कोई पुरुष कलाकार उनसे बात करने की कोशिश करता है, तो वह इसी चुलबुले और मजाकिया अंदाज में जवाब देती हैं। इसके अलावा, उनकी एक अन्य पंचलाइन 'लॉली गार होत नसते, बिकॉज लॉली इज हॉट' भी दर्शकों के बीच काफी वायरल है।

लॉली का गेटअप बेहद अनोखा और फनी होता है। वह बड़े-बड़े रंग-बिरंगे गहने, सिर पर एक बहुत ऊंचा जूड़ा (हैशटैग हेयरस्टाइल) और उस पर बड़ा सा फूल लगाए नजर आती हैं। उनकी चमकीली साड़ियां और आंखों के अनोखे एक्सप्रेशंस उनके लुक को और भी ज्यादा मजेदार बनाते हैं।

अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और अद्भुत अभिनय क्षमता की बदौलत नम्रता संभेराव ने लॉली के रूप में दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। इस किरदार की दीवानगी आम जनता के साथ-साथ बॉलीवुड और टीवी के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है।

काजी तौकीर के सपोर्ट में उतरीं सारा आफरीन खान, कहा- शो में चल रहा है उनके खिलाफ गेम



विश्व केसरी ■

मुंबई। रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में तीखी बहस और विवाद देखने को मिला। शो के दौरान आसिफ खान ने काजी तौकीर पर हार्ट अटैक जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर वह काफी नाराज नजर आए। आसिफ की तीखी प्रतिक्रिया पर टीवी होस्ट और अभिनेत्री सारा आफरीन खान ने भी आपत्ति जताई।

दरअसल, यह विवाद हालिया एपिसोड के प्रसारण के बाद चर्चा में आया। एपिसोड में एक बातचीत या टास्क के दौरान काजी तौकीर ने मजाकिया अंदाज में कहा था, 'मुझे दिल का दौरा पड़ रहा है।'

बताया जाता है कि आसिफ खान पहले हृदय संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर चुके हैं। ऐसे में उन्होंने काजी की टिप्पणी को व्यक्तिगत रूप से लिया और इसे अपनी बीमारी का मजाक समझा। हालांकि, काजी ने बार-बार स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य आसिफ या उनकी स्वास्थ्य स्थिति का उपहास करना नहीं था। उन्होंने अपनी बात के लिए कई बार माफी भी मांगी। इसके बावजूद दोनों के बीच तनाव बना रहा और आसिफ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। बहस के दौरान उन्होंने काजी के प्रति कड़ी टिप्पणियां भी कीं।

अब इस मामले पर सारा आफरीन खान का कहना है कि काजी तौकीर को शो में बहुत ज्यादा टारगेट और अटैक किया जा रहा है। सारा ने यह भी कहा कि अच्छे और सीधे लोगों पर हमेशा ऐसे हमले होते रहते हैं और यह जिंदगी का एक हिस्सा है।

सारा आफरीन खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि 'बिग बॉस 20' के अंदर काजी के खिलाफ गेम चल रहा है और घर के सदस्य आसानी से उन्हें निशाना बना रहे हैं।

वीडियो में वह कहती हैं, 'शो में दिखाया गया है कि काजी किसी बात पर मस्ती-मजाक में कह रहे हैं, कि उन्हें दिल का दौरा पड़ जाएगा। उन्हें आसिफ की स्वास्थ्य समस्या के बारे में पता भी नहीं था। मैं मानती हूं कि यह किसी भी व्यक्ति की हेल्थ कंडीशन के लिए बहुत सीरियस बात है, लेकिन कभी-कभी हम मस्ती मजाक में ऐसी बातें बोल देते हैं।

रसिका दुग्गल ने की बच्चों के लिए फिल्में बनाने की अपील, कहा- उनकी जिज्ञासा को अपनाना जरूरी

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल का कहना है कि 'लिटिल थॉमस' जैसी फिल्में बच्चों के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ऐसी कहानियां उन्हें अपने अनुभवों और भावनाओं से जोड़ने का अवसर देती हैं। फिल्म में वह जेसी मिरांडा के किरदार में नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री का कहना है कि इस तरह की कहानी बच्चों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सवाल पूछने, कल्पना करने और अपने आसपास की दुनिया को समझने पर आजादी देंगी। उन्होंने कहा, 'सिनेमा आपकी दुनिया को बड़ा करने और कल्पना को बढ़ावा देने का एक शानदार तरीका है। बड़े होने पर हमारे मन में जो कई विचार आते हैं, उनका कनेक्शन अक्सर बचपन में देखी गई फिल्मों से होता है।'

बच्चों के लिए अच्छी फिल्मों की जरूरत पर बात करते हुए रसिका ने कहा, 'इसलिए हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनसे बच्चे खुद को जोड़ सकें। ऐसी फिल्में उनकी जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे अपनाएं।'

रसिका ने कहा कि बच्चों के लिए फिल्में बिना हल्की-फुल्की हुए भी मनोरंजक हो सकती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, 'इस तरह की फिल्में भी बच्चों का मनोरंजन कर सकती हैं। मैं चाहूंगी कि ज्यादा से ज्यादा फिल्ममेकर ऐसी कहानियों को एक्सप्लोर करें जिन्हें बच्चे एन्जॉय कर सकें और जो उनकी कल्पना के लिए नई संभावनाएं खोलें। कौशल ओझा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1990 के दशक के गोवा में सात साल के थॉमस और उसके परिवार के जीवन के उतार-चढ़ाव को दिखाती है, जो मालगुडी डेज और रस्किन बॉन्ड की कहानियों की याद दिलाती है।

मलाइका के जन्मदिन पर अमृता ने ली चुटकी, बोलीं- नाम देवदूतों वाला, लेकिन असली शैतान को मैं जानती हूं

विश्व केसरी ■



मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा शुक्रवार को 53वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास दिन पर उनकी छोटी बहन अमृता अरोड़ा ने अलग अंदाज में बधाई दी। उन्होंने मलाइका के लिए एक कविता लिखी, जिसमें प्यार के साथ-साथ उनकी जमकर खिंचाई भी की। अमृता की इस कविता पर मलाइका ने प्यार लुटाया, तो वहीं करीना कपूर खान भी उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सकीं।

अमृता ने इंस्टाग्राम पर मलाइका की फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में प्यारी सी कविता लिखी और उनके साथ अपने पुराने दिनों की यादों को ताजा किया।

अमृता ने लिखा, ''मल्ला (मलाइका), मेरी बहन, जिसका अंदाज सबसे अलग है। हमें क्या पहनना है, किसकी पसंद अच्छी है और किसकी बात मानी जाए, इन बातों पर घंटों बहस होती थी, लेकिन कोई हल नहीं निकलता था। फिर भी, हर मुश्किल में हम हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहे। हमने खूब बहस देखी, कई बार आंसू भी बहाए, लेकिन इन सबने हमें साल-दर-साल और करीब ला दिया।''

अमृता ने आगे मलाइका की खिंचाई करते हुए लिखा, ''मलाइका के नाम का मतलब देवदूत है, इसलिए आप बाकी सबको बेवकूफ बना सकती हो, लेकिन मुझे नहीं। मैं उस असली शैतान को जानती हूं, जो आपके अंदर छिपा बैठा है। उफ्फ! आखिरकार मैंने तुमसे किया कविता लिखने का वादा पूरा कर दिया। अच्छा, अब जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी बहन। तुमसे बहुत प्यार है।''

बहन अमृता की कविता पढ़कर मलाइका ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कमेंट में लिखा, ''आखिरकार मुझे अपनी कविता मिल ही गई।'' इसके साथ उन्होंने लव इमोजी भी शेयर किए।

वहीं करीना कपूर खान ने भी अमृता की तारीफ करते हुए मजेदार कमेंट किया। करीना ने लिखा, 'अमृता जी, तालियां बनती हैं। बहुत अच्छा।' इसके बाद उन्होंने अमृता से तुरंत व्हाट्सऐप मैसेज भेजने को कहा और कमेंट में लिखा, ''अब मुझे व्हाट्सऐप पर मैसेज भेजो।''

इनके अलावा, एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने भी कमेंट में 'लव हार्ट' भेजा।

मनोज बाजपेयी को बचपन से अपना आदर्श मानते हैं अक्षय ओबेरॉय, बोले- उनसे प्रेरित होकर लिए करियर के फैसले



विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता अक्षय ओबेरॉय जल्द ही फिल्म 'गजब रात' में अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय अपने अभिनय का एक अलग अंदाज दिखाने के लिए तैयार हैं। वह इस बार ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जिसमें अच्छाई के साथ बुराई के रंग भी देखने को मिलेंगे।

अक्षय ने बताया कि मनोज बाजपेयी ऐसे कलाकार हैं, जिनसे वह बचपन से प्रभावित रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनोज जैसे कलाकारों को देखकर ही उन्होंने अपने करियर से जुड़े कई फैसले लिए हैं।

मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए अक्षय ने कहा, ''मनोज बाजपेयी बचपन से ही मेरे लिए आदर्श रहे हैं। मैं उनकी परफॉर्मेंस देखते हुए बड़ा हुआ हूं, और कई मायनों में, मैंने अपने करियर के फैसले उनके जैसे एक्टर्स को देखकर लिए हैं, जिन्होंने हमेशा तय रास्ते पर चलने के बजाय अच्छी कहानियों और दमदार किरदारों को चुना। ऐसे कलाकार अपने काम को बोलने देते हैं और किसी दिखावे पर निर्भर नहीं रहते।''

अक्षय ने आगे कहा, ''मनोज बाजपेयी ने कलाकारों को सिखाया है कि एक अच्छा और यादगार करियर बनाने के लिए हमेशा तय रास्ते पर चलना जरूरी नहीं है। इसके बजाय, अपने चुने हुए किरदारों और उन कहानियों पर भरोसा करना जरूरी है, जिन्हें आप दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं। मेरा मानना है कि एक कलाकार के तौर पर आप ऐसे लोगों से प्रेरणा लेते हैं, जो यह भरोसा दिलाते हैं कि अभिनय की दुनिया में सिर्फ पर्दे पर नजर आने से कहीं ज्यादा है।''

मनोज बाजपेयी के साथ पर्दा साझा करने को अक्षय ने अपने लिए बेहद खास अनुभव बताया। उन्होंने कहा, ''जिस कलाकार के काम ने आपके सफर को प्रभावित किया हो, उसके साथ काम करना एक तरफ आपको विनम्र बनाता है, तो दूसरी तरफ उत्साहित भी करता है। मनोज बाजपेयी अपने अभिनय में गहराई, सच्चाई और अप्रत्याशित अंदाज लेकर आते हैं। यही वजह है कि उनके साथ फिल्माया गया हर सीन और दिलचस्प बन जाता है।''

अक्षय ने बताया कि 'गजब रात' में मनोज बाजपेयी के साथ उनका आमना-सामना करने वाला सीन उनके लिए खुद को चुनौती देने का मौका था। इस सीन के दौरान उन्हें अपने अभिनय में एक अलग ऊर्जा लाने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यह ऐसा अनुभव है, जिसे वह एक अभिनेता और मनोज के लंबे समय से प्रशंसक होने के नाते हमेशा याद रखेंगे।

स्टॉकहोम में स्टीवी वंडर का जादू देख भावुक हुए अनुपम खेर, बैकस्टेज मुलाकात को बताया अविस्मरणीय

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता अनुपम खेर हाल ही में स्टॉकहोम में सिंगर स्टीवी वंडर का परफॉर्मेंस देखने गए थे। इसके साथ ही, उन्होंने गायक से बैकस्टेज मुलाकात भी की थी। अभिनेता ने इस मुलाकात को अविस्मरणीय बताया।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने हाल ही में 'वंडर्स ऑफ वंडर्स - एन इवनिंग विद स्टीवी वंडर' का कॉन्सर्ट अटेंड किया था। उन्होंने अपनी इस पोस्ट के जरिए कहा कि गायक ने अपने सुरों से एरिना को जादू से भर दिया था।

अभिनेता ने लिखा, 'कल शाम स्टॉकहोम में क्या ही शानदार शाम थी। एक के बाद एक गाना और स्टीवी वंडर के हर सुर के साथ पूरा एरिना जादू से भर गया। मुझे नहीं लगता कि मैं बता पाऊंगा कि उन्हें इतने करीब से परफॉर्म करते हुए देखना कैसा लगा।'



अभिनेता ने आगे बताया कि म्यूजिक, लय, हाव-भाव और परफॉर्मेंस की बारीकियों ने इसे एक यादगार अनुभव बना दिया। म्यूजिक लेजेंड से बैकस्टेज मिलने के पल को याद करते हुए अनुपम ने कहा कि वह सिर्फ एक दिग्गज सिंगर से नहीं, बल्कि एक नेकदिल इंसान से मिले, जिनकी दयालुता और गर्मजोशी ने उन पर गहरी छाप छोड़ी।

अनुपम ने यह भी बताया कि एक एक्टर के तौर पर स्टीवी वंडर ने जिस तरह उनकी तारीफ की, उससे वह काफी भावुक हो गए। अभिनेता ने लिखा, 'जिस तरह से उन्होंने एक एक्टर के तौर पर मेरी तारीफ की, वह दिल को छू लेने वाला था। मैं वहां से आभारी और विनम्र महसूस करते हुए निकला और यह याद करते हुए कि सच्ची महानता में एक नरमी होती है। स्टारडम आता-जाता रहता है, लेकिन दयालुता और शालीनता हमेशा साथ रहती है।'

इस अनुभव को अविस्मरणीय बताते हुए अनुपम ने लिखा, 'अपने दोस्त ब्रायन लारोडा (स्टीवी के मैनेजर) का दिल से शुक्रिया। उन्होंने न सिर्फ हमारे लिए शानदार सीटों का इंतजाम किया, बल्कि अविस्मरणीय मुलाकात को मुमकिन भी बनाया।

जर्मन कंपनियों के लिए भारत में निवेश, विनिर्माण और नवाचार के बड़े अवसर: पीयूष गोयल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में कई प्रमुख उद्योगपतियों और कारोबारी नेताओं के साथ बैठकों के दौरान कहा कि भारत जर्मन कंपनियों के लिए निवेश, विनिर्माण और नवाचार के क्षेत्र में अपार अवसर प्रदान करता है। उन्होंने जोर दिया कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के पास विश्वास, प्रतिस्पर्धात्मकता और एक-दूसरे की पूरक क्षमताओं पर आधारित एक मजबूत आर्थिक साझेदारी बनाने का सुनहरा अवसर है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने फ्रेसेनियस ग्रुप के सीईओ माइकल सेन के साथ भी बैठक की। दोनों पक्षों ने भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र, गुणवत्तापूर्ण और किफायती चिकित्सा सेवाओं की मांग तथा मजबूत विनिर्माण क्षमता का लाभ उठाकर सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की।

गोयल ने कहा कि भारत की कुशल प्रतिभा और विश्वस्तरीय उत्पादन क्षमता का उपयोग कर जर्मन कंपनियां न केवल भारतीय बल्कि वैश्विक बाजारों की जरूरतों को भी पूरा कर सकती हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा, 'फ्रेसेनियस ग्रुप के सीईओ श्री माइकल सेन के साथ एक सार्थक बैठक हुई। भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र, गुणवत्तापूर्ण और किफायती चिकित्सा समाधानों की बढ़ती मांग और मजबूत विनिर्माण क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने के अवसरों पर चर्चा की गई। यह भी पता लगाया गया कि कंपनी अपने कुशल कर्मचारियों और विश्व स्तरीय उत्पादन क्षमताओं का उपयोग करके घरेलू और वैश्विक बाजारों को कैसे सेवाएं प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, उनकी स्टीफन ओएलरिख, जो बेयर के फार्मास्यूटिकल्स डिवीजन के अध्यक्ष हैं, के साथ सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान भारत में बेयर की विस्तार योजनाओं और देश के तेजी से विकसित हो रहे स्वास्थ्य क्षेत्र में अधिक निवेश, नवाचार और सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

इसके साथ ही, केंद्रीय मंत्री ने बर्लिन में नॉफ ग्रुप के ग्लोबल जनरल पार्टनर मुरात अकयिलदिज के साथ भी बैठक की, जिसमें भारत में कंपनी के बढ़ते विनिर्माण विस्तार, टिकाऊ निर्माण सामग्री और बुनियादी ढांचा विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

राष्ट्रपति एर्दोगन और पीएम कार्नी की मुलाकात, तुर्की और कनाडा के बीच रणनीतिक साझेदारी पर बनी सहमति

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने तुर्की की पहली आधिकारिक यात्रा के दौरान राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से भेंट की। इस दौरान ऊर्जा, व्यापार, परिवहन और रक्षा उद्योग समेत कई क्षेत्रों पर चर्चा हुई।

राष्ट्रपति एर्दोगन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके मुलाकात की जानकारी साझा की। एर्दोगन ने पोस्ट में लिखा, ''मेरे प्रिय मित्र, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की ऐतिहासिक महत्व की यात्रा के अवसर पर तुर्की में उनकी मेजबानी करके मुझे बेहद खुशी हुई।''

राष्ट्रपति एर्दोगन ने बताया कि पीएम कार्नी की महत्वपूर्ण यात्रा में हमने तुर्की और कनाडा के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत हम आने वाले समय में ऊर्जा, व्यापार, परिवहन और रक्षा उद्योग जैसे कई क्षेत्रों में नई परियोजनाएं शुरू करना चाहते हैं। साथ ही हमने व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए इस वर्ष के अंत से पहले फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत शुरू करने का भी निर्णय लिया है।

एर्दोगन ने कहा, ''हमारा लक्ष्य है कि वर्तमान में लगभग तीन अरब डॉलर के आसपास रहने वाले द्विपक्षीय व्यापार को पहले पांच अरब डॉलर और उसके बाद 10 अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए।''

उन्होंने कहा कि आज हमने तीसरे देशों में संयुक्त निवेश के अवसरों पर भी चर्चा की। हमारा मानना है कि अफ्रीका से लेकर लैटिन अमेरिका, मध्य एशिया से लेकर सुदूर पूर्व तक के व्यापक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं।

एर्दोगन ने बताया कि हम दोनों सहयोगी देश रक्षा उद्योग में साझेदारी के महत्व को अच्छी तरह समझते हैं। इसका उदाहरण हाल ही में अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान भी देखने को मिला था।

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान सीमा बंद होने से पाकिस्तान के दवा निर्यात में 30 फीसदी की गिरावट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। अफगानिस्तान के साथ व्यापार बाधित होने के कारण पाकिस्तान के दवा निर्यात में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में पाकिस्तान का फार्मास्युटिकल निर्यात 30.26 प्रतिशत घट गया, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में इसके मूल्य में 25.53 प्रतिशत की और गिरावट आई। पाकिस्तान के मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के मुताबिक, उद्योग जगत ने इस गिरावट के लिए अफगानिस्तान के साथ व्यापार बंद होने को प्रमुख कारण बताया है। पाकिस्तान के समाचार पत्र 'द न्यूज' की गुरुवार को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान लंबे समय से पाकिस्तान के दवा उद्योग के सबसे बड़े बाजारों में शामिल रहा है। सीमा बंद होने और व्यापारिक गतिविधियां बाधित होने से इस उद्योग को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (पीबीएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में पाकिस्तान का फार्मास्युटिकल निर्यात घटकर 31.90 करोड़ डॉलर रह गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 45.74 करोड़ डॉलर था। इस तरह निर्यात के मूल्य में 13.84 करोड़ डॉलर की कमी आई। निर्यात की मात्रा में भी गिरावट दर्ज की गई।

दिल्ली-मुंबई समेत 6 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, हवाला नेटवर्क का पर्दाफाश

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशों से भारी विदेशी मुद्रा मंगाने और फर्जी कंपनियां बनाने की जांच के सिलसिले में दिल्ली और मुंबई समेत कई ठिकानों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने बताया कि 'मेगा मिलेनियम' कंपनी और उसके निदेशक के खिलाफ कार्रवाई में हवाला नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने 'मेगा मिलेनियम' कंपनी के कार्यालयों, उसके निदेशक हरीश डेढ़िया से घर और फार्महाउस पर तलाशी अभियान चलाया है। अधिकारियों के अनुसार, मुंबई, दिल्ली और करजत (महाराष्ट्र) में लगभग आधा दर्जन ठिकानों पर यह कार्रवाई की जा रही है। मुंबई और दिल्ली में इसके निदेशक के आवास और महाराष्ट्र के करजत स्थित एक फार्महाउस पर तलाशी ली जा रही है। इस मामले में बिजनेसमैन हरीश डेढ़िया और उनकी पत्नी धारा डेढ़िया मुख्य आरोपी हैं। ये दोनों कंपनी के डायरेक्टर हैं। आरोप है कि दुबई और सिंगापुर की संदिग्ध कंपनियों से भारी विदेशी मुद्रा (फॉरेन एक्सचेंज) मंगवाई गई है। साथ ही, हरीश डेढ़िया ने अपने ही नौकरों और डमी लोगों को डायरेक्टर बनाकर फर्जी कंपनियां बनाईं। यह भी आरोप है कि कंपनी बनने के एक साल के अंदर ही सैकड़ों करोड़ रुपए, उनमें डाले गए और फिर शेल कंपनियों के जरिए लेयरिंग कर काले धन को सफेद किया गया। ईडी की कार्रवाई में अब तक कई करोड़ की विदेशी करेंसी, भारतीय कैश, कीमती ज्वेलरी और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि ईडी की यह कार्रवाई अभी जारी है।

लाल सागर नौका हमले की घटना में सभी 14 भारतीय सुरक्षित : भारतीय दूतावास

विश्व केसरी■



यमन। सऊदी अरब के लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में हमले की शिकार हुई एक नौका में सवार 14 भारतीय नागरिकों को सुरक्षत बचा लिया गया है। यमन में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यमन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सभी 14 भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और यमन में होदेदाह के आसपास मौजूद हैं। हम उनकी सलामती सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम करते रहेंगे।''

यमन के हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को दावा किया कि सऊदी अरब ने लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में जुकर द्वीप के पास 14 भारतीय नागरिकों को ले जा रही एक नौका को निशाना बनाया। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया के मुताबिक, यमन के सशस्त्र बल नौका पर सवार लोगों को बचाने के अभियान में जुटे।

सारेया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कहा, 'शुरुआती जानकारी के अनुसार, सऊदी अरब ने जुकर द्वीप के पास भारतीय नागरिकों को ले जा रही नौका को निशाना बनाया। यमन के सशस्त्र बल बचाव अभियान चला रहे हैं।'

यह घटनाक्रम सऊदी अरब में दम्माम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार रात हुए हमले के एक दिन बाद सामने आया है। भारतीय दूतावास ने गुरुवार को बताया कि इस हमले में मारे गए दो लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था, जबकि दो अन्य भारतीय नागरिक घायल हुए हैं।

दूतावास ने एक्स पोस्ट में कहा, 'सऊदी अधिकारियों ने हमले में भारतीय नागरिक की मौत और दो अन्य भारतीयों के घायल होने की जानकारी दी है। हम घटना से जुड़ी अधिक जानकारी जुटा रहे हैं और पीड़ित परिवारों के संपर्क में हैं।' उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। भारत ने गुरुवार को सऊदी अरब में नागरिक और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर लगातार हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की। विदेश मंत्रालय ने दम्माम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और सऊदी अरामको के पूर्वी प्रांत स्थित शैबह तेल क्षेत्र पर 21 अक्टूबर को हुए हमलों का विशेष रूप से उल्लेख किया।

स्वास्थ्य का अधिकार सुनिश्चित करने में भारत की न्यायपालिका की अहम भूमिका: अरुण गोविल

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क। भाजपा सांसद अरुण गोविल ने स्वास्थ्य के अधिकार को मजबूत बनाने में भारत की न्यायपालिका की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के उस विशेष दूत के साथ हुई बातचीत में सुप्रीम कोर्ट की ओर से संविधान के अनुच्छेद 21 की व्यापक व्याख्या का उल्लेख किया, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के सर्वोच्च संभव स्तर के अधिकार से जुड़ा है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन (न्यूयॉर्क) ने 'एक्स' पोस्ट पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि चर्चा का मुख्य विषय था, 'स्वास्थ्य के अधिकार को न्यायिक रूप से लागू कर न्याय और जवाबदेही सुनिश्चित करना।'

बातचीत के दौरान गोविल ने माना कि इलाज का खर्च, भाषा की बाधा, दूरी और कानूनी जानकारी की कमी जैसी समस्याएं लोगों के स्वास्थ्य के अधिकार का पूरा लाभ लेने में रुकावट बन सकती हैं। उन्होंने कॉरपोरेट कंपनियों की जवाबदेही से जुड़े मुद्दों का भी जिक्र किया और दुनिया भर की अच्छी पहलों को रिपोर्ट में शामिल करने की सराहना की।

उन्होंने कहा, 'हम विशेष दूत का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने रिपोर्ट में एक समयानुकूल और महत्वपूर्ण विषय उठाया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि खर्च, भाषा, दूरी और कानूनी जागरूकता जैसी बाधाएं लोगों के स्वास्थ्य के अधिकार को प्रभावित करती हैं। इसमें यह भी बताया गया है कि कुछ मामलों में कॉरपोरेट ताकत जवाबदेही से बच निकलती है। उन्होंने कहा, 'हमें यह भी अच्छा लगा कि रिपोर्ट में दुनिया भर के अच्छे उदाहरणों पर ध्यान दिया गया है, जिससे सदस्य देश एक-दूसरे से सीख सकते हैं।

प्रशासनिक सुधारों और क्षमता विकास में उत्तर प्रदेश, देश के लिए रोल मॉडल : डॉ. जितेंद्र सिंह

विश्व केसरी■



लखनऊ। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से ही प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया गया है, जिसमें नागरिकों का विश्वास बढ़े। साथ ही सरकारी सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनें।

उत्तर प्रदेश ने इन सुधारों को अपनाने और क्षमता विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मिशन कर्मयोगी के तहत प्रदेश का प्रथम स्थान प्राप्त करना और 'आई-गॉट कर्मयोगी' प्लेटफॉर्म पर सर्वाधिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे करना महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

लखनऊ में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि यूपी में कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान प्रशासन से मिलने वाला सहयोग और मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत रुचि कार्यों को सुचारु रूप से पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

डॉ. सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 में केंद्र सरकार बनने के बाद राजपत्रित अधिकारियों से दस्तावेजों के सत्यापन की अनिवार्यता समाप्त करने और सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने जैसे कदम उठाए गए। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद भर्ती में साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त करने की दिशा में पहल की गई, ताकि चयन प्रक्रिया में भेदभाव की आशंकाओं को कम किया जा सके।

उन्होंने रोजगार मेले, केंद्रीयकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) और डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जैसी पहलों का भी उल्लेख किया। डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र में बायोमेट्रिक और फेस रिकग्निशन तकनीक के इस्तेमाल से पेंशनभोगियों को सुविधा मिली है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रशासन में 'रूल बेस्ड' दृष्टिकोण से आगे बढ़कर 'रोल बेस्ड' कार्यप्रणाली अपनाना आवश्यक है।

मुंबई में मेयर कार्यालय और कई स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

विश्व केसरी■



मुंबई। मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े के कार्यालय और राजधानी के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मेयर कार्यालय को एक ईमेल मिला है, जिसमें कार्यालय के अलावा 3-4 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह तीसरी बार है, जब मेयर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियों के बीच हड़कंप मच गया। मुंबई पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस ने बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया। मुंबई पुलिस ने पुलिस ने मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत सब जगहों की जांच की, लेकिन वहां कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और ईमेल भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

इससे पहले, शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं, जिसके बाद दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग ने तलाशी अभियान शुरू किया। अब तक कोई संदिग्ध वस्तु या आपत्तिजनक सबूत नहीं मिला है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, धमकियां पाने वाले स्कूलों में रोहिणी का वेंकटेश्वर पब्लिक स्कूल और मयूर विहार का सालवन पब्लिक स्कूल शामिल हैं। दमकल विभाग को इन दोनों स्कूलों के संबंध में क्रमश: सुबह 9.37 बजे और 9.57 बजे कॉल मिलीं। पुलिस ने बताया कि मयूर विहार स्थित सलवान पब्लिक स्कूल को मिली धमकी में 30 अक्टूबर को बम हमले की बात कही गई थी।

575 करोड़ रुपए के जेट और हेलीकॉप्टर सौदे पर कांग्रेस के सवाल, मध्य प्रदेश सरकार से मांगा खर्च का ब्योरा

विश्व केसरी■



भोपाल। कांग्रेस ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 575 करोड़ रुपए की संयुक्त लागत से एक जेट और एक हेलीकॉप्टर की खरीद पर सवाल उठाया। यह खरीद राज्य के कर्ज के बोझ और सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा मध्याह्न भोजन तैयार करने वाले महिला समूहों को मानदेय भुगतान में देरी के बीच की गई है। कांग्रेस ने खरीद अनुबंधों, भुगतानों और अतिरिक्त खर्चों का खुलासा करने की मांग की।

मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि विमानों की कीमतों में वृद्धि और उनके आंतरिक साज-सज्जा पर किए गए खर्च से पारदर्शिता और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार की खर्च करने की प्राथमिकताओं पर सवाल उठते हैं।

नायक ने पूछा, 'जब नियमित हवाई सेवाएं उपलब्ध हैं तो सरकार को जनता के पैसे से इतना महंगा विमान और हेलीकॉप्टर खरीदने की क्या जरूरत थी?' उन्होंने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने 10 जुलाई, 2024 को इन खरीदों को मंजूरी दी थी। जेट की शुरुआती लागत लगभग 234 करोड़ रुपए थी, जो बढ़कर 350 करोड़ रुपए हो गई, जबकि हेलीकॉप्टर की कीमत 125 करोड़ रुपए से बढ़कर 225 करोड़ रुपए हो गई।

नायक ने दावा किया कि जेट के इंटीरियर को कस्टमाइज करने पर लगभग 60 करोड़ रुपए और हेलीकॉप्टर के इंटीरियर पर 20 करोड़ रुपए खर्च किए गए। उन्होंने सीमा शुल्क, जीएसटी, बीमा और अन्य घटकों पर हुए खर्च का विवरण, निविदा दस्तावेज, अनुबंध और भुगतान रिकॉर्ड की मांग की।

मध्य प्रदेश के कर्ज के बोझ तले भाजपा सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन और मिड-डे मील तैयार करने वाली महिला समूहों को मानदेय भुगतान में देरी की शिकायतों का हवाला दिया।उन्होंने ठेकेदारों के लंबित भुगतानों और अधूरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, 'जनता का पैसा लोगों की जरूरतों पर खर्च किया जाना चाहिए, न कि ऐसी सुविधाओं पर जिनकी आवश्यकता और लागत ही गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती हैं।

भगवंत मान ने ड्रग्स मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा, बोले-गुजरात से आ रही है नशीली खेप

विश्व केसरी■



चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी राज्य से सत्ता से बाहर हो जाएगी।

भगवंत मान ने कहा कि गृह मंत्री की इच्छा के अनुसार सरकार नहीं बनेगी और साथ ही दावा किया कि गुजरात देश में ड्रग्स का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा था कि आगामी चुनावों में पार्टी राज्य से पूरी तरह से साफ हो जाएगी और एनडीए सरकार बनाएगी और 2029 तक राज्य से ड्रग्स की समस्या को खत्म कर देगी।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'सरकार अमित शाह की इच्छा के अनुसार नहीं बनेगी। यह पंजाब के 3.25 करोड़ लोगों की इच्छा के अनुसार बनेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब का सबसे बड़ा ड्रग कार्टेल अकाली दल-भाजपा सरकार के कार्यकाल (2007 से 2017) के दौरान फला-फूला।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, 'बड़े तस्करों ने कई वरिष्ठ मंत्रियों के नाम लिए थे, जिनसे अब वे समझौते की बात कर रहे हैं। ड्रग्स गुजरात से आ रही है। उन्होंने खुद स्वीकार किया है कि उन्होंने 20,000 करोड़ की ड्रग्स जब्त की है।'

पंजाब में सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी के लिए ड्रोन के इस्तेमाल को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ' मादक पदार्थ बंदरगाहों तक कैसे पहुंच रहे हैं? बंदरगाहों पर उचित सीमा शुल्क प्रक्रियाएं और सुरक्षा व्यवस्थाएं हैं।

सिलिकॉन वैली स्क्वैश: अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

रेडवुड सिटी। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिस्र की छठी सीड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिस्र की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया।

अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई।

2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, 'मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर



क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं।'

अनाहत ने कहा, 'एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेल रही हूं तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी।'

स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूं।'

अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्क्वैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी।

नितेश, थुलसिमथी ने बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स में सिल्वर जीता

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत के नितेश कुमार और थुलसिमथी मुरुगेसन ने शुक्रवार को मिक्स्ड डबल्स एसएल3-एसयू5 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता।

भारतीय जोड़ी को फाइनल में इंडोनेशिया की लीनी रात्री ओक्टिला और हिकमत रामदानी से 21-11, 19-21, 14-21 से हार के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में 21-11 से दबदबा बनाया, लेकिन दूसरा गेम 19-21 से हार गई और फिर आखिरी गेम में 14-21 से हार गई।

इससे पहले, थुलसिमथी मुरुगेसन ने विमेंस सिंगल्स एसयू5 फाइनल में चीन की यांग से 21-18, 21-11 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता था। नितेश ने हमवतन प्रमोद भगत को हराकर गोल्ड मेडल जीता था। प्रमोद ने 2018 और 2022 एडिशन में गोल्ड जीता था। दो पैरालंपिक चैंपियनों के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मुकाबला 21-18, 21-16 से



नितेश के पक्ष में रहा।

एक अन्य मैच में नित्या श्री सुमति सिवन ने महिला एकल एसएच6 फाइनल में चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता।

पैरा बैडमिंटन में, एसएल3 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जो हाफ कोर्ट पर खेलते हैं, जबकि एसएल4 उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जिनका चलने और दौड़ने का संतुलन बेहतर होता है। एसयू5 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके ऊपरी अंगों में कमी है, जबकि एसएच6 छोटे कद के एथलीटों के लिए है।

भारत हांगझोऊ 2023 में अपने अब तक के सबसे अच्छे एशियन पैरा गेम्स कैंपेन के बाद आइची-नागोया पहुंचा है। भारतीय दल ने पिछले संस्करण में रिकॉर्ड 111 मेडल जीते थे, जिनमें 29 गोल्ड, 31 सिल्वर और 51 ब्रॉन्ज थे।

रिपोर्ट लिखे जाने तक एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय दल 104 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 27 गोल्ड, 34 सिल्वर और 43 ब्रॉन्ज हैं। भारतीय दल फिलहाल चौथे नंबर पर है।

क्रिकेटर सब्बीनेनी मेघना ने लिया संन्यास



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रहीं सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं।

मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'वर्ल्ड स्टेज पर जर्सी पहनने के लिए हाथ में बल्ला लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूं। मेरा दिल शुक्रगुजार है। मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, जिसने मुझे हिम्मत दी, विनम्रता सिखाई और ऐसी यादें और दोस्ती दी, जिन्हें मैं जिंदगी भर संभालकर रखूंगी।'

उन्होंने लिखा, 'मेरे परिवार को, जो हर मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे, आपके कभी न खत्म होने वाले त्याग के लिए धन्यवाद। मेरे कोच, टीममेट्स और सपोर्ट स्टाफ को, मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने और मेरे साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के लिए धन्यवाद।'

मेघना ने लिखा, 'मैं बीसीसीआई, आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात जायंट्स और आरएसपीबी का मेरे पूरे करियर में लगातार सहयोग, मार्गदर्शन और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं।

मुझे अपने पैशन को सबसे ऊंचे लेवल पर आगे बढ़ाने के लिए प्लेटफॉर्म और मौके देने के लिए धन्यवाद।

थुलसिमथी-मानसी की जोड़ी ने जीता गोल्ड मेडल

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत की पैरा बैडमिंटन जोड़ी थुलसिमथी मुरुगेसन और मानसी जोशी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिला डबल्स एसएल3-एसयू5 कैटेगरी में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है।

भारतीय जोड़ी ने चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन किउक्सिया यांग और जुक्सियान जिओ को सीधे गेम में 21-16 और 21-13 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने एशियन चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में मिली हार का बदला लिया और यह अहम मेडल जीता। इस मेडल के साथ थुलसिमथी और मानसी ने पिछले संस्करण में जीते अपने सिल्वर मेडल का रंग भी बदल लिया है।

इससे पहले, दिन में थुलसिमथी ने नितेश कुमार के साथ मिलकर मिक्स्ड डबल्स एसएल3-एसयू5 में सिल्वर मेडल जीता। फाइनल में इस भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की लीनी रात्री ओक्टिला और हिकमत रमदानी से 21-11, 19-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा।थुलसिमथी ने महिला सिंगल्स एसयू5 में भी सिल्वर मेडल अपने नाम किया। फाइनल में उन्हें चीन की यांग से 21-18, 21-11 के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

भारत के नवीन शिवकुमार और नितेश कुमार ने क्रमश: पुरुष सिंगल्स एसएल3 और एसएल4 कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीते। दो पैरालंपिक चैंपियनों के बीच हुए ऑल-इंडिया फाइनल में नितेश ने अपने ही देश के प्रमोद भगत (जिन्होंने 2018 और 2022 संस्करणों में गोल्ड जीता था) को 21-18, 21-16 से हराया।

एक अन्य मुकाबले में नित्या श्री सुमति सिवन को महिला सिंगल्स एसएच6 फाइनल में चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हार मिली, जिसके बाद उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। पैरा बैडमिंटन में एसएल3 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले पैरों में गंभीर दिव्यांगता है और वह हाफ कोर्ट पर खेलते हैं। वहीं, एसएल4 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले अंगों में दिव्यांगता तो है। लेकिन उनका चलने और दौड़ने का संतुलन बेहतर है। एसयू5 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके ऊपरी अंगों (हाथों) में दिव्यांगता है, जबकि एसएच6 कम कद वाले खिलाड़ियों के लिए है।

न्यूजीलैंड के क्रिकेट फैंस के बीच रोहित और विराट को देखने का आकर्षण है: जेम्स पैमेंट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम 5 टी20, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के दौरे पर है। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे सीरीज का हिस्सा हैं। ऐसे में वनडे सीरीज को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट फैंस के बीच उत्साह ज्यादा है।

न्यूजीलैंड के पूर्व सहायक कोच और मुंबई इंडियंस के फील्डिंग कोच रह चुके जेम्स पैमेंट ने कहा है कि रोहित और विराट का आकर्षण बहुत ज्यादा है। इस वजह से वनडे सीरीज को लेकर फैंस के बीच रोमांच ज्यादा है।

जेम्स पैमेंट ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, 'मुझे ऐसा लगता है कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की कंडीशन काफी समान हैं। डरबन, पोर्ट एलिजाबेथ (अब गकेबरहा) और न्यूलैंड्स जैसे मैदान न्यूजीलैंड की कंडीशन से काफी मिलते-जुलते हैं। ऐसे मैदान ही भारतीय खिलाड़ियों को पांच वनडे मैचों की सीरीज में मिलेंगे।'



उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के क्रिकेट फैंस और दुनियाभर के क्रिकेट फैंस शायद रोहित और विराट को न्यूजीलैंड में आखिरी बार देखने जा रहे हैं। यह अविश्वसनीय है। वनडे सीरीज के दौरान स्टेडियम हाउसफुल होगा। यह उन दोनों जैसे वर्ल्ड-क्लास खिलाड़ियों को देखने का आकर्षण है। देखना होगा कि न्यूजीलैंड में हमारे लड़के इन खिलाड़ियों का कैसे मुकाबला करते हैं। हमने घर पर बहुत अच्छा वनडे क्रिकेट खेला है।'

वनडे सीरीज को लेकर पैमेंट ने कहा, 'न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए यह बहुत जरूरी सीरीज है। 12 मैचों के लिए भारत की मेजबानी कर पाना आर्थिक रूप से बेहद फायदेमंद है। न्यूजीलैंड क्रिकेट को पिछले साल 7 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था। इस सीरीज से उनके बोर्ड को आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। सीरीज के सभी मैचों के टिकट बिक जाने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड में भारतीय मूल के बहुत से लोग रहते हैं। निश्चित रूप से वे अपने क्रिकेट स्टार्स को देखने के लिए स्टेडियम में आएंगे। ऐसे में मैचों के दौरान रिकॉर्ड संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है।

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे।

ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है।

बीसीसीआई ने शुक्रवार की सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से लो-ग्रेड राइट एडिक्टर स्ट्रेन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान पर नजर रख रही है।'

ईशान किशन का दूसरे टी20 से बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 226 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ईशान बेशक पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वो जिस क्षमता के बल्लेबाज हैं, उस क्षमता की टीम इंडिया को इस सीरीज में जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि ईशान 27 अक्टूबर को खेले जाने वाले तीसरे टी20 से पहले फिट हो जाएं।

नवंबर में नेपाल संग ट्राई-सीरीज खेलेंगी भारतीय महिला अंडर-19 की दो टीमें

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में 10 से 22 नवंबर तक एक ट्राई-सीरीज का आयोजन होगा, जिसमें भारत की दो अंडर-19 महिला टीमें नेपाल का सामना करेंगी। यह सीरीज अगले साल होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप की तैयारियों के अंतिम चरण का हिस्सा है, जिसमें दो बार की चैंपियन भारतीय टीम अपने खिताब को बचाने की कोशिश करेगी।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सीएएन) के सचिव पारस खड़का द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस सीरीज में भारत की अंडर-19 महिला 'ए' और 'बी' टीमों के साथ नेपाल की अंडर-19 महिला टीम हिस्सा लेगी। 12 नवंबर को भारत की अंडर-19 'बी' टीम का मुकाबला नेपाल से होगा, और फिर 14 नवंबर को नेपाल की टीम भारत की 'ए' टीम से भिड़ेगी।



इसके बाद 18 नवंबर को भारत की अंडर-19 'बी' टीम फिर से नेपाल का सामना करेगी, और 20 नवंबर को भारत की अंडर-19 'ए' टीम नेपाल के खिलाफ खेलेगी। यह ट्राई-सीरीज 22 नवंबर को फाइनल मैच के साथ समाप्त होगी। सभी मैच भारतीय समय के अनुसार, दोपहर 1 बजे शुरू होंगे।

बांग्लादेश और नेपाल में 21 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2027 के ग्रुप ए में भारत को सह-मेजबान नेपाल, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के साथ रखा गया है। दो बार की चैंपियन भारतीय टीम 22 जनवरी को काठमांडू में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

2023 में साउथ अफ्रीका में हुए पहले टूर्नामेंट में शेफाली वर्मा की कप्तानी में भारत ने खिताब जीता था, और 2025 में मलेशिया में निकी प्रसाद की टीम ने इस खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था। एक ही टूर्नामेंट में दो टीमें उतारने से भारतीय चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों के एक बड़े पूल को परखने का मौका मिलेगा, जिससे वह वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम को अंतिम रूप दे सकेंगे।

नेपाल, 3 से 8 नवंबर तक चीन में आयोजित 'बेल्ट एंड रोड अंडर-19 गर्ल्स टी20' टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बाद, हाल ही में मिले मैच अभ्यास के साथ बेंगलुरु पहुंचेगा। इस टूर्नामेंट में मेजबान चीन के अलावा हांगकांग और थाईलैंड की टीमें भी शामिल थीं।

'आपको ट्रैक को पूरी तरह से खोलना होगा', यूएस जीपी से पहले बोले मैक्स वेरस्टैपेन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रेड बुल ड्राइवर मैक्स वेरस्टैपेन ने वीकेंड के यूनाइटेड स्टेट्स ग्रैंड प्रिक्स से पहले ऑस्टिन ट्रैक पर बम्प्स की बुराई करते हुए कहा कि उन्हें बम्प्स मंजूर नहीं हैं।

ऑस्टिन में यूनाइटेड स्टेट्स जीपी से पहले मीडिया से बात करते हुए, चार बार के चैंपियन ने ट्रैक पर चुनौतियों के बारे में बताया।

वेरस्टैपेन ने कहा, मुझे यह ट्रैक पसंद है, मुझे यह जगह पसंद है। यह अब तक के सबसे अच्छे लेआउट में से एक है, और यह सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह रहने के लिए सबसे अच्छा शहर है। लेकिन, मेरे लिए बम्प्स मंजूर नहीं हैं।

उन्होंने कहा, 'आपको ट्रैक को पूरी तरह से खोलना होगा। इसमें बहुत पैसा और समय लगता है, लेकिन इससे छुटकारा पाने का यही एकमात्र तरीका है। ये उभार नैचुरल नहीं हैं और कंट्रोल से बाहर हैं।'

द सर्किट ऑफ द अमेरिकाज पहले दलदली जमीन पर बना हुआ है, जिससे आयोजकों के लिए इसे



अच्छी हालत में बनाए रखना मुश्किल हो गया है। हालांकि, वेरस्टैपेन इसे बहाने के तौर पर नहीं देख रहे हैं, बल्कि उन्हें इस बात की चिंता है कि उम्र बढ़ने के साथ यह रेसर्स को परेशान करेगा। वेरस्टैपेन ने कहा, 'आप यह बहाना बना सकते हैं कि मिट्टी समस्या है, लेकिन तब आपको यह पता होना चाहिए था और आपको यह पक्का करना होगा कि आप इसे और मजबूत करें। उदाहरण के लिए, आप एक कोने में लगभग 5-6 जी खींचते हैं, लेकिन मुझ पर कुछ इम्पैक्ट और वर्टिकल लोड पड़ा, जो मेरी रीढ़ की हड्डी पर 9 जी से ज्यादा था। मैं आपको बता सकता हूँ कि यह सच में मजेदार नहीं है। आप जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं, इसके बारे में और ज्यादा सोचते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस सीजन में कारों को पिछले सीजन के मुकाबले कोनों पर नीचे चलने की वजह से बम्प्स के साथ ज्यादा मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

महंगे मेमोरी चिप्स के चलते भारत में स्मार्टफोन शिपमेंट तीसरी तिमाही में 20 प्रतिशत गिरा: रिपोर्ट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के स्मार्टफोन बाजार में साल 2026 की सितंबर तिमाही यानी तीसरी तिमाही के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को जारी काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, मेमोरी चिप्स की रिकॉर्ड ऊंची कीमतों के कारण स्मार्टफोन निर्माण लागत बढ़ने से देश में स्मार्टफोन शिपमेंट सालाना आधार पर 20 प्रतिशत घट गई और यह पिछले एक दशक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में मांग लगातार कमजोर बनी हुई है। यही वजह है कि स्मार्टफोन कंपनियों ने त्योहारी सीजन से पहले भी डिस्ट्रीब्यूशन चैनलों में अतिरिक्त स्टॉक भेजने से परहेज किया। बढ़ती कीमतों का सबसे ज्यादा असर एंट्री और मिड-रेंज सेगमेंट पर पड़ा है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि 20,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की शिपमेंट में 47 प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। कई मॉडलों की कीमतें बढ़ने के कारण वे उच्च मूल्य वर्ग में पहुंच गए, जिससे आम उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता प्रभावित हुई।

काउंटरपॉइंट के रिसर्च एनालिस्ट शुभम सिंह ने कहा कि कंपोनेंट्स की बढ़ती लागत ने स्मार्टफोन कीमतों को ऊपर धकेला है, जिसका सीधा असर विशेष रूप से 15,000 रुपए से कम कीमत वाले मास मार्केट सेगमेंट पर पड़ा है, जो लंबे समय से भारतीय स्मार्टफोन बाजार की वृद्धि का मुख्य आधार रहा है।

वहीं, काउंटरपॉइंट के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक का कहना है कि पूरे वर्ष 2026 में भारतीय स्मार्टफोन बाजार में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। बढ़ती कीमतों के कारण नए फोन खरीदने की मांग और पुराने फोन बदलने का चक्र दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद आने वाली सामान्य सुस्ती बाजार पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। वहीं, कंपोनेंट्स की ऊंची लागत के चलते कंपनियां बिक्री सीजन के बाद एक बार फिर कीमतें बढ़ा सकती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका असर पहले से ही मास मार्केट सेगमेंट में दिखाई देने लगा है। लागत को नियंत्रित रखने के लिए कई कंपनियां अपने पोर्टफोलियो में अधिक 4जी स्मार्टफोन और अपेक्षाकृत कम फीचर्स वाले मॉडल पेश कर रही हैं। कुछ मूल्य वर्गों में कंपनियां कीमत बरकरार रखते हुए स्पेसिफिकेशन कम करने की रणनीति भी अपना रही हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, 2027 में भी बाजार के लिए चुनौतियां बनी रह सकती हैं। स्मार्टफोन की बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं के रिप्लेसमेंट चक्र को और लंबा कर रही हैं, जिससे बिक्री में तेज रिकवरी की संभावना सीमित हो सकती है। ऐसे में भविष्य की वृद्धि मुख्य रूप से प्रीमियम और अपर-मिड सेगमेंट में देखने को मिल सकती है, जबकि कम कीमत वाला बाजार वहनीयता संबंधी चुनौतियों और कंपनियों के घटते मार्जिन के दबाव में रहेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले समय में नो-कॉस्ट ईएमआई, एक्सचेंज ऑफर और रिटेलर-आधारित प्रमोशनल स्कीम्स की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाएगी। इनके जरिए उपभोक्ताओं के लिए महंगे स्मार्टफोन में अपग्रेड करना अपेक्षाकृत आसान बनाया जा सकेगा।

2027 से व्हाट्सएप और अन्य मैसेजिंग ऐप्स पर लागू हो सकते हैं, सिम हटाते ही बंद हो सकता है अकाउंट एक्सेस



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। यदि आप व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं और अकाउंट बनाने के बाद संबंधित सिम कार्ड फोन से निकाल देते हैं या किसी दूसरे डिवाइस में रख देते हैं, तो इसको लेकर 1 जनवरी 2027 से नए नियम लागू हो सकते हैं।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने साइबर धोखाधड़ी पर रोक लगाने और भारतीय मोबाइल नंबरों के दुरुपयोग को रोकने के लिए मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स को 31 दिसंबर 2026 तक नए सिम-बाइंडिंग नियमों का पालन करने का निर्देश दिया है।

नए नियम लागू होने के बाद ऐसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, जो भारतीय मोबाइल नंबरों के आधार पर पंजीकरण करते हैं, उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि संबंधित मोबाइल नंबर उसी डिवाइस में मौजूद सक्रिय सिम या ई-सिम से जुड़ा हो।

सरल शब्दों में कहें तो अब उपयोगकर्ता अकाउंट बनाने के बाद सिम कार्ड हटाकर लंबे समय तक उसी अकाउंट का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यदि रजिस्टर्ड सिम कार्ड निकाल दिया जाता है, बदल दिया जाता है या निष्क्रिय हो जाता है, तो मैसेजिंग ऐप उस अकाउंट की सेवाओं को तब तक सीमित या निलंबित कर सकता है, जब तक वही नंबर दोबारा सक्रिय सिम या ई-सिम के माध्यम से सत्यापित नहीं हो जाता।

सरकार का यह कदम बढ़ते साइबर अपराध, फिशिंग नेटवर्क और तथाकथित 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों पर अंकुश लगाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

दूरसंचार विभाग के अनुसार, कई धोखाधड़ी गिरोह भारतीय मोबाइल नंबरों पर सिम खरीदकर मैसेजिंग अकाउंट बनाते हैं और बाद में उन अकाउंट्स का संचालन भारत के बाहर से करते हैं। सरकार का कहना है कि सक्रिय सिम और अकाउंट के बीच मजबूत संबंध स्थापित होने से सीमा-पार साइबर धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी।

व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म, जो उपयोगकर्ता पहचान और पंजीकरण के लिए मोबाइल नंबरों का उपयोग करते हैं, इन नियमों के दायरे में आने की संभावना है। हालांकि रिपोर्टों के अनुसार स्नैपचैट पर यह नियम लागू नहीं होने की उम्मीद है। वहीं सिग्नल को लेकर अभी स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आई है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि अब तक उपलब्ध जानकारी से यह संकेत नहीं मिलता कि 1 जनवरी, 2027 से व्हाट्सएप किसी विशेष आईफोन या एंड्रॉइड मॉडल पर काम करना बंद कर देगा। प्रस्तावित प्रतिबंध केवल सिम सत्यापन और अकाउंट प्रमाणीकरण से संबंधित है, न कि डिवाइस के ब्रांड या ऑपरेटिंग सिस्टम से।

इन नियमों का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ सकता है जो रजिस्टर्ड सिम को दूसरे फोन में रखते हैं लेकिन व्हाट्सएप किसी अन्य डिवाइस पर चलाते हैं।

2047 तक करीब 450 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है भारतीय फार्मा उद्योग का आकार, गुजरात निभाएगा बड़ी भूमिका: विशेषज्ञ

विश्व केसरी ■



अहमदाबाद। फार्मा सेक्टर के विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि भारत के फार्मास्युटिकल उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए उद्योग, सरकार, नियामकों और शिक्षण संस्थानों के बीच मजबूत तालमेल की जरूरत है। उन्होंने फार्मा हब के रूप में गुजरात की भूमिका, रिसर्च को बढ़ावा देने, बायोफार्मास्युटिकल्स और हाई-वैल्यू मैन्युफैक्चरिंग, घरेलू एपीआई उत्पादन को मजबूत करने, तथा वैश्विक दवा आपूर्ति शृंखलाओं (सप्लाई चेन) की सुरक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सीआईआई फार्मा समिट 2026 में इंडियन ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडीएमए) के अध्यक्ष डॉ. विरंची शाह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि भारत को दुनिया की 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहा जाता है और गुजरात को देश की फार्मा राजधानी माना जाता है, क्योंकि देश के कुल फार्मास्युटिकल विनिर्माण का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा अकेले गुजरात से आता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य केवल वैश्विक स्तर पर उत्पादन (वॉल्यूम) में नेतृत्व बनाए रखना नहीं, बल्कि वैल्यू एडेड उत्पादों और नवाचार के क्षेत्र में भी नेतृत्व स्थापित करना है।

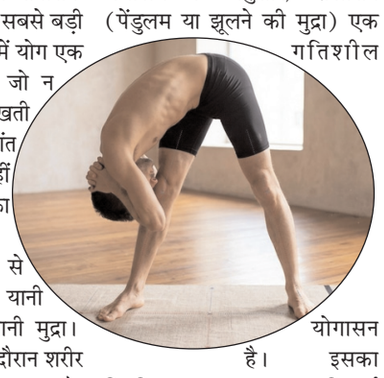
डॉ. शाह ने कहा कि सरकार की विभिन्न नीतियां और उद्योग जगत की पहलें इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, 'यदि वर्तमान गति बनी रहती है तो अमृतकाल के दौरान वर्ष 2047 तक भारतीय फार्मा उद्योग का आकार करीब 450 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सीआईआई फार्मा समिट का उद्देश्य भी यही है कि उद्योग, नियामक संस्थाएं और अकादमिक जगत मिलकर यह तय करें कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कौन से कदम उठाए जाने चाहिए।'

डॉ. विरंची शाह ने आगे आईएएनएस से कहा कि फार्मा उद्योग की विकास रणनीति में ग्रीन केमिस्ट्री और पर्यावरणीय मानकों का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि देशभर में विकसित हो रहे बल्क ड्रग पार्कों में अपशिष्ट जल शोधन और प्रदूषण नियंत्रण के लिए वैश्विक मानकों को अपनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

थकान और तनाव से पाना है छुटकारा तो करें दोलासन, जानें इसके फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में योग एक ऐसी प्राचीन पद्धति है, जो न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखती है, बल्कि मन को भी शांत करती है। योग के इन्हीं आसनों में 'दोलासन' का विशेष महत्व है।



दोलासन दो शब्दों से मिलकर बना है, 'दोल' यानी झूलना और 'आसन' यानी मुद्रा। इस आसन को करने के दौरान शरीर झूले के समान आगे-पीछे झूलता है। यह आसन खासतौर पर पेट, पीठ और रीढ़ की हड्डी के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, दोलासन (पेंडुलम या झूलने की मुद्रा) एक गतिशील योगासन है। इसका नियमित अभ्यास थकान, सिरदर्द और मानसिक तनाव को कम करने में सहायक है।

दरअसल, इस आसन को करने के दौरान अभ्यासकर्ता आगे-पीछे की ओर सिर को झुकाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार तेज हो जाता है और दिमाग तक ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है। इससे सिरदर्द में आराम मिलता है और दिनभर की थकान कम होती है। साथ ही, इस दौरान शरीर की स्ट्रेचिंग होने से मांसपेशियों का तनाव कम होता है और मन शांत होता है, जिससे चिंता और तनाव जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

दोलासन से पेट और कोर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। इस आसन को करने के दौरान अभ्यासकर्ता के पेट की मांसपेशियों पर खिंचाव और दबाव पड़ता है, जिससे वे सक्रिय होती हैं। इस प्रक्रिया से पेट की चर्बी कम करने में मदद मिलती है और पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। साथ ही, कोर मसल्स मजबूत होने से शरीर का संतुलन और पोस्चर बेहतर होता है, और कमर दर्द की समस्या में भी राहत मिलती है।

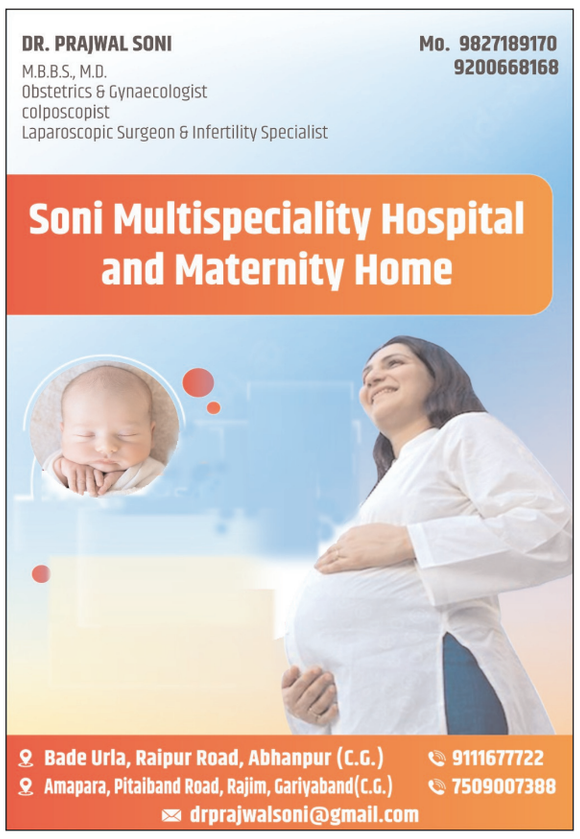
सिर्फ स्वाद ही नहीं, सेहत भी संवारता है आयोडीनयुक्त नमक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हमारे रोजमर्रा के खाने में नमक की अहम भूमिका होती है। दाल हो, सब्जी हो या सलाद, बिना नमक के खाने का स्वाद अधूरा लगता है। क्या आप जानते हैं कि नमक का चुनाव आपकी सेहत पर भी बड़ा असर डाल सकता है? खासकर आयोडीनयुक्त नमक का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। हर साल 21 अक्टूबर को विश्व आयोडीन अल्पता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को शरीर में आयोडीन की जरूरत और इसकी कमी से होने वाली परेशानियों के प्रति जागरूक करना है। विश्व आयोडीन अल्पता दिवस पर आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आयोडीन एक जरूरी पोषक तत्व है जिसकी मदद से थायरॉइड ग्रंथि सही तरीके से काम करती है। यह ग्रंथि ऐसे हार्मोन बनाती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी भोजन से ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।















'हमारा राष्ट्र ही हमारी संस्कृति और अस्तित्व का आधार है': पीएम मोदी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की नीतियों और प्रयासों के केंद्र में देश के युवा हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि चिन्मय अमृत महोत्सव के आयोजन में भी युवाओं ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया कि अनेक युवा स्वयंसेवकों ने लगभग 300 दिनों में 40 हजार किलोमीटर की यात्रा की और इस दौरान एक लाख से अधिक युवाओं से संपर्क स्थापित किया। उन्होंने इस अभियान की सराहना करते हुए पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे उपनिषदों का कथन 'वयं अमृतस्य पुत्रा:' है। इसका मतलब है कि हम अमृत की संतानें हैं। ये संकल्पना केवल आध्यात्मिक दर्शन नहीं है, यह हमारा सांस्कृतिक विश्वास भी है। इसका अर्थ है कि हमारी चेतना अमर है। हमारा ज्ञान और बोध अमर है। इसी बोध के कारण ये भारत भी हजारों वर्षों से अमर बना हुआ है, क्योंकि भारत शब्द का अर्थ ही यही है कि जो ज्ञान और प्रकाश के अनुसंधान में लगा हो। इसीलिए जब देश की आजादी के 75 वर्ष का अवसर आया तो मेरे मन में विचार आया कि हमें इस अवसर को विकसित भारत का प्रेरणा मंच तो बनाना ही है और हमें भारत के उस स्वरूप को जीवंत करना है, जो अमृत विचारों को जीना जानता है। 'पीएम ने कहा, 'मैंने उस उत्सव को 'अमृत महोत्सव' के रूप में मनाने का आह्वान किया था। समय के साथ-साथ एक के बाद एक अद्भुत यात्राएं उस संकल्प से जुड़ती चली जा रही हैं। कितने ही आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संगठनों ने इस दौरान अपनी यात्रा के अहम पड़ावों पर 'अमृत संकल्प' लिए और अब चिन्मय मिशन भी अमृत महोत्सव के रूप में भारत के अमृतकाल के अभियान से जुड़ रहा है। भारत के संकल्पों की असली ताकत यही है। यही तो हमारे 'अमृतस्य पुत्रा:' होने का प्रमाण है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारे वेदों का 'वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिता:' आह्वान है। इसका मतलब है कि राष्ट्र का हित चाहने वाले हम लोग राष्ट्र को जागृत और उन्नत बनाएं। स्वामी चिन्मयानंद ने अपना पूरा जीवन इसी मंत्र को लेकर जिया। वे जितनी श्रद्धा से आध्यात्मिक विषयों पर बोलते थे, उतनी ही तत्परता से वे राष्ट्र के विषयों पर भी मुखर होकर व्याख्यान देते थे। हमारा राष्ट्र ही हमारी संस्कृति की जन्मभूमि है। राष्ट्र ही हमारे अस्तित्व का आधार है। स्वामी जी ने हमेशा यह शिक्षा दी। हम अपनी आध्यात्मिक उन्नति को व्यक्तिगत उन्नति से जोड़ें और व्यक्तिगत उन्नति को राष्ट्र की प्रगति का माध्यम बनाएं।'

पीएम ने कहा, 'भारत के लोगों को भारत के प्रति स्वाभिमान से भरना स्वामी जी का मिशन था। उन्होंने हमारे शास्त्रों के ज्ञान को जनसामान्य तक पहुँचाने का अभियान शुरू किया। आज उनके उस संकल्प का परिणाम हमें दिखाई दे रहा है। चिन्मय मिशन के प्रयासों से आज लाखों युवा भारत के सांस्कृतिक ब्रांड एंबेसडर का काम कर रहे हैं।

उमराह के लिए गए तीर्थयात्री सुरक्षित भारत लौटे: किरेन रिजिजू

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि उमराह के लिए गए जो तीर्थयात्री वहां फंस गए थे, वे सुरक्षित भारत लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि बाकी तीर्थयात्रियों की भी मदद की जा रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय नागरिकों की समस्याओं और चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार हमेशा तत्पर रहती है।

एक्स पर साझा किए गए एक बयान में रिजिजू ने सऊदी अरब के रियाद में भारतीय दूतावास और जेद्दा में वाणिज्य दूतावास में स्थापित 24×7 कंट्रोल रूम के संपर्क विवरण भी दिए।

रिजिजू ने लिखा कि सरकार भारतीय नागरिकों की समस्याओं और चिंताओं को लेकर हमेशा सक्रिय रहती है। फंसे हुए उमराह यात्री सुरक्षित भारत लौट आए हैं। इसके अलावा, 10,000 से अधिक सामान्य उमराह यात्री भी पहले ही भारत लौट चुके हैं। जो उमराह यात्री अभी भी वहां हैं, उनकी मदद की जा रही है।

इससे पहले गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने बताया कि सऊदी अरब के रियाद में भारतीय दूतावास और जेद्दा में वाणिज्य दूतावास, प्रभावित यात्रियों की जल्द वापसी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एयरलाइंस और टूर ऑपरेटरों के साथ लगातार संपर्क में हैं। बुधवार को सऊदी अरब के दम्माम में किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए एक हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल था। इस हमले में दो अन्य भारतीय नागरिक घायल भी हुए हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, पिछले एक हफ्ते में लगभग 3,000 फंसे हुए उमराह यात्री उपलब्ध उड़ानों के जरिए सऊदी अरब से भारत लौट आए हैं।

मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि इसके अलावा, 10,000 से अधिक सामान्य उमराह यात्री भी उपलब्ध उड़ानों के जरिए पिछले एक हफ्ते में भारत लौट आए हैं। बाकी उमराह यात्रियों की जल्द से जल्द वापसी के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं। हमारा दूतावास और वाणिज्य दूतावास, सामुदायिक स्वयंसेवकों की मदद से हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। भारतीय नागरिकों की मदद के लिए 24म7 कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और नियमित रूप से एडवाइजरी जारी की जा रही है।

सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन ने बताया कि बुधवार को किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक भारतीय और एक सऊदी नागरिक शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस हमले में आठ लोग घायल हुए हैं।

दिल्ली में सरकारी स्कूलों की किताबों की छपाई में घोटाले का आरोप, सौरभ भारद्वाज ने उठाए सवाल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार पर आम आदमी पार्टी ने सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को मुफ्त वितरित की जाने वाली किताबों की छपाई में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि शिक्षा विभाग की ओर से छपवाई गई किताबों की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है।

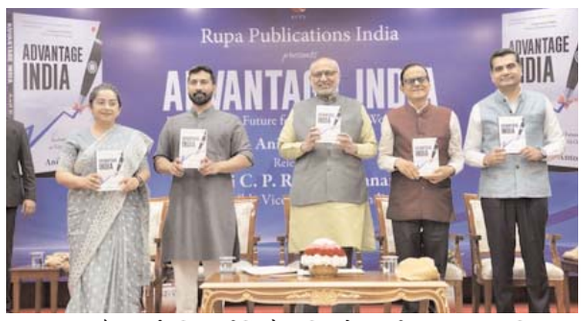
उन्होंने आरोप लगाया कि टेंडर में एनसीईआरटी की किताबों के मानकों का उल्लेख किया गया, लेकिन वास्तविक छपाई में घटिया गुणवत्ता के कागज का इस्तेमाल किया गया। भारद्वाज ने इस मामले में करीब 40 प्रतिशत कमीशनखोरी होने का आरोप लगाते हुए शिक्षा मंत्री आशीष सूद और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से जवाब मांगा।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार आने के बाद कथित भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं।

उन्होंने दवाओं, साइकिलों, चावल और दिल्ली जल बोर्ड के टेंडर का उल्लेख करते हुए अब किताबों की छपाई में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया। उनका कहना था कि सरकारी स्कूलों के बच्चों को मुफ्त किताबें उपलब्ध कराने की योजना में भी कथित तौर पर भ्रष्टाचार किया गया है। भारद्वाज ने कक्षा आठ की एनसीईआरटी की मल्हार पुस्तक दिखाते हुए दावा किया कि बाजार में उपलब्ध किताब और दिल्ली सरकार की ओर से छपवाई गई किताब की गुणवत्ता में काफी अंतर है। उन्होंने बताया कि कक्षा एक से आठ तक की किताबों की छपाई के लिए जारी टेंडर की प्रतियां देखने पर कागज के आकार और गुणवत्ता से संबंधित शर्तें बाजार में उपलब्ध एनसीईआरटी की किताबों के समान दिखाई देती हैं।

भारत की सभ्यतागत विरासत, लोकतांत्रिक परंपराएं और तकनीकी क्षमताएं देश की विशिष्ट शक्ति हैं: उपराष्ट्रपति

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में अनिल के एंटनी द्वारा लिखित पुस्तक एडवांटेज इंडिया: रिशेपिंग द फ्यूचर फॉर एन इक्यूटेबल वर्ल्ड का विमोचन किया।

उपराष्ट्रपति ने पुस्तक के प्रकाशन पर लेखक अनिल के. एंटनी और रूपा पब्लिकेशंस को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक भारत के उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाती है और तेजी से बदलती दुनिया में देश के सामने मौजूद अवसरों का विश्लेषण करती है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, व्यवसाय और सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में अपने अनुभवों के आधार पर एंटनी ने भारत की उभरती शक्तियों तथा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में उसकी बढ़ती भूमिका का विश्लेषण किया है। उपराष्ट्रपति ने भारत की विशिष्ट शक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की सभ्यतागत विरासत, लोकतांत्रिक परंपराएं, जनसांख्यिकीय लाभ, बढ़ती अर्थव्यवस्था, मजबूत संस्थान और विस्तारित तकनीकी क्षमताएं मिलकर भारत को एक विशिष्ट पहचान और बढ़त प्रदान करती हैं।

उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि 25 करोड़ से अधिक लोगों को अत्यधिक निर्धनता से बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी पहल ने लाखों लोगों के जीवन में गरिमा और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा दिया है।

सीपी राधाकृष्णन ने समावेशी विकास के महत्व पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं, युवाओं, किसानों और वंचित वर्गों का सशक्तीकरण भारत की प्रगति का प्रमुख आधार है।

हरियाणा में बिजली संकट निजी कंपनी को दिया गया टेंडर रद्द करने की मांग

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को हरियाणा में जारी बिजली संकट को लेकर राज्य की नायब सिंह सैनी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने बिजली वितरण व्यवस्था को निजी कंपनी के हवाले करने के लिए दिए गए किसी भी टेंडर को रद्द करने की मांग की।

सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के रुख पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार अज्ञात लाभ के लिए बिजली वितरण व्यवस्था एक निजी कंपनी को सौंपने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि हरियाणा बिजली और पानी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। इससे आम लोगों के घरों, कारोबार और उद्योगों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'बिजली और पानी के संकट के कारण हरियाणा के लोग बहुत परेशान हैं। लोगों के इन्वर्टर जवाब दे रहे हैं। कारोबार और उद्योग बर्बादी की कगार पर हैं। पानी और दूध जैसी बुनियादी जरूरतों की कमी से परेशान लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं।'

बिजली वितरण व्यवस्था के कथित निजीकरण पर सवाल उठाते हुए सुरजेवाला ने पूछा कि राज्य सरकार इसे एक ही निजी कंपनी को क्यों सौंपना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार अज्ञात लाभ के लिए बिजली वितरण व्यवस्था एक कंपनी को सौंपना चाहती है। उन्होंने सवाल किया कि इस कदम के पीछे क्या वजह है और सरकार निजी कंपनी को यह व्यवस्था क्यों देना चाहती है।

सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि गुरुग्राम और नूंह में इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है, क्योंकि इन क्षेत्रों में मुनाफे की अधिक संभावनाएं हैं।

गोपनीय सैन्य दस्तावेज पाकिस्तान पहुंचाने के आरोपी हबीब उर रहमान को दिल्ली हाईकोर्ट से राहत नहीं

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत आरोपी हबीब उर रहमान की जमानत याचिका खारिज कर दी है। उन पर गोपनीय सैन्य दस्तावेज रखने और पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को सौंपने का आरोप है।

न्यायालय ने कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री प्रथम दृष्टया उन्हें दस्तावेज सौंपने की कड़ी से जोड़ती है और उनकी लंबी हिरासत और स्वास्थ्य स्थिति इस स्तर पर उनकी रिहाई को उचित नहीं ठहराती।

न्यायमूर्ति संजीव नरूला की एकल न्यायाधीश पीठ ने हबीब उर रहमान की जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा कि आरोपों की गंभीरता, प्राप्त संवेदनशील दस्तावेजों की प्रकृति और उनके इच्छित गंतव्य को देखते हुए उन्हें जमानत देना उचित नहीं है।

25 सितंबर को दिए गए अपने आदेश में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा, 'अपराध की गंभीरता एक महत्वपूर्ण विचारणीय बिंदु है, लेकिन यह न्यायालय को मामले का तथ्यों के आधार पर आकलन करने के कर्तव्य से मुक्त नहीं करती है। राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित आरोप की गहन जांच आवश्यक है। यह मामले को न्यायालय के जमानत क्षेत्राधिकार से बाहर नहीं करता है। आरोपी हबीब उर रहमान को 14 जुलाई, 2021 को क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के संबंध में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 3 और 9 के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के आपराधिक विश्वासघात, साक्ष्य नष्ट करने, चोरी, घर में घुसपैठ, आपराधिक साजिश और सामान्य इरादे से संबंधित प्रावधान भी दर्ज किए गए थे।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, हबीब उर रहमान को सैन्य प्रशिक्षण, सशस्त्र बल विशेष अभियान प्रभाग (एएफएसओडी) के संचालन, खुफिया जानकारी के सारांश और गोपनीय या प्रतिबंधित चिह्नित अन्य सैन्य सामग्री से संबंधित दस्तावेजों की प्रतियों के साथ पकड़ा गया था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना की भविष्य की तैयारी को मजबूत करने के लिए भूमि युद्ध सिद्धांत जारी किया

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आर्मी कमांडरों से जियोपॉलिटिकल और क्षेत्रीय डेवलपमेंट पर करीब से नजर रखने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने को कहा है। 23 अक्टूबर, 2026 को नई दिल्ली में आर्मी कमांडरों के कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने अगले 20-30 सालों के लिए एक लंबे समय के स्ट्रेटेजिक विजन की जरूरत पर जोर दिया, और भारतीय सेना के सीनियर लीडरशिप से तुरंत और नई चुनौतियों का जवाब देने के लिए समान रूप से तैयार रहने को कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्ट्रेटेजी डायनैमिक और फ्लेक्सिबल रहनी चाहिए, ताकि बदलते हालात के हिसाब से समय पर बदलाव किए जा सकें।

बदलते ऑपरेशनल हालात के हिसाब से खुद को ढालने के लिए डिफेंस फोर्स की तारीफ करते हुए राजनाथ सिंह ने बताया कि नई सोच, बेहतर तालमेल और बेहतर तालमेल के साथ-साथ एडवांस्ड हथियारों ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन से यह साफ संदेश गया कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने में हिचकिचाएगा नहीं।

रक्षा मंत्री ने ड्रोन और मॉडर्न टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर खास ध्यान देते हुए सेना की रीस्ट्रक्चरिंग की कोशिशों की तारीफ की। उन्होंने क्षमताओं को मजबूत करने, लगातार परफॉर्मेंस का आकलन करने और बदलते हालात के हिसाब से जरूरी सुधार लागू करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोनॉमस सिस्टम, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और सुरक्षित कम्युनिकेशन नेटवर्क जैसे एरिया में कोशिशों में तेजी लाने की अहमियत पर जोर दिया।

राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि हवा, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर डोमेन में चुनौतियों के बढ़ते महत्व के बावजूद, जमीनी लड़ाई और जमीनी सेनाएं जरूरी बनी रहेंगी। उन्होंने मॉडर्न लड़ाई के लिए एक इंटीग्रेटेड अप्रोच की अपील की, और जोर दिया कि सफलता मल्टी-डोमेन क्षमताओं और जॉइंट ऑपरेशन में आसान तालमेल पर निर्भर करेगी।

रक्षा मंत्री ने रक्षा बलों की आत्मनिर्भरता की कोशिशों को माना और कहा कि भारत की बढ़ती डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं सभी स्टेकहोल्डर्स की मिलकर की गई कोशिशों का नतीजा हैं।

रेडीमेड कपड़ों की सप्लाई के नाम पर कंपनी से ठगी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक कंपनी से ठगी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी ने रेडीमेड कपड़ों और सिलाई मशीन के सामान की सप्लाई करने के बहाने एक कपड़ा निर्माता से लगभग 2 लाख रुपए की ठगी की।

आरोपी की पहचान दिल्ली के बदरपुर निवासी पवन कुमार के रूप में हुई है। शाहदरा जिले की साइबर थाना पुलिस ने तकनीकी जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने वह मोबाइल फोन भी बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल शिकायतकर्ता से संपर्क करने के लिए किया गया था।

पुलिस के अनुसार, यह मामला नीरज कुमार जैन की शिकायत पर दर्ज किया गया था। नीरज रेडीमेड कपड़ों के निर्माण और उनसे जुड़े सामान के कारोबार से जुड़े हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि 6 जुलाई को आरोपी पवन कुमार ने उनसे संपर्क किया और खुद को रेडीमेड कपड़ों और सिलाई मशीन के सामान का सप्लायर बताया। आरोपी ने उन्हें यह कहकर ऑर्डर देने के लिए राजी कर लिया कि जरूरी सामान डिलीवरी के लिए उपलब्ध है।

कंपनी का भरोसा जीतने के लिए आरोपी ने कैटलॉग, इनवॉइस और ट्रांसपोर्ट से जुड़े दस्तावेज शेयर किए। उसने बार-बार यह भरोसा भी दिलाया कि ऑर्डर किया गया सामान समय पर भेज दिया जाएगा और डिलीवर कर दिया जाएगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415